हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 30.11.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 128 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं, भाजपा ने शुरू की शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारियां

▶ आजाद मैदान में 5 दिसंबर को शाम पांच बजे होगा मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण कार्यक्रम।

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर अभी भी सस्पेंस बरकरार है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई अतिविशिष्ठ लोगों को न्योता भेजने की भी तैयारी की जा रही है।

दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ गुरुवार को देर रात हुई बैठक के बाद मुंबई लौटे देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को मुंबई के सभी मैदानों की लिस्ट मुंबई नगर निगम से मंगवाई थी। इन मैदानों में 5 दिसंबर को शाम को सिर्फ आजाद मैदान ही खाली है। इसी वजह से देवेंद्र फडणवीस ने इसी मैदान को शपथग्रहण के लिए चुना है। सूत्रों के अनुसार मुंबई में आज भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक होनी थी, जिसे फिलहाल रद्द कर दिया गया है। अब यह बैठक एक दिसंबर को मुंबई में होगी। इस बैठक में भाजपा के दो केंद्रीय नेता पर्यवेक्षक के तौर पर उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में ही भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा, जिसे 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी।

विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने कुल 288 सीटों में से 230 सीटों पर चुनाव जीता है। इनमें भाजपा 132 , शिंदे समूह की शिवसेना 57 और राकांपा एपी 41 सीटों पर चुनाव

जीतने में सफल रही है। इसके साथ ही 5 निर्दलीय विधायकों ने भाजपा को समर्थन दिया है। राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री के फामूर्ले पर नई सरकार का खाका बनाया गया था, लेकिन एकनाथ शिंदे अभी तक उपमुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार नहीं है। जानकारी मिली है एकनाथ शिंदे शनिवार को फिर से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने वाले हैं। इसी वजह से भाजपा ने विधायक दल की बैठक रविवार को आयोजित की है। उसी दिन भाजपा अपना विधायक दल का नेता चुनेगी। सूत्रों के अनुसार 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री के साथ कौन-कौन शपथ लेगा, उसकी भी तैयारी की जा रही है।

शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र फडणवीस शुक्रवार को नयी दिल्ली से मुंबई लौट आए। इससे पहले दोनों नेताओं और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने महाराष्ट्र सरकार गठन को लेकर नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। बृहस्पतिवार देर रात दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने शाह से हुई बातचीत को सार्थक और सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि अगली बैठक शुक्रवार को मुंबई में होगी। सूत्रों ने कहा कि आज शाम को बैठक होने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल कुछ भी निर्धारित नहीं है।

अजित पवार के दोपहर को मुंबई लौटने का कार्यक्रम है। भाजपा को भी विधायक दल की बैठक बुलानी है। शिंदे, फडणवीस और पवार ने विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन की जबरदस्त जीत के बाद महाराष्ट्र की नयी सरकार के गठन के सिलसिले में बृहस्पतिवार को शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात की थी।

शिंदे ने दिल्ली में पत्रकारों से कहा, ह्लहम एक या दो दिन में (महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बारे में) फैसला लेंगे। हमने चचाएं की हैं और बातचीत जारी रहेगी। अंतिम फैसले के बारे में आपको बता दिया जाएगा। ह्व शिंदे ने कहा है कि वह राज्य में सरकार गठन में बाधा नहीं बनेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शाह के फैसले का पालन करेंगे।

एक नजर

गृहमंत्री ने निमियाघाट के थाना प्रभारी को राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा

गिरिडीह : केंद्रीय गृह मंत्रालय के जरिये वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय स्तर पर देश के तीन सर्वश्रेष्ठ थानों में चयनित गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाने को राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा गया। शुकवार को भुवनेश्वर के कन्वेंशन सेंटर लोक सेवा भवन में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निमियाघाट थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी राणा जंगबहादुर सिंह को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय की टीम प्रत्येक वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में थाना का निरीक्षण करती है। उसमें से उत्कृष्ट थानों का चयन करती है। निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाती है। पुलिस पदाधिकारी के अनुसार इस दौरान आम लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार, साफ सफाई, अतिरिक्त सुविधाओं में जैसे थाना में पेंट्री की सुविधा, पुलिस कर्मियों को फिट रहने के लिए थाना में उपलब्ध सुविधा, विकलांग लोगों के लिए रैंप की सुविधा, थाना में शिकायत पर कृत कार्रवाई आदि। पुलिस सूत्रों की मानें तो निमियाघाट थाने को बेहतर कामकाज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर देश के उन टॉप तीन थानों की श्रेणी में गृह मंत्रालय ने शामिल किया था। चयन के लिए कई केरेटेरिया को पार करना पड़ता है। इनमें थाना क्षेत्र में अवैध कारोबार पर लगाम लगाना और जनता से बेहतर संबध बनाए रखना भी शामिल है। हालांकि,चयन प्रक्रिया में 10 और प्वॉइंट शामिल हैं।

बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा का निधन, पीएम व सीएम ने जताया शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धरती आबा बिरसा मुंडा के पोते मंगल सिंह मुंडा का गुरुवार देर रात निधन हो गया। मंगल मुंडा ने रिम्स में अंतिम सांस ली। उनके निधन से आदिवासी समुदाय के लोगों में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार खूंटी के उलिहातु गांव में होगा।

उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को मंगल मुंडा खूंटी-तमाड़ रोड में सड़क दुर्घटना के शिकार हो गये थे। उनके सिर पर गंभीर चोट आयी थी। इसके बाद उनको बेहतर इलाज के लिए रिम्स लाया गया था। 26 नवंबर को डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज करना शुरू किया। उन्हें आईसीयू में रखा गया था। बीती देर रात उनका असामयिक निधन हो गया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने शोक संदेश में लिखा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के परपोते मंगल मुंडा जी का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद और हृदय विदारक है। संड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद जिस तरह से उन्हें इलाज के लिए तड़पना पड़ा, वह हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता को दशार्ता है। इस नाजुक स्थिति में भी उन्हें समय पर ट्रामा सेंटर में बेड नहीं मिला। इलाज शुरू करने में 10 घंटे की देरी हुई। परिजनों को 15 हजार की दवाएं भी खुद खरीदनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार में एक गरीब आदिवासी की जिंदगी की कीमत आज बस इतनी ही रह गई है। यह केवल मुंडा जी की मौत नहीं, बल्कि व्यवस्था के द्वारा उनकी हत्या है। जिस झारखंड को बिरसा मुंडा के आदर्शो पर चलना चाहिए था, वहां उनके वंशज के साथ ऐसा व्यवहार होना हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर कर रख देता है।

उन्होंने कहा कि क्या आज हमारी सरकार और व्यवस्था में गरीबों की कोई जगह नहीं बची है? यह सवाल सिर्फ मंगल मुंडा के परिवार का नहीं, बल्कि झारखंड के हर गरीब आदिवासी का है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अपने शोक संदेश में कहा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा जी के निधन की दुःखद खबर से मर्माहत हूं। यह झारखंड एवं देशभर के आदिवासी समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मरांग बुरू दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें। अंतिम जोहार!

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशज के निधन पर शोक जताया

रांची : देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जारी अपने शोक संदेश में कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन से अत्यंत दुःख हुआ है। उनका जाना उनके परिवार के साथ ही झारखंड के जनजातीय समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को संबल प्रदान करें। ओम शांति।

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशज के निधन पर शोक जताया

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि यह समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री पहुंचे रिम्स, बिरसा मुंडा के वंशज को दी श्रद्धांजलि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री सोरेन शुक्रवार को रिम्स पहुंचकर दिवंगत मंगल मुंडा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। मुख्यमंत्री सोरेन ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत मंगल मुंडा के परिजनों को राज्य सरकार के स्तर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री सोरेन से सांसद, विधायक व अधिकारियों ने मुलाकात कर दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद, विधायक और अधिकारियों ने उनसे शिष्टाचार भेंट की और उन्हें शुभकामना व बधाई दी। बधाई व शुभकामना देने वालों में मुख्य रूप सें सांसद जोबा मांझी, विधायक प्रदीप यादव, विधायक लुईस मरांडी, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी एवं विधायक जगत मांझी शामिल रहे। जनप्रतिनिधियों ने झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से भवनाथपुर के विधायक अनंत प्रताप देव एवं उनके परिजनों ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही मुख्यमंत्री से मुख्यमंत्री से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता, उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, पुलिस अधीक्षक देवघर अजीत पीटर डुंगडुंग ने शिष्टाचार मुलाकात की।

दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े ने किया निराश घटकर 5.4 फीसदी पर आई आर्थिक विकास दर

एजेंसी

नयी दिल्ली : वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर 5.4 फीसदी पर आई है। सांख्यिकी और क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से ये जीडीपी डेटा जारी किया गया है। इसको अगर पिछले साल के मुकाबले देखा जाए तो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 8.1 फीसदी पर रही थी। इस लिहाज से इस साल की दूसरी तिमाही में आर्थिक विकास दर के 5.4 फीसदी के आंकड़े ने निराश किया है।

महंगाई दर के उछाल का जीडीपी पर पड़ा असर

रिटेल खाद्य महंगाई दर के उछाल और कॉरपोरेट के नतीजों में गिरावट के चलते जीडीपी का डेटा उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है।

रिजर्व बैंक ने भी ग्रोथ के अनुमान को धीमा किया था और इसके पीछे मुख्य कारण महंगाई दर में इजाफा ही है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सबसे कम रही जीडीपी दर

वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से जून की पहली तिमाही में जीडीपी दर 6.7 फीसदी रही थी जो कि पिछले पांच तिमाही में सबसे कम जीडीपी का आंकड़ा रहा था। आरबीआई ने 9 अक्टूबर को पिछली मौद्रिक समिति की बैठक के एमपीसी ऐलानों में वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि यानी रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था।

रियल जीवीए के लिए क्या है आंकड़ा

इन आंकड़ों के बाद भी वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में रियल जीवीए यानी ग्रॉस वैल्यू एडिशन ने 6.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल की है। दूसरी तिमाही में रियल ग्रॉस वैल्यू ऐडेड (जीवीए) का डेटा जानें तो ये 5.6 फीसदी पर आया है जो कि इसके पिछले साल की दूसरी तिमाही में 7.7 परसेंट के मुकाबले काफी कम रहा है। नॉमिनल जीवीए ग्रोथ भी घटी है और ये दूसरी तिमाही में 8.1 परसेंट पर दिखी है जो कि इससे पिछले साल की समान तिमाही में 9.3 फीसदी पर रही थी।

मैन्यूफैक्चरिंग में धीमी ग्रोथ का असर जीडीपी पर दिखा

मैन्यूफैक्चरिंग में धीमी ग्रोथ रही और ये दूसरी तिमाही में 2.2 फीसदी पर आ गिरी है। इसके अलावा माइनिंग सेक्टर में ये निगेटिव में चली गई है। माइनिंग सेक्टर की आर्थिक विकास दर -0.1 फीसदी पर आ गई है।

कृषि सेक्टर की ग्रोथ में सुधार

कृषि सेक्टर की ग्रोथ पिछले चार तिमाही के बाद कुछ सुधार हासिल करती दिखाई दे रही है और ये 3.5 फीसदी की ग्रोथ रेट हासिल करने में कामयाब रही है।

कंस्ट्रक्शन सेक्टर का रिपोर्ट कार्ड कंस्ट्रक्शन सेक्टर के रिपोर्ट कार्ड में अच्छा डेटा देखने को मिल रहा है और ये दूसरी तिमाही में बढ़कर 7.7 फीसदी पर पहुंच गया है।

सर्विस सेक्टर का हाल भी अच्छा रहा

सर्विस सेक्टर का हाल दूसरी तिमाही में अच्छा रहा है और ये शानदार 7.1 फीसदी पर आया है। इसके पीछे ट्रेड, होटल्स और ट्रांसपोर्ट सेक्टर के 6 फीसदी ग्रोथ के आंकड़े का अच्छा हाथ रहा है।

गोंदिया में बस पलटने से 10 की मौत, 35 घायल

▶ कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की।

एजेंसी

मुंबई : गोंदिया जिले के अजुर्नी तहसील के खजरी गांव के पास शुक्रवार दोपहर एक एसटी महामंडल की शिवशाही बस एक कार बचाने के चक्कर में पलट जाने से 10 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। इस घटना में करीब 35 लोग घायल हैं और इन सभी को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। शिंदे ने घायलों का सरकारी खर्च पर इलाज करवाए जाने का आदेश दिया है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है, इसलिए इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार एसटी महामंडल की शिवशाही बस आज नागपुर से गोंदिया जा रही थी। अचानक अजुर्नी तहसील के खजरी गांव के पास एक कार को बचाते समय बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही एसटी प्रशासन, स्थानीय पुलिस की टीम और राहत और बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचा और मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया है। पुलिस के अनुसार एसटी बस में से खबर लिखे जाने तक 10 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

जानकारी मिलते ही कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उक्त दुर्घटना के संबंध में स्थानीय प्रशासन से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घायलों को तत्काल और उचित इलाज देने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री शिंदे ने भी मृतकों के आश्रितों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का भी आदेश दिया है।

भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोदिंया में शिवशाही बस दुर्घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि गोंदिया जिले में सडक अजुर्नी के पास एक शिवशाही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और कुछ यात्रियों की मौत हो गई। दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवार का दुख साझा करते हैं।

झारखंड के युवाओं के प्रेरणा के स्रोत बन चुके हैं टाइगर जयराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : झारखंड में विधानसभा चुनाव के दौरान एक नाम काफी चर्चा में रहा और यह नाम सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि दिल्ली तक तहलका मचा के रख दिया। हां हम बात कर रहे हैं झारखंडी क्रांतिकारी टाइगर जयराम महतों का। एक 30 साल का लड़का जो धनबाद के पीके राय कॉलेज में जब टअ की पढ़ाई कर रहा होगा तो उसने शायद सोचा भी नहीं होगा कि झारखंड के युवाओं के आवाज बनकर उभरेंगे। लेकिन नियति की मांग थी कि कोई युवा सामने आए जो झारखंड के नीति, स्थानीयता और यहां के बच्चों के भविष्य के बारे में खुलकर बात करे। 1932 आधारित खतियान को

आधार बना कर बखूबी झारखंड के हित में अपनी बात रखना शुरू किया और लोग उनके विचारों से दिल से जुड़ने लगे। कोयलांचल यूनिवर्सिटी में ढँ में एडमिशन लेने के बाद कभी वहां के फुटबॉल ग्राउंड में 50 लड़कों के बीच अपनी बात विचार रखना शुरू किया था आज उसी के विचार को सुनने के लिए झारखंड के किसी भी मैदान में 50 हजार तक की भीड़ उमड़ पड़ती है। कहा जाता है कि आज से कुछ साल पहले पंचायती चुनाव की तैयारी में जुटे थे जयराम महतों, लेकिन उनका मतभेद नीति बनाने वालों से था उन्हें पता चला गया कि यह जगह उनके लिए ठीक नहीं रहेगा। चूंकि उनका सवाल नीति निमार्ताओं से था तो उन्हें वहीं जाना चाहिए जहां नीतियां बनती हो और झारखंड के हित में नीति बनाया जा सके। आज से महज 2 साल पहले जनता के बीच उनकी समस्या को सुनके उन्हें अपने विचार से जोड़ने के लिए धनबाद जिले के तोपचांची के एक छोटे से गांव से निकला हुआ एक लड़का का नाम झारखंड के बच्चा बच्चा के जुबान में टाइगर के नाम से गूंजने लग गया। इनके स्पीच को सिर्फ युवा नहीं बल्कि मुख्यमंत्रि और बड़े बड़े मंत्री अपने फोन में सुनने लगे और अपने भाषणों में भी दोहराने लग गए। लेकिन वही लोगों ने ताना देना शुरू कर दिया कि भाषण से कुछ नहीं होता है क्षमता है तो जनता के बीच उतरे जनता उन्हें स्वीकारेगी तो सदन पहुंचा देगी फिर वहां उनकी बातों को उठाए और उसे क्रियान्वित करे। इसको लेकर जेएलकेएम पार्टी भी बनी पिछले लोकसभा चुनाव में गिरिडीह से चुनाव भी लड़े टाइगर लगभग 3 लाख वोट भी लाए पर चुनाव जीत नहीं पाए। फिर उसने झारखंड विधानसभा की तैयारी शुरू की और मात्र 2 महीने में पूरे झारखंड में अपनी पार्टी का जलजला पैदा करवा दिया। डुमरी विधानसभा से उसने अपना नामांकन किया और जितने में सफल रहे। आज के जिस दौर में चुनाव के दौरान करोड़ों रुपए पानी के जैसा बहाया जाता है।

एक नजर

गहना सफाई के नाम पर सोने की चेन छीनकर फरार

चौपारण : कम्पनी का प्रचार करने के नाम से अब उच्चके घूमते हैं गांव में लोगों को बनाते हैं अपना शिकार। ताजा मामला गुरुवार को सिंघरावां के टिटहि से भाजपा मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी की पत्नी का सोने की चेन छीन कर भाग गए चोर। जिसके बाद सीसीटीवी में दो युवकों का चेहरा साफ तौर पर दिख रहा है। बताया जाता है कि दोपहर करीब 1:40 बजे राजेन्द्र चंद्रवंशी का गेट खटखटाया गया। जिसके बाद उनकी पत्नी ने गेट खोला तब युवक जिसका साथी कुछ दूरी पर बाइक पर खड़ा था उनसे जेवर साफ करवाने की बात करने लगा। उसने कहा कि वह वीम बार कम्पनी का प्रचार करता है। जिसके बाद महिला उन्हें मना कर गेट बंद करने लगी। इसी बीच मौके का फायदा उठा उक्त युवक उनकी गले से सोने की चेन छीन कर बाइक पर बैठ कर भागने लगा। घटना के बाद लोग पीछे दौड़े तब तक युवक जीटी रोड से भाग निकले। घटना से आसपास के लोगों में डर भी हो गया है। क्योंकि यह अपने आप मे नई घटना है।

जमीन विवाद में मारपीट, हवाई फायरिंग करने का लगाया आरोप

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत महुगढ़ा स्थित जीटी रोड पर जमीन विवाद में हुई मारपीट का मामला बरही थाना पहुंचा। जिसमें फूलमती देवी उम्र 52 वर्ष पति मुरली महतो ग्राम महुगढ़ा थाना बरही जिला हजारीबाग निवासी ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर मनोज मंडल, संतोष मंडल, किशोर मंडल, अजित मंडल, रंजीत मण्डल पाँचों के पिता महादेव मण्डल किशोर मण्डल, महादेव मंडल पिता स्व. हेमलाल महतो, उर्मिला देवी पति महादेव मण्डल, चंपा देवी पति संतोष मंडल, मालती देवी पति मनोज मंडल, सोनी देवी पति किशोर मण्डल, खुशबु मण्डल पति अजीत मण्डल, लक्ष्मी देवी पति रंजीत मंडल, शुभम मण्डल पिता संतोष मंडल, राहुल मण्डल पिता मनोज मंडल सभी ग्राम महुगढ़ा थाना बरही निवासी द्वारा मारपीट, गाली गलौज एवं तलवार व पिस्टल से वॉर करने का आरोप लगाया है। आवेदन में कहा है कि गैर लाइसेंसी पिस्टल निकालकर हवा में लहराया गया और हवाई फायरिंग करने का वादी ने आरोप लगाया है। मामले को लेकर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बरही आभास कुमार ने बताया कि मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

हनी ट्रैप गिरोह का खुलासा, दो नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

हजारीबाग : शहर के लॉज में हनी ट्रैप गिरोह का संचालन किया जा रहा है कोर्रा पुलिस ने इसका खुलासा किया है इस संबंध में दो नाबालिक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनके पास से भारी मात्रा में नगदी लग्जरी वाहन दो मोबाइल और सिम बरामद किए गए हैं। यह जानकारी देते कोर्रा थाना प्रभारी शमशेर बहादुर ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित कुमार आनंद को गुप्त सूचना मिली कि शहर के लॉज में रहने वाले कुछ लड़को ने एक व्यक्ति जिसका नाम शिव शंकर प्रसाद सिंह है।उनको किडनैप कर बंधक बना लिया गया है और फिरौती की मांग की जा रही है। वह चेक के माध्यम से पैसा निकलवाने बैंक गये है। प्राप्त सूचना पर संज्ञान लेते हुये त्वरित कार्रवाई की गई। कोर्रा थाना पुलिस की गश्ती दल ने किडनैप व्यक्ति शिव शंकर प्रसाद सिंह को बरामद कर अपने कब्जे में लेकर आयी। इस संबंध में कोर्रा थाना कांड संख्या196/24 दर्ज किया गया है। पकड़े गए लोगों के पास से एक सफेद रंग का मारूती डिजायर,दो मोबाईल बरामद किया।

बरबनिया में सांसद एवं विधायक ने उपलब्ध कराया ट्रांसफार्मर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल एवं बड़कागांव विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक रोशन लाल चौधरी के प्रयास से बिजली विभाग के द्वारा नापोखुर्द पंचायत के बरवणिया में ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाया गया। ज्ञात हो कि 26 नवंबर को शाम में ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना भाजपा के प्रतिनिधि मंडल को दी गई। जिसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्यकताओं के द्वारा सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी को संयुक्त रूप से पहुंचाई गई। जिस पर उन्होंने त्वरित संज्ञान में लेते हुए पहल कर ग्रामीणों को 28 नवंबर को ट्रांसफार्मर ग्रामीणों को उपलब्ध करवाया। मौके पर भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि किसी भी तरह की प्रखंड में समस्या हो तो इसकी सूचना भाजपा प्रतिनिधियों को दें। समस्या का समाधान तुरंत

करने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीणों को ट्रांसफार्मर मिलने पर खुशी का माहौल देखा गया। ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन भाजपा प्रतिनिधिमंडल के द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल मिश्रा, जिला मंत्री जयनारायण प्रसाद, आजसू नेता संदीप कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मनीष पांडे, पुर्व मंडल अध्यक्ष बेचन साव, पुनम साहू, सुमन गिरी, उपाध्यक्ष अशोक साव, हीरालाल साव, श्वेता देवी, मुकेश साव, विकास साव, तेतरी देवी, विमला देवी, धनेश्वरी देवी समेत सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हेमन्त सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में की शिरकत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे। उन्होंने मोरहाबादी मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। इस ऐतिहासिक समारोह में देशभर के कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर बरही विधानसभा से सपा प्रत्याशी सह पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला और युवा नेता सह जिला परिषद सदस्य रविशंकर अकेला ने अखिलेश यादव से भेंट की। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा जताई। अखिलेश यादव ने नेताओं से मुलाकात के दौरान उन्हें प्रेरित किया कि वे पार्टी की

विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। उमाशंकर अकेला ने इस अवसर पर कहा कि समाजवादी पार्टी झारखंड में भी अपनी जड़ों को मजबूत कर रही है और राज्य के लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प बनने की दिशा में काम कर रही है। युवा नेता रविशंकर अकेला ने इसे अपने लिए एक प्रेरणादायक अवसर बताया और कहा कि अखिलेश यादव जैसे नेता से मुलाकात ने उन्हें नई ऊर्जा और दिशा दी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां युवाओं और ग्रामीणों के लिए उम्मीद की किरण हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि सपा झारखंड में विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में नई ऊंचाइयों को छूएगा। इस अवसर ने समाजवादी पार्टी के झारखंड में भविष्य की संभावनाओं को और मजबूत किया है और यह मुलाकात पार्टी के क्षेत्रीय नेताओं के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला क्षण साबित हुई।

समाज का सहयोग उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की हजारीबाग जिला कमेटी ने निर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक को पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र भेंट कर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने विधायक से क्षेत्रीय विकास और समाज की बेहतर के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। समाज के सदस्यों ने अपनी समस्याएं और मांगें रखते हुए विधायक से अपेक्षा जताई कि वे समाज के उत्थान और जरूरतमंदों के सहयोग में अपनी भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा, जिला अध्यक्ष यदू राणा,

सचेतक महावीर राणा, महासचिव बृजलाल राणा, महिला जिला अध्यक्ष साक्षी राणा, जिला महामंत्री धनबाद गुप्तेश्वर शर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष उमेश राणा, निर्मल राणा, त्रिवेणी राणा, अनुज राणा, विनोद राणा, बबीता राणा, कौशल्या देवी, अशोक राणा, देवनाथ राणा, शंकर राणा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज का सहयोग उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाज के विकास और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। साथ ही, क्षेत्र की समग्र प्रगति के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर कार्य करने का विश्वास दिलाया। इस मुलाकात ने समाज और जनप्रतिनिधि के बीच आपसी सामंजस्य को और मजबूत किया है। इस प्रकार के आयोजनों से समाज के सदस्यों में विश्वास और एकता का भाव विकसित होता है।

पत्थरों का अवैध उत्खनन होने से पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न पहाड़ों के इर्द गिर्द में पत्थरों का अवैध उत्खनन जोरों पर है। इलाकों में नियम-कानून को ताक पर रखकर हो रहे पत्थर का कारोबार हो रहा है। जिससे पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में है। अगर इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो, धीरे-धीरे पहाड़ों एवं जंगलों का क्षय हो जाएगा। वही पत्थर माफिया सरकार के राजस्व चोरी कर मालामाल हो रहे हैं। पत्थर उत्खनन के कारण हरा - भरा दिखने वाला क्षेत्र दुर्गम सा क्षेत्र दिखने लगा है। पर्यावरण को काफी क्षति पहुंचने लगी है। पत्थरों का उत्खनन होने एवं क्रेशर मशीनों में पत्थरों को तोड़ने के दौरान वायु प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। जिससे क्रेशर मशीन के आसपास गांव के लोगों के के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा दमा व टीवी से ग्रस्त रोगी खांसी से

परेशान हो गए हैं। बड़कागांव के जुगरा, आंगो, गुड्डुकुआ, उरेज, क्षेत्र के पहाड़ों का स्वरूप पूरी तरह से बिगड़ता जा रहा है। अंगों पंचायत के बंदरचुआं, रोल टंगरी, नगाड़ा पत्थर, किचन कोचा, गुड्डुकुआ पहाड़ जंगल की बदहाल स्थिति हो गई है। रेंजर कमलेश कुमार सिंह ने बताया कि पत्थरों के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करने के लिए वन विभाग सख्त कार्रवाई कर रही है। 28 नवंबर की रात पत्थर का अवैध ढुलाई करने वाले ट्रैक्टर को वन कर्मियों द्वारा पीछा किया गया, लेकिन भागने के चक्कर में ट्रैक्टर का चालक ट्रैक्टर को कुएं में डूबा दिया एवं वह स्वयं भाग गया।

किसी भी सूरत में अवैध खनन, परिवहन व भंडारण न हो : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : समाहणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में शुक्रवार को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण के रोकथाम के लिए जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति की बैठक की गई। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी और मोटरयान निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा खनन क्षेत्र में चलने वाले भारी वाहनों का निरंतर जांच अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि अगर किसी वाहन चलकों द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है तो वैसे लापरवाह वाहन, वाहन चालकों पर अविलम्ब कार्रवाई करें। खास कर वाहनों का अलट्रेशन, फिटनेश, रिफलेक्टिव टेप, प्रदुषण पेपर समेत अन्य का जांच करें। जिला खनन पदाधिकारी मनोज कुमार टोप्पो ने बताया कि

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध वित्तीय वर्ष 2024-25 में अभी तक 57 प्राथमिकी, 125 वाहन जब्त, अवैध परिवहन में 111 वाहन जब्त किया गया है। कुल 167,336 की जुमार्ना राशि वसुली गई है। अवैध खनन परिवहन व भंडारण के विरुद्ध शून्य कार्रवाई वाले अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी के प्रति उपायुक्त ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा अवैध खनन परिवहन व भंडारण के विरुद्ध लगातार जांच अभियान चलाते हुए अवैध खननकर्ता और वाहन एवं संलिप्त लोगों के ऊपर कार्रवाई करें। अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी आपस में समन्वय बनाते हुए अवैध खनन परिवहन व भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में अवैध खनन परिवहन व भंडारण ना हो। आम्रपाली व अन्य परियोजनाओं में बिना ढंके कोयला के परिवहन के मामलें में संबंधित वाहनों को जब्त कर दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मोटरसाईकिल से कोयला चोरी की रोकथाम के लिए संबंधित थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी को आवश्यक निगरानी रखेंगे। सीसीएल क्षेत्र से कोयला चोरी के मामलों में सीसीएल के सुरक्षा कर्मी की संलिप्तता मानते हुए प्राथमिकी दर्ज की कार्रवाई करें। उपायुक्त रमेश घोलप ने कोयला परियोजनाओं के बाहर खनिज पारगमन मार्गो एवं अन्य स्थानों पर समुचित जल छिड़काव, धुल-कण की सफाई की सुदृढ़ व्यवस्था करते हुए टैंकरों पर जीपीएस लगाना सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को एक्टिव मोड में रहकर अपने क्षेत्रान्तर्गत अभियान में तेजी लाते हुए अवैध बालू, पत्थर, कोयला खनिज के मामले में अवैधकर्त्ता के विरूद्ध प्राथमिकी व नियमानुसार दण्ड राशि की वसूली की कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि पिपरवार थानान्तर्गत लुकैया, झुलनडीहा, पंडरिया एवं किरीगडा टोंगरी में अवैध कोयला खनन व भण्डारण क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए अवैधकर्त्ता के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करें एवं अवैध मुहाना को डोजरिंग व फेसिंग की कार्रवाई सुनिश्चित करें। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के समीक्षा के क्रम में सर्वप्रथम निर्देशित करते हुए डीसी ने कहा कि बस स्टैंड का रोड खराब होने के कारण आए दिन शिकायत प्राप्त होते रहता है और रोड खराब होने के कारण वाहन व राहगीरों के आने जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जल्द से जल्द सड़क मरम्मती का कार्य पूर्ण कराते हुए इसकी सूचना दें।

संक्षिप्त खबरें

डॉ ललन बाबू कस्तूरबा गांधी विद्यालय में ऊनी टोपी का किया गया वितरण

चौपारण : प्रखण्ड के डॉ ललन बाबू कस्तूरबा गांधी सह आइडियल पब्लिक स्कूल सिंहपुर के संस्थापक स्व डॉ ललन प्रसाद के पुत्र चन्दन कुमार के पुत्र अनन्त प्रताप अपने 13वें जन्मदिन पर भी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जरूरतमंद व गरीब बच्चों के बीच उन्नी टोपी एवं स्कार्फ का वितरण। पत्रकार चन्दन कुमार के पुत्र अनन्त प्रताप द्वारा शुक्रवार को जिले के मूख विधुर विद्यालय संत माइकल स्कूल फॉर हियरिंग इम्पायर्ड, दीपुगढा में विद्यालय के लगभग 150 मुख विधुर बच्चों के बीच उन्नी टोपी बांटा गया। मौके पर विद्यालय के सभी बच्चों ने अनन्त प्रताप को एक साथ जन्मदिन की बधाई भी दी। सभी बच्चे उन्नी टोपी पाकर काफी खुश हुए। विद्यालय की सिस्टर रोशनी व शिक्षक ज्योति बाड़ा ने भी अनन्त प्रताप को जन्मदिन पर ऐसे सामाजिक कार्य करने पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मौके पर चन्दन कुमार, ममता कुमारी, गणेश प्रसाद, सरोज देवी, राहुल कुमार, किरण कुमारी, रोहित कुमार, शिवानी, अनन्त प्रताप, अरनव प्रताप और उनके दोस्त शिवांश कुमार, शुभंकर कुमार,तन्मय कुमार, विराज कुमार सहित अन्य टोपी वितरण के कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मिशन हॉस्पिटल में 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक आयोजित होगा मेगा डेंटल इम्प्लांट कैंप

हजारीबाग : हजारीबाग रविंद्र पथ मिशन रोड अवस्थित श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी द्वारा संचालित संत कोलम्बस मिशन हॉस्पिटल में 01 दिसंबर से 31 जनवरी तक मेगा डेंटल इम्प्लांट कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विश्व स्तर के प्रसिद्ध मैक्सिलो फेशियल सर्जन डॉ रंजीत कुमार दांत इम्प्लांट में अपनी सेवाएं देंगे। मौके पर संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने बताया कि हमारा लक्ष्य है स्वास्थ्य के अद्यतन सुविधा न्यूनतम दर पर जन-जन तक पहुंचाना। डेंटल इंप्लांट सर्जरी दंत चिकित्सा जगत के रिसेट एडवांसमेंट में से एक है। इसमें टाइटेनियम व टाइटेनियम अलॉयज से निर्मित इंप्लांट को मानव जबड़े में स्थापित किया जाता है। समय के साथ इन पर बोन डिपॉजिट हो जाते हैं और इस प्रकार यह इंप्लांट डिपॉजिटेड बोन की सहायता से मानव जबड़े से पूरी तरह इंटीग्रेटेड कर जाता है। फिर इसके ऊपर कृत्रिम दांत लगा दिए जाते हैं। व्यक्ति विशेष इन इंप्लांट दांत से प्राकृतिक दांत से भी ज्यादा मजबूती से खाना खा सकते हैं। बत्तीसी दांत जहां मसूड़े के ऊपर बने अंदर कट से रिटन रहते हैं वहीं डेंटल इंप्लांट प्राकृतिक दांत की तरह जबड़े की हड्डी से इंटीग्रेटेड होता है। उन्होंने बताया कि यही कारण है कि डेंटल इंप्लांट से मरीज कई गुना अधिक एफिशिएंट खा सकते हैं। अधिकतर डेंटल इंप्लांट विदेश से इंपोर्ट किए जाते हैं और काफी महंगे हैं। जिसके कारण साधारण जनता इस सेवा से वंचित रह जाती हैं। इस डेंटल कैंप में न्यूनतम दर पर इंप्लांट सेवा प्रदान की जाएगी। वृद्ध लोगों के लिए अति न्यूनतम राशि पर इंप्लांट सेवा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। मेगा डेंटल कैंप के जरिए हम न्यूनतम दर पर बेस्ट डेंटल इंप्लांट सेवा प्रदान करने जा रहे हैं। हमारा विश्वास है कि यह आयोजन लोगों के जीवन शैली को अच्छा करने में मिल का पत्थर साबित होगा। विश्व स्तर के प्रसिद्ध मैक्सिलो फेशियल सर्जन डॉ रंजीत कुमार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एवं मणिपाल डेंटल कॉलेज समेत देश-विदेश के विभिन्न संस्थाओं व समितियां में डेंटल इंप्लांट पर व्याख्यान दे चुके हैं।

इंडिया गठबंधन सरकार झारखंड के विकास को नए पंख देगी : विनोद कुशवाहा

हजारीबाग : झारखंड में मुख्यमंत्री पद पर हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण के बाद कांग्रेस के झारखंड प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने उन्हें बधाई देते हुए उन्हें एक सच्चा जननेता करार दिया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार झारखंड में समावेशी विकास की नई इबारत लिखेगी और सभी नागरिकों के

लिए बिना भेदभाव के काम करेगी। विनोद कुशवाहा ने अपने बयान में कहा कि झारखंड में पूर्ण बहुमत से गठित हेमंत सोरेन की सरकार मूलनिवासियों और वंचित वर्गों के उत्थान को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति देगी। उन्होंने इसे देश में इंडिया गठबंधन के कार्यों का एक उदाहरण बताया और कहा कि झारखंड का शासन एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरेगा। विनोद कुशवाहा ने इंडिया गठबंधन की ओर से चुनाव के दौरान किए गए 7 गारंटियों के वादों को दोहराते हुए कहा कि यह सरकार झारखंड की जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खास तौर पर निम्नलिखित गारंटियों का जिक्र किया जिनमें मईया सम्मान योजना जिसके तहत झारखंड की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये दिए जाएंगे। आरक्षण में वृद्धि में एसटी को 28 प्रतिशत, एससीको 12 प्रतिशत और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान सुनिश्चित किया जाएगा। शैक्षिक सुधार में हर जिले में एक इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी खोलने का वादा पूरा किया जाएगा सहित अन्य वायदे है। विनोद कुशवाहा कुशवाहा ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड में सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास को साथ लेकर चलेगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार झारखंड के युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए नए अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने हेमंत सोरेन और गठबंधन की सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह झारखंड के विकास को नए पंख देगी और यहां के नागरिकों की उम्मीदों को साकार करेगी।

चौपारण की बेटी ने बीपीएससी में लहराया परचम, खुशी का माहौल

चौपारण : चौपारण के व्यवसायी प्रकाश केशरी की बेटी स्वाति केशरी ने बीपीएससी में 158 रैंक हासिल कर लहराया परचम। स्वाति केशरी ने बताया कि शुरू से ही मुझे समाज सेवा का काम करने का मन था। वहीं स्वाति केशरी के पिता प्रकाश केशरी ने बताया कि स्वाति शुरू से ही मेधावी रही हैं।उन्होंने बताया कि मेरा अपना अनुभव है कि बेटी भी बेटों से कम नहीं है। बेटी को अगर अच्छे माहौल में अच्छे ढंग से पढ़ाया जाये तो बेटियां भी

परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। इधर, जैसे ही बीपीएससी का रिजल्ट आउट हुआ और लोगों को पता चला तो बधाई देने वालों का तांता लग गया। रिजल्ट आने के बाद परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है।

एक नजर

अपहृत व्यक्ति सकुशल बरामद, पांच गिरफ्तार

रांची : रांची के नामकुम स्थित खरसीदाग ओपी पुलिस ने अपहृत विजय उरांव को कार के साथ सकुशल बरामद करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में संजय कुमार महतो, सूरज कुमार, अभिराम महतो, अर्पित शर्मा और अजय कुमार महतो शामिल है। इनके पास से दो पीस लोहे का रॉड, एक बांस का डंडा, 32 फीट लंबा रस्सी, एक कुल्हाड़ी और पांच पीस मोबाईल फोन बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि गत 27 नवंबर को धुर्वा थाना निवासी अपहृत की पत्नी मुन्दरी टोप्पो ने लिखित आवेदन दिया था कि अज्ञात अपराधियों ने उनके पति विजय लाल उरांव को वैगनआर कार सहित अपहरण कर लिया है और पांच लाख रुपये फिरौती मांग रहे है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एफआईआर दर्ज करते हुए डीएसपी मुख्यालय-1 के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि छापेमारी टीम के जरिये त्वरित कार्रवाई करते हुए सिठियो ब्रिज रिंग रोड धुर्वा के पास एक सुमो गाड़ी नंबर (जेए10एडी6262) को घेरकर जांच किया गया तो वाहन के अन्दर से अपहरण करने वाले पांच आरोपितों सहित अपहृत विजय लाल उरांव को वाहन के अन्दर पाया गया। छापेमारी टीम ने पांचों अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए अपहृत को सकुशल बरामद किया।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रांची : कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में शुक्रवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। अपोलो क्लिनिक बरियातू और कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस जांच शिविर में कक्षा तीन से बारहवीं तक के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को चिकित्सकों की टीम ने निशुल्क स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। शिविर में बच्चों के सामान्य स्वास्थ्य, दांत, आंख ,कान, नाक, गला, रक्तचाप, भोजन की जरूरत एवं पौष्टिकता की जांच की गई और उचित परामर्श दिया गया। मौके पर उप प्राचार्या प्रेमलता कुमारी ने कहा कि स्वास्थ्य का ध्यान रखना सभी के लिए वर्तमान समय की सबसे प्रमुख मांग है। उन्होंने कहा कि सभी का स्वस्थ रहना एक सुखद भविष्य और सशक्त राष्ट्र के लिए जरूरी है। इस जांच शिविर में डॉ. रेशमा सिंह, डॉ. निभा एन. कुमारी, डॉ. रवि रोशन, डॉ. विजेता और डॉ. बर्मन ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। कार्यक्रमों का संयोजन एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर मोनिका कुमारी ने किया। शिविर में काफी संख्या में बच्चे, शिक्षक और अभिभावक शामिल हुए।

हत्या मामले में दो महिला सहित छह दोषी करार

रांची: अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने शुक्रवार को पुराने विवाद को लेकर हुई राज उरांव की हत्या मामले में दो महिला सहित छह आरोपित दोषी करार दिया है। सजा के बिंदु पर छह दिसंबर को सुनवाई होगी। मामला एक अगस्त 2017 का है। इस संबंध में मृतक की पत्नी उर्मिला देवी ने दो महिला सहित आठ आरोपितों के खिलाफ मांडर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। प्राथमिकी में उर्मिला देवी ने कहा था कि उसका पति राज उरांव मिस्त्री था। घटना के दिन शाम चार बजे वह फुटबॉल खेलकर बाइक से घर लौटा था। वह बाइक से उतरा भी नहीं था कि पहले से घात लगाये हुए उक्त आरोपित उस पर टूट पड़े। लाठी-डंडा से मार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी।

रांची उपायुक्त व झारखंड डीजीपी ने किया पदभार ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को उपायुक्त रांची का पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मौके पर वरुण रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने काफी कम समय में विधानसभा आम निर्वाचन चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं अन्य कार्यक्रमों में समन्वय के साथ कार्य संपादित किए जाने पर सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को धन्यवाद दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने कहा जिला प्रशासन सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के स्तंभ पंचायत, प्रखंड अंचल कार्याल एवं पुलिस स्टेशन के पदाधिकारी व कर्मी ससमय कार्यालय आएं एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। भजंत्री ने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि आम जनता को कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि कमियों की समीक्षा कर जिला प्रशासन एक्शन प्लान के तहत कार्य करेगा। वहीं अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर झारखंड डीजीपी का प्रभार ग्रहण किया। इस मौके पर पदभार संभालने के बाद डीजीपी ने कहा कि पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा। उन्होंने कहा कि अपराध पर अंकुश लगाना, विधि व्यवस्था संधारण, आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास जगाना, पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा। साथ ही पुलिस बहाली, समय पर प्रोन्नति और विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि जहां पुलिस फोर्स की जितनी जरूरत होगी, वहां उतनी प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जायेगी। गुप्ता ने कहा कि पुलिस का आमलोगों के साथ अच्छा व्यवहार, उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन, बुजुर्ग, कमजोर एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। उनकी पूरी कोशिश होगी कि किसी भी तरह के आपराधिक घटना होने पर पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स हो। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गुरुवार की रात सरकार ने सीआईडी एवं एसीबी डीजी के पद पर पदस्थापित अनुराग गुप्ता को झारखंड डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया था। आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं। वह गढ़वा एवं हजारीबाग एसपी और रांची के एसएसपी के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके अलावा वह बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम कर चुके हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय में उन्हें लंबे समय तक एडीजी स्पेशल ब्रांच के पद पर काम करने का भी अनुभव है। गुप्ता 1990 बेच के तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी है।

जातीय जनगणना व महिला सुरक्षा पर होगा फोकस : राजद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने राज्य के चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लिए हेमन्त सोरेन को पार्टी की ओर से बधाई दी एवं गोड्डा से नवनिर्वाचित विधायक संजय प्रसाद यादव को पार्टी कार्यालय में बुके देकर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में राजद ने शानदार प्रदर्शन किया है। वर्षों से शांत बैठे राजद कार्यकर्ताओं में पूरे झारखंड में गजब का उत्साह पैदा हुआ है। कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड राज्य में सामाजिक न्याय की बात करने एवं सेक्युलर विचारधारा को मजबूती से आवाज उठाने वाले नेता राजद सुप्रिमो लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी प्रसाद यादव हैं। कैलाश यादव ने कहा कि पार्टी का मूल फोकस जातीय जनगणना, एसटी, एससी, ओबीसी का आरक्षण सीमा बढ़ाने किसानों मजदूरों व युवाओं के भविष्य की चिंता तथा महिला सुरक्षा रहा है। आने वाले समय में राजद ऐसे विषय को तेजी आगे बढ़ाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं का एजेंडा में रहेगा। यादव ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव के स्वागत के लिए राजद की ओर से शहर को बैनर पोस्टर से सजाया गया था। इस सफल आयोजन के लिए समिति सभी समूह सदस्यों को एवं गोड्डा विधायक सह प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव को बधाई दिया।

हेमन्त सोरेन को राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में आज सुबह से ही राज्य के विभिन्न जिलों से सैकड़ो की संख्या में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त को बधाई देने पहुंचे लोगों का तांता लगा रहा। इस अवसर पर कई सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि भी शामिल थे। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन सभी लोगों से मिले तथा उनके प्यार, आशीर्वाद एवं समर्थन के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

झारखंड कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को दी बधाई

रांची : झारखंड में हेमंत सरकार की शानदार वापसी पर कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएसन के अध्यक्ष प्रमोद कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई एवं शुभकामनायें दी है। इस संबंध में शुक्रवार को एसोसिएसन के तरफ से हेमंत सोरेन को एक शुभकामना पत्र भेजा गया है। शुभकामना पत्र में लिखा है कि संगठन की ओर से इस प्रचंड जीत के लिए आपको बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनायें। इस प्रकार से आपकी जीत में हमारे संगठन का पूरा सहयोग रहा है, उसी प्रकार हम भी आपसे उम्मीद करते हैं कि आपके दूसरे कार्यकाल में संगठन को आपका पूरा सहयोग मिलेगा एवं हमारे स्थानीय संवेदक भाइयों को उनका उचित हक मिलेगा।

मंगल मुंडा के मौत की हो उच्च स्तरीय जांच दोषियों पर हो कार्रवाई : बाबूलाल मरांडी

▶ मंगल मुंडा की मौत ने हेमंत सरकार की पोल खोल दी : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। भगवान बिरसा मुंडा के परपौत्र के असामयिक निधन पर मरांडी ने कहा कि मंगल मुंडा की मौत चिकित्सा व्यवस्था में बरती गई लापरवाही के कारण हुई है। इस अव्यवस्था ने हेमंत सरकार की पोल खोल दी है। मरांडी ने कहा कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल स्व मंगल मुंडा को दुर्घटना के बाद सदर अस्पताल लाया गया और फिर वहां से छह घंटा बाद रिम्स में भर्ती कराया गया। इस बीच वे एंबुलेंस में ही रहे। मरांडी ने कहा कि यदि शहीद बिरसा मुंडा के वंशज के साथ ऐसा व्यवहार होता है तो फिर राज्य के आम आदमी की क्या दशा होगी। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि स्व. मंगल मुंडा के इलाज में बरती गई घोर लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। मरांडी ने स्व. मुंडा के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति केलिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि दुख की घड़ी में पूरा भाजपा परिवार साथ में खड़ा है।

बिरसा मुंडा के परपोते के निधन पर रिम्स प्रबंधन पर कार्रवाई करे सरकार : विजय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के परपोता मंगल मुंडा की असमय हुई मौत पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि धरती आबा के परपोता मंगल मुंडा सोमवार की रात 10 बजे से मंगलवार की सुबह 08 बजे तक रिम्स के बाहर एम्बुलेंस पर ही तड़पते रहे लेकिन उन्हें भर्ती नहीं किया जाना जांच का विषय है कि किस परस्थितियों में समुचित इलाज के अभाव में एम्बुलेंस में ही तड़पता और कराहता रहा। जबकि भर्ती कराने हेतु उनके भाई जंगल सिंह मुंडा ने पर्ची भी कटाया उसके बावजूद बेड नही खाली होने का बहाना बना कर उन्हे जबरदस्ती एम्बुलेंस के पार्किंग पार्क मे रात भर रहने को विवश किया जाना झारखंडी एंव बिरसा मुण्डा के समर्थको को झकझोड़ने का कार्य किया है जो बर्दाश्त करने लायक नही है जिसकी कडे शब्दो मे इसकी निन्दा मंच करता है।

नायक ने आगे कहा है कि इस घटना की जांच अविलंब झारखण्ड के मुख्य सचिव, स्वास्थ सचिव, रांची उपायुक्त के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय कमिटि का गठन कर दोषी डॉक्टरों पर कारवाई किया जाय और उनके लाइसेंस को रद्द किया जाय। ये बहुत ही शर्म का विषय है कि राज्य के अबुवा सरकार मे अबुवा दिशुम अबुआ राज के नारा को बुलन्द करने वाले महान स्वतंत्रता अमर सेनानी बिरसा मुण्डा के परपोता की इलाज मे कोताही बरतने से असमय मृत होना राज्य वासीयो के लिए काफी आक्रोश का विषय है।

पशुओं का इलाज भी मनुष्य की तरह ही सहानुभूति के साथ होना चाहिए : रिम्स निदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ राजकुमार ने कहा है कि पशुओं का ईलाज भी उसी गंभीरता, सहानुभूति, समानुभूति और चिकित्सा सुविधाओं के साथ किया जाना चाहिए जैसा मनुष्य के साथ होता है। उनको भी रोग नियंत्रण, जांच और क्लीनिकल सुविधाओं का उतना ही अधिकार है और पशु स्वास्थ्य को अलग करके नहीं देखा जा सकता।

वह शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय में पशु स्वास्थ्य, प्रबंधन एवं कल्याण का भावी दृष्टिकोणः चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला तथा पूर्ववर्ती विद्यार्थी सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पशु कल्याण के लिए विभिन्न विषयों के शोधार्थियों, सरकारों, नीति निमार्ताओं और नौकरशाहों के बीच बेहतर सहयोग और तालमेल पर जोर दिया। डॉ राजकुमार ने कहा कि पाटलिपुत्र के सम्राट अशोक ने दुनिया का पहला पशु चिकित्सालय स्थापित किया था जहां जांच, चिकित्सा, ठहराव और क्वॉरेंटाइन सुविधायें उपलब्ध थीं। भारतीय इतिहास में महात्मा बुद्ध का समय सर्वाधिक गौरवशाली था जब भारत का भौगोलिक विस्तार सर्वाधिक था। उन्होंने कहा कि एलुमिनाई मीट पुरानी यादों को जीवंत करने, पुराने मित्रों और अपनी पुरानी संस्था से मिलने तथा आनंद मनाने का दुर्लभ अवसर होता है। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने कहा कि मनुष्य, पशु, पौधा और पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए कार्यरत सभी प्रोफेशनल्स को सभी जीवित प्राणियों और प्लैनेट के स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए मिलकर काम करना चाहिएक उन्होंने कहा कि विदेशी रोगों और कीड़ों से भारत में बहुत सी समस्याएं पैदा हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित मानक के अनुसार ही किसी स्वास्थ्य समस्या की जांच करने पर जांच परिणाम को अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि परंपरागत ज्ञान आधुनिक विज्ञान की रीढ़ है और दोनों का संतुलित मिश्रण कृषक समुदाय की बेहतरी के लिए ज्यादा योगदान दे सकता है। पूर्ववर्ती छात्र तथा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली के अवकाशप्राप्त प्रधान वैज्ञानिक डॉ डीके सिंह ने 'भारत में ब्रुसेलोसिसः जांच और नियंत्रण रणनीतियां विषय पर की नोट व्याख्यान दिया। इस अवसर पर स्मारिका तथा '30 आईकॉनिक वेट्स' शीर्षक पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। आरंभ में स्वागत भाषण करते हुए वेटनरी संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद ने कहा कि आरवीसी और रिम्स का भवन 60 के दशक में एक साथ निर्मित किया गया था। उन्होंने कहा कि वेटनरी कॉलेज में शिक्षकों की संख्या 105 से घटकर 32 हो गई है ।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में दोषी को तीन साल की सजा

रांची : नाबालिग से यौन उत्पीड़न के एक मामले में विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को पोक्सो एक्ट के तहत विनोद लोहरा को दोषी माना और उसे तीन साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि न देने पर उसे अतिरिक्त सजा काटनी होगी। पीड़िता के परिजन ने मांडर थाना में अप्रैल 2021 में अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले में गवाही के दौरान अभियोजन की ओर से ठोस गवाही दर्ज कराई गई थी।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की जमानत पर हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 13 को

रांची : निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने ईडी को इस मामले में ट्रायल की क्या स्थिति है, यह बताने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट अब पूजा सिंघल की जमानत पर 13 दिसंबर को सुनवाई करेगा। इससे पहले रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 26 सितंबर को पूजा सिंघल को बेल देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। ईडी ने 5 मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये कैश बरामद हुए थे। इसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। दोनों से हुई पूछताछ में ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी।

डीजीपी से मिला केंद्रीय सरना समिति का प्रतिनिधि मंडल, दी बधाई

रांची : केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फुलचंद तिर्की नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल धुर्वा स्थित पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने डीजीपी को पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं और बधाई दी। मौके पर केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि अनुराग गुप्ता को झारखंड सरकार के जरिये फिर से डीजीपी बनाया जाना खुशी की बात है। उम्मीद करते हैं कि राज्य के आदिवासियों के साथ न्याय होगा। इस मौके पर केंद्रीय सरना समिति के महासचिव संजय तिर्की, सचिव विनय उरांव सहाय तिर्की, प्रमोद एक्का, पंचम तिर्की सहित अन्य शामिल रहे।

झारखंड को मिली एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबानी

रांची : झारखंड को जनवरी, 2025 में चार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पधाओं के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है। जनवरी, 2025 में यह प्रतियोगिताएं रांची के खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से दी गई। परिषद की ओर से बताया गया कि राज्य को एसजीएफआई की जिन प्रतियोगिताओं की मेजबानी मिली है उनमें अंडर 19 और अंडर 14 बालक-बालिका वर्ग एथलेटिक्स, अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग टेनिस, अंडर 14,17,19 बालक-बालिका वर्ग ट्रैक साइकिलिंग और अंडर 19 बालक-बालिका वर्ग हॉकी प्रतियोगिता शामिल है। अंडर 19 एथलेटिक्स का आयोजन 5 जनवरी से 8 जनवरी तक होगा। अंडर 14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी से 14 जनवरी तक होगा। टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी से 19 जनवरी तक होगा। ट्रैक साइकिलिंग का आयोजन 17 जनवरी से 20 जनवरी तक होगा। हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 23 जनवरी से 27 जनवरी तक होगा। उक्त प्रतियोगिताओ में देश के विभिन्न राज्यों एवं संघों की 45 टीमें भाग लेंगी ।एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता की मेजबानी को लेकर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

छेड़छाड़ करने के आरोपी को मिली एक वर्ष की सजा

रांची: युवती को छेड़छाड़ करने के आरोपित संजय मुंडा को दोषी पाकर एक वर्ष की सश्रम कारावास की सजा दी गई है। यह फैसला प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत ने शुक्रवार को दी है। कोर्ट ने आरोपित को अलग से 11500 का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर उसे अलग से 52 दिन की सजा काटनी होगी। आरोपित के खिलाफ पीड़ित युवती ने प्राथमिक दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार युवती 23 फरवरी 2022 को पहाड़ी क्षेत्र की तरफ खेत पर गई थी। पीछा करते हुए आरोपित भी वहां पहुंचा और उसके साथ छेड़खानी करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी किया। युवती के जरिये शोरगुल करने पर ग्रामीण पहुंच गए। कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान छह गवाहों के बयान दर्ज कराए गए थे। पीड़ित युवती के बयान के आधार पर कोर्ट में आरोपित संजय मुंडा को भादवि की धारा 341, 354 और 323 में दोषी पाकर सजा सुनाई।

कीटनाशक घोटाला मामले में साक्ष्य के अभाव में आठ आरोपी बरी

रांची: एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में 1995 में वन विभाग के कीटनाशक दवा घोटाला मामले में सुनवाई हुई। साक्ष्य के अभाव में अदालत ने वन विभाग के अधिकारी, सप्लायर सहित आठ आरोपितों को बरी कर दिया। इस मामले में 14 आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे। इस दौरान छह आरोपितों का निधन हो गया था।अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक बीके सहाय तथा बचाव पक्ष की ओर से प्रकाश चंद्रा, दीपक कुमार ने बहस की। अधिवक्ता प्रकाश चंद्रा व दीपक कुमार ने बताया कि मामले में गाड़ोदिया परिवार के ओम, विजय, विमल, अशोक गड़ोदिया, प्रणव कुमार सेन, अंजनी कुमार सिंह, रामवृद्ध ठाकुर, बसंत मिस्त्री सहित अन्य आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे।

एक नजर

मेडिकल जांच के बिलंव पर रोक लगाओ : बिके चौधरी

बोकारो : 39 महिने का एरियर, ठेकाकमीर्यों के मेडिकल और री-मेडिकल ,ठेकाकमीर्यों द्वारा पैसा नही लोटाने पर काम से निकाले जाने पर 10 प्रतिशत, रोक इत्यादि मांगो को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज द्वारा आन्दोलन का श्रीगणेश आज एफ एस एन एल और एम टी पी सी बिभाग से किया गया जिसमे सेकडो की संख्या मे बिभागीय एवं ठेकाकमीर्यों ने भाग लिया ।कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित झारखण्ड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने प्रबंधन और एन जे सी एस नेताओ निशाना बनाते हुए कहा कि एक तरफ इस्पातकमीर्यों के साथ धोखाधड़ी कर 39 महिने का एरियर ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया वहीं बिना एरियर मामूली बढ़ोतरी रात्री पाली भत्ता मे किया गया ,कभी भी यूनियन का चुनाव नही करबा यह दशार्ता है कि दोनो मे कितना मजबूत गठजोड है ।वहीं 7 दिन के बदले 2-2 महीने से ज्यादा री-मेडिकल और मेडिकल मे लग रहा है जिसके कारण गरीब असहाय मजदूर को आर्थिक तंगी का सामना करना पड रहा और उसका असर बाल बच्चों के भरण पोषण पर भी पर भी आ चूका है । इसलिए प्रबंधन जल्द से जल्द 7 दिन पर री-मेडिकल और मेडिकल जांच करबाकर उनको गेट पास निर्गत कराबें ,अन्यथा आने बाले दिनों मे उत्पादन पर भी असर पड़ना शुरू हो जायगा । अगला कार्यक्रम मील संम्भाग के लिये दिनांक-2,12,24 को हाट स्ट्रीप मील केन्टीन रेस्ट रूम मे किया जायगा ।

जनभावना का आदर करते हुए जयमंगल सिंह को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए : धर्मवीर

बोकारो : राष्ट्र भक्त समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में झारखंड में दमदार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बेरमो के विजयी लोकप्रिय विधायक जयमंगल सिंह , बोकारो विधायक श्वेता सिंह, चंदन कियारी विधायक उमाकांत रजक धनबाद विधायक राज सिंहा सहित अन्य सभी विजयी विधायकों को शुभकामनाएं बधाइयां प्रदान करते हुए उनके जीत एवं हेमंत सोरेन सरकार गठन पर राष्ट्र भक्त समाज एवं मार्निंग वॉक ग्रुप द्वारा खुशी का इजहार किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय अध्यक्ष धर्मवीर सिंह एवं अन्य सभी सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जोरदार अपील करते हुए मांग किया गया कि जनभावना का आदर करते हुए सरकार में बेरमो के लोकप्रिय विधायक जयमंगल सिंह को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए। सभी लोगों ने कहा कि चूंकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोकारो में बचपन से रहे हैं तथा बोकारो की समस्याओं से अवगत हैं इसलिए बोकारो के समग्र विकास हेतु उन्हें कदम उठाना चाहिए। बोकारो के शहरी, ग्रामीण, विस्थापित, एवं निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य, शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, विकास के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जोरदार पहल करनी चाहिए।

आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो : मंजूनाथ

रांची: उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी स्थिति में आम जनता के साथ अभद्र व्यवहार नहीं होना चाहिए। आम नागरिक समस्या लेकर आएं तो संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय प्रधान यह सुनिश्चित करें कि यदि कोई समस्या लेकर आएं तो उन्हें सही तरीके से जानकारी उपलब्ध कराएं कि उनकी समस्या किस विभाग से संबद्ध है और उसका समाधान किस प्रकार से होगा। उपायुक्त ने कहा कि पारदर्शिता लाने के लिए समाहरणालय में सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी नाम एवं पदनाम से युक्त आइडेंटिटी कार्ड को धारण करेंगे।

सड़क हादसे में दो की मौत, एक घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बालीडीह थाना अंतर्गत बालीडीह मोड़ पर बीती रात करीब साढ़े 11 बजे एक बाइक पर सवार तीन नवयुवक सड़क दुघर्टना का शिकार हो गया। इस घटना में बाइक चालक करीब 18 वर्षीय अमन कुमार तथा 18 वर्षीय अनुज कुमार सिंह की मौत हो गई। वहीं, बियाडा क्षेत्र निवासी शुभम कुमार बुरी तरह घायल अवस्था में बीजीएच के आईसीयू में इलाजरत है। अमन कुमार जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत टांड़ बालीडीह निवासी लालू रजवार का बड़ा बेटा था. वहीं, अनुज कुमार सिंह बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंह टोला के स्वर्गीय संतोष कुमार सिंह का एकलौता पुत्र था।

अमन और अनुज

अपने भइया के रिसेप्शन पार्टी से अनुज और शुभम को घर छोड़ने आ रहा था अमन :-

बताया जाता है कि टांड़ बालीडीह निवासी अमन के बड़े पापा के बेटे का विवाह हुआ है। इसको लेकर गुरुवार शाम रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया गया था। जहां अमन के दोनों दोस्त अनुज और शुभम भी पहुंचा था। रामगढ़ निवासी अपने एक रिश्तेदार का बाइक लेकर अमन अपने दोस्तों को घर छोड़ने बालीडीह तथा बियाडा जा रहा था। इसी दौरान एक सीमेंट लदे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गया। इस घटना में मौके पर ही अमन की मौत हो जाने की बात कही जा रही है। अमन के पिता दैनिक मजदूरी का काम करते है। दो भाईयों में अमन बड़ा लड़का था। घटना की खबर परिजनों को मिलते ही शादी घर में माहौल गमगीन हो गया।

इस दुर्घटना ने छीना विधवा मां का एकलौता सहारा

बताया जाता है कि सिंह टोला निवासी अनुज कुमार की मौत बीजीएच में इलाज के दौरान हो गई। अनुज अपने विधवा मां का एकलौता पुत्र था, जो इस सड़क हादसे में मौत के कोख में समा गया। अनुज बालीडीह गोविंद मार्केट में एक दवाई दुकान में काम कर अपना और अपनी मां का भरण-पोषण करता था। उसके पिता संतोष सिंह की मृत्यु करीब 7-8 वर्ष पूर्व हो चुकी है। इस घटना से अनुज की मां पूरी तरह टूट गई। उनका रो-रो कर बुरा हाल है।

धनबाद शाखा वन में ईसीआरकेयू की जनसभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद स्टेशन के समीप स्थित ईसीआरकेयू शाखा नंबर एक में एक जनसभा का आयोजन किया गया। आगामी 4 से 6 दिसम्बर के बीच रेलवे में यूनियन की मान्यता प्राप्त करने के लिए होने वाले चुनाव के आलोक में आयोजित इस सभा में ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री एवं धनबाद मंडल के पी एन एम प्रभारी मो ज्याउद्दीन, सहायक महामंत्री ओमप्रकाश ,केन्द्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष व सोमेन दत्ता धनबाद के तीनों शाखाओं के अध्यक्ष और सचिव सहित सभी युवा और महिला समितियों के सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए। सभा में कई सदस्यों ने अपनी बात रखी जिनमें एन के खवास, प्रशांत बनर्जी, उपेंद्र मंडल, बीके दुबे, जितेंद्र कुमार शाह,आर के सिंह, पूर्व केंद्रीय पदाधिकारी राजेश कुमार, भूतपूर्व अध्यक्ष और रिटायर्ड रेलकर्मी वेलफेयर फेडरेशन के सदस्य चमारी राम,टी के साहू,ए के दा,एन सी राय,सी प्रसाद आदि वक्ताओं ने उपस्थित रेलकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि ओवर टाइम,यात्रा भत्ता और नाईट ड्यूटी भत्ते में प्रशासन द्वारा की जा रही कटौती को ईसीआरकेयू ने ही रूकवाया और वास्तविक रूप से अर्जित भत्ते का भुगतान करने की व्यवस्था कराई गई।

जनता दरबार में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा के कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखी। इसमें गोविंदपुर के फकीरडीह से आए व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि उनके प्लॉट के आगे सरकारी जमीन है। वहां के मुखिया जबरन उक्त सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। इस कारण उन्हें अपने प्लॉट तक आने-जाने में कठिनाई हो रही है। बिजली कनेक्शन लेने में भी मुखिया द्वारा अड़चनें डाली जा रही है। वहीं गोविंदपुर के अमरपुर से आई महिलाओं ने उपायुक्त को बताया कि उनके क्षेत्र के आने-जाने के रास्ते, सरकारी कूप, काली स्थान की भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। इसके अलावा जनता दरबार में पंजी 2 में जमीन को दर्ज कराने, ग्रीन राशन कार्ड को अंत्योदय योजना में स्थानांतरित कराने, मकान का मुआवजा दिलाने, सरकारी जमीन पर पेट्रोल पंप बनाए जाने सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उपायुक्त में सभी शिकायतों पर संज्ञान लेकर संबंधित पदाधिकारियों को उसका निराकरण करने के निर्देश दिए। जनता दरबार में निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन व सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

बेटे के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए मां को देनी पड़ी जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : पुत्र की हत्या और उसपर पुलिस की उदासीनता से मर्माहत एक मां ने शुक्रवार को एक पेड़ से फंदे के सहारे झूलकर अपनी जान दे दी। वहीं आक्रोशित लोगों ने न्याय की मांग को लेकर फंदे पर झूलती उस माँ के शव को 10 घंटे तक पुलिस को उतारने नहीं दिया। मामला धनबाद के गोबिंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रंगडीह का है। घटना के संबंध में बताया गया कि डेढ़ माह पूर्व मृत महिला मीना देवी (50) का इकलौता पुत्र अमर गौस्वामी (20) का शव धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित बड़ाजमुआ में मिला था। शव के पास जलाने और शराब पीने का भी सबूत मिला था। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला दबाकर हत्या करने की बात कही गई थी। जिसके बाद उसकी माँ ने प्रेम प्रसंग में हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए चार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला बरवाअड्डा थाने में दर्ज कराया था, लेकिन लंबे समय तक उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई न होना और पुलिस की इस केस के प्रति बेरुखी से निराश मीना देवी मानसिक अवसाद में रहने लगी। जिसके बाद आज आखिरकार उन्होंने उसी अवसाद में खुदकुशी कर ली। वहीं आज की घटना से गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को 10 घण्टे तक फंदे से उतारने ही नहीं दिया। मौके पर मौजूद स्थानीय मुखिया गयासुद्दीन अंसारी ने पुलिस से मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय गोबिंदपुरा थाना प्रभारी मोहम्मद रुस्तम द्वारा 7 दिनों के भीतर मृतका के बेटे की हत्या मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद पुलिस ने मीना देवी का शव फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी।

शिक्षक अजय शंकर महतो अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्ट फेस्टिवल में दिखायेंगे कला का जौहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रवि महतो स्मारक बीएड कॉलेज महुदा के कला शिक्षक अजय शंकर महतो ओडिशा के चंद्रभागा कोणार्क पुरी में एक से पांच दिसंबर तक आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय सैंड आर्ट फेस्टिवल-24 में अपनी कला का जौहर दिखायेंगे। आर्ट फेस्टिवल में देश- विदेश के चयनित सैंड आर्टिस्ट भाग लेंगे। अजय शंकर महतो बोकारो जिले के चंदनकियारी के सिलफोर, सुईयाडीह गांव के मुलनिवासी हैं। शुक्रवार को अजय अपनी पत्नी उषा देवी व बच्चों के साथ बोकारो से पुरुषोत्तम एक्स्प्रेस से आर्ट फेस्टिवल मे शामिल होने के लिए रवाना हो गए। उन्हें झारखंड का पहला सैंड आर्टिस्ट होने का गौरव प्राप्त है। महतो पिछले डेढ़ दशक से दामोदर नदी के तट पर झारखंड की संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण, मतदाता जागरूकता, सामाजिक मुद्दों तथा झारखंड व देश के महापुरुषों का त्याग व बलिदान की गाथा रेत पर उकेर कर समाज को संदेश व दिशा देने का काम कर रहे हैं। इसी को देखते हुए इनका चयन विश्व स्तरीय सैंड आर्ट फेस्टिवल के लिए हुआ है।अजय कुमार ने बताया कि विश्व स्तरीय सैंड आर्ट फेस्टिवल में चयन से वह गौरवान्वित हैं। कहा कि पांच दिवसीय फेस्टिवल में वह अपने चंदनकियारी सहीत राज्य व देश का नाम रोशन करेंगे।

रेलवे सुरक्षा बल ने बाल सुरक्षा के लिए की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल रेल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ रेलवे संपत्ति और उसके महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की रखवाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा हमेशा से दक्षिण पूर्व रेलवे की एक महत्वपूर्ण चिंता रही है। इस संबंध में, एसईआर के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते और ऑपरेशन मानव तस्करी विरोधी अभियान जैसी विभिन्न पहल की गई हैं। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते 'नन्हे फरिश्ते' - विभिन्न भारतीय रेलवे क्षेत्रों में देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाने के लिए समर्पित एक मिशन। 'नन्हे फरिस्ते' महज एक ऑपरेशन नहीं है; यह उन हजारों बच्चों के लिए जीवन रेखा है जो खुद को अनिश्चित परिस्थितियों में पाते हैं। अपने प्रयासों से, आरपीएफ ने न केवल बच्चों को बचाया है, बल्कि भागे हुए और लापता बच्चों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई है, जिससे विभिन्न हितधारकों से आगे की कार्रवाई और समर्थन मिला है। यह ऑपरेशन नई चुनौतियों के अनुकूल होने और भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क में बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने का प्रयास करते हुए विकसित होना जारी है। 27.11.2024 को, दक्षिण पूर्व रेलवे के ड्यूटी टीटीआई श्री देबदीप बसु ने एक नाबालिग लड़के को पाया, जो 12262 हावड़ा - मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में अकेले यात्रा कर रहा था। पाया गया कि गोलू (शुभोजीत) नाम का लड़का घर से भाग गया था और अकेले यात्रा कर रहा था। चक्रधरपुर के सुरक्षा कंट्रोल ने घटना की सूचना आरपीएफ पोस्ट, टाटानगर को दी। तदनुसार, टाटानगर रेलवे स्टेशन पर उक्त ट्रेन के आगमन पर, आरपीएफ पोस्ट/टाटा के कर्मचारियों के साथ महिला सब इंस्पेक्टर अंजुम निशा उक्त ट्रेन में 15.33 बजे उपस्थित हुईं और टीटीआई से मिलीं। टीटीआई ने एक बचाए गए लड़के को सौंप दिया। इसके बाद लड़के को आरपीएफ पोस्ट/टाटा लाया गया और पूछे जाने पर उसने अपना नाम गोलू (शुभोजीत) उम्र लगभग 14 वर्ष, सुनील और मामोनी का पुत्र, सेक्टर 22 ग्रेटर नोएडा, (यूपी) का निवासी बताया और यह भी बताया कि वह अपनी मां के डांटने के कारण बिना किसी को बताए घर से भाग गया था। बाद में, सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद, बचाए गए नाबालिग लड़के को सीडब्ल्यूसी के दिशानिर्देश के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए चाइल्ड लाइन के टीम सदस्य पंकज गुप्ता को सौंप दिया गया। 2023 में 706 बच्चे और 2024 में 723 बच्चे लड़के और लड़कियों को आरपीएफ/एसईआर द्वारा बचाया गया, जिन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता थी। ऑपरेशन मानव तस्करी विरोधी अभियान ऑपरेशन मानव तस्करी विरोधी अभियान तस्करों के चंगुल से पीड़ितों को बचाने और तस्करों को पकड़ने की एक पहल है। दक्षिण पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 2023 में 04 तस्करों की गिरफ्तारी के साथ 14 तस्करी किए गए व्यक्तियों को बचाया गया और 2024 में 44 तस्करों की गिरफ्तारी के साथ 138 तस्करी किए गए व्यक्तियों को बचाया गया और कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

संक्षिप्त खबरें

पोषण सखी संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री को दी बधाई

धनबाद : लोदना मल्लाह पट्टी मे पोषण सखी संघर्ष समिति के नेतृत्व मे सुनीता निषाद व नीलम पासवान की अध्यक्षता मे एक बैठक हुई मुख्य अतिथि झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामा शीश चौहान उपस्थित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बनने की खुशी मे पूरे महा गठबंधन टीम को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और हेमंत सोरेन जी को याद दिलाते हुए आग्रह किया पूर्व मे पोषण सखी की मांग को कैबिनेट मे पास कराकर, सभी पोषण सखी महिलाओ को भरोसा दिलाए नौकरिय दिया जाएगा लोग अब समय आ गया है जल्द से जल्द पूरा किया जाय। कियो की हेमंत सोरेन की सरकार पर भरोसा करके सभी पोषण सखी महिलाये और उसका परिवार के सदस्य दिन रात मेहनत करके दोबारा झारखंड मे गठबंधन की सरकार बनाने मे सहयोग किया 10888 दस हजार आठ सौ अथा सी पोषण सखी परिवार झारखंड के विकास के लिए झारखंड सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है लोग बैठक मे उपस्थित मंजू देवी, गुड़िया देवी, निर्मला देवी, सुनीता निषाद, पिंकी देवी, रानी देवी, सावित्री देवी, पूनम मांझी, कबूतरि मांझी सरिता देवी, रखी देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बाघमारा सीओ ने बिना नंबर के अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को किया जब्त

धनबाद : बाघमारा अनुमंडल के दामोदर नदी के नागदा घाट, बारकी घाट एवं बागरा घाट एवं महुदा थाना क्षेत्र के तेलमोच्चो एवं लोहापट्टी डोंगा घाट से अवैध बालू का कारोबार धडल्ले से जारी है। बालू माफिया द्वारा अवैध रूप से दामोदर नदी से बालू निकाल कर करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार बदस्तूर किया जा रहा है। बालू लेकर विभिन्न थाने क्षेत्र से होकर वाहन गुजरते हैं। गुरुवार की देर शाम बाघमारा सीओ बाल किशोर महतो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मधुबन थाना क्षेत्र के फुलारीटांड़ रेलवे स्टेशन के समीप आशाकोठी के पास बिना नंबर प्लेट का बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त कर मधुबन पुलिस को सुपुर्द किया है। मधुबन थाना प्रभारी पिक्कू प्रसाद ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

शहरी स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए मास्टर प्रशिक्षकों की हुई बैठक

धनबाद : शहरी स्वास्थ्य और परिवार नियोजन को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में पीएसआई इंडिया के नेतृत्व में द चैलेंज इनिशिएटिव ने मास्टर प्रशिक्षकों के साथ एक बैठक की। द चैलेंज इनिशिएटिव के प्रतिनिधि ने बताया कि यह पहल राज्य और नगर स्तर के अधिकारियों को हाई इम्पैक्ट अप्रोचेज को बड़े पैमाने पर लागू करने में सहायता प्रदान करेगी। बैठक का उद्देश्य सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए परिवार नियोजन के प्रयासों को पोस्ट-ग्रेजुएशन चरण के बाद भी सशक्त बनाना तथा मास्टर प्रशिक्षकों को सुविधा, समुदाय और सेवा स्तर में सुधार के लिए प्रशिक्षित करना है। बैठक में डॉ अनीता चौधरी, डॉ मिहिर कुमार, नीरज कुमार यादव, रेखा कुमारी, सीमा कुमारी, मनोवर आलम, बिनय कुमार यादव, गौतम कुमार सिंह, अनित कुमार चौबे, हरी गोपाल महतो, डॉ. हुमा फात्मा, रेखा कुमारी, कुतुरा कुमारी एवं पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि प्रेम कुमार मौजूद थे।

एमसीए नवागढ़ विद्यालय का स्कूल वैन दुर्घटनाग्रस्त

धनबाद : एमसीए नवागढ़ विद्यालय का स्कूल वैन बोकारो- राजगंज फोरलेन पर आकृति पांडे होटल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जाता है कि जब सुबह स्कूल के बच्चों को लाने महुदा जा रही थी। तभी अचानक एक गाय सामने आ जाने के कारण गाय को बचाने के चक्कर में वाहन एक पोल से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई.हालांकि किसी तरह की कोई हताहत नहीं हुई है .वैन चालक को थोड़ी चोट जरूर आई है .जिसका इलाज कतरास के निजी अस्पताल में चल रहा है।

संत जेवियर्स विद्यालय में हुआ क्रॉस- कंट्री का हुआ आयोजन

बोकारो : संत जेवियर्स विद्यालय में क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की शुरूआत हाई स्कूल के उपप्रधानचार्य श्री दीपक चौधरी जी ने हरी झंडी दिखाकर की। प्रतियोगिता में सर्वप्रथम कक्षा आठवीं के छात्रों ने दौड़ लगाई जिन्होंने अपनी स्फूर्ति पूर्ण कदमों से सभी उपस्थित गण को रोमांच एवं उत्साह से भर दिया। सभी विद्यार्थीगण अपनी प्रेरणादायक उपस्थिति एवं पंक्तियों के माध्यम से अपने-अपने हाउस को प्रोत्साहित करते नजर आए ,जिससे पूरे विद्यालय के प्रांगण में रोमांच एवं ऊर्जा की लहर दौड़ उठी। दौड़ के समापन के पश्चात 'जेवियर ' को प्रथम , 'गोनजागा ' को द्वितीय, 'लोयोला ', को तृतीय एवं 'ब्रिटो ' को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में लड़कों से कक्षा आठवीं में 'साहिल ' , कक्षा नौवीं से 'राजकुमार ' कक्षा दसवीं से 'अक्षत सिंह' कक्षा ग्यारहवीं से 'अनन्त' एवं कक्षा बारहवीं से 'चित्रांश' को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ ।

सीआरएम की टीम ने सदर अस्पताल साहिबगंज का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए साहिबगंज पहुंची कॉमन रिव्यू मिशन की टीम ने दूसरे दिन गुरुवार की रात को सदर अस्पताल साहिबगंज का निरीक्षण किया। टीम के सदस्य अलग-अलग टोली में बट कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दवा की स्थिति सदर अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। सदर अस्पताल साहिबगंज में चिकित्सकों एवं कर्मियों की कमी संबंधी सवाल को टाल दिया गया। वही साफ सफाई और अन्य कमियों पर कोई जवाब नहीं दिया। वही कहा कि जांच दल रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेगी। जांच दल को अस्पताल में कई तरह की कमियां मिलीं लेकिन इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। सीआरएम की टीम के द्वारा सदर अस्पताल साहिबगंज की कर्मियों को निपा पोती किया गया। कहावत सही सिद्ध होता है की चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात। फिर निरीक्षण के दौरान सी.आर.एम. की टीम ने आईपीडी, ओपीडी, मॉड्यूलर ओटी, जनरल ओटी, सभी महिला पुरुष वार्ड, बर्न वार्ड, अस्पताल परिसर, एक्स-रे रूम, जांच घर, अल्ट्रासाउंड, एआरटी, ब्लड बैंक, दवा स्टोर रूम, पोस्टमार्टम रूम, एवं साफ सफाई व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान मरीजों से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी ली। सीआरएम के टीम के द्वारा सदर अस्पताल का निरीक्षण करने पर बहुत सारे कमियों का पाया जाने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होने वाला है और ना ही सदर अस्पताल साहिबगंज का कभी व्यवस्था सही होने वाला। वही मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथाली, सी.आर.एम. की टीम में तमिलनाडु की डॉ प्रिया वसंथा कुमारी, जयपुर के डॉ रतन वर्मा, डॉ मनप्रीत सिंह, डॉ दीक्षा महाजन, डॉ मिथुन दत्ता, डॉ नवीन कुमार, डॉक्टर अंकुर पूनिया, राज स्तरीय टीम में एस.पी.एस.यू. स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ कमलेश कुमार, एन.एच.एम. स्टेट प्रोग्राम मैनेजर एनिमा किस्कू, गुंजन खालको, मनीर अहमद, सुमित रंजन, सागर दास, अतिंद्र उपाध्याय, देवाशीष जाना, डॉ अनुज कुमार मंडल शामिल थे।

दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज: बरहरवा प्रखंड स्थित महेंद्र अतिथिशाला में जेएसएलपीएस अंतर्गत उमंग परियोजना का दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ अनिरुद्ध कुमार (जिला प्रबंधक, जेएसएलपीएस), पूनम कुमारी (जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी,साहिबगंज), राहुल यादव (जिला समन्यवयक, उमंग), कमल किशोर (जिला कार्यक्रम प्रबंधक, समाज कल्याण), मो इकबाल (जिला समन्यवयक,चाइल्डलाइन साहिबगंज) की गरिमामई उपस्थिति में हुई। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्रतिभागी के रूप में बरहरवा, पतना और बरहेट प्रखंड अंतर्गत जेएसएलपीएस के माध्यम से संचालित सभी 16 संकुल संगठनों के पदाधिकारी एवं सामुदायिक समन्वयक शामिल हुए। उमंग के जिला समन्यवयक द्वारा उमंग परियोजना के उद्देश्य और लक्ष्य को विस्तृत पूर्वक समझाया गया। एस.एच.जी. सदस्यों को किशोरियों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने एवं उनकी आकांक्षाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सक्षम बनाना। किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना। एस.एच.जी. मंच के माध्यम से बाल विवाह और किशोरी सशक्तिकरण को संबोधित करने के लिए एक मापनीय मॉडल स्थापित करना। उमंग परियोजना का लक्ष्य: झारखंड में बाल विवाह को रोकने के लिए मां से बेटी तक सशक्तिकरण के अंतर पीढ़ी हस्तांतरण के सिद्धांत पर आधारित मॉडल को विकसित करना और किशोरियों को सशक्त बनाना। उक्त कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के द्वारा बच्चों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं का जानकारी प्रदान किया गया।

खेत जोग रहे युवक की निर्मम हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : थाना क्षेत्र के चमड़ा चक के बरारी स्थित बरेली गांव में एक युवक का बीते रात्रि निर्मम हत्या कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की बीते रात लगभग 11 बजे बरहरवा थाना क्षेत्र के चमड़ा चक के बरेली गांव निवासी उत्फल मंडल 23 वर्ष की हत्या धारदार हथियार से वार कर निर्मम हत्या कर दिया है,बताया जा रहा है कि मृतक उत्फल मंडल हर दिन के भाती गुरुवार को रात भी खेतों में लगे साग सब्जी के निगरानी करने के लिए अपने छोटे भाई विद्यासागर के साथ सोने के लिए खेत गया था। इस बार आरोपी उनके खेत में पहुंच कर धार दार हथियार से लगातार वार किया। जिससे वह पूरी तरह घायल हो गया। घटना का प्रत्यक्ष मृतक के छोटे भाई ने अपने परिजनों को इस घटना का जानकारी दिया। जिसके बाद घायल अवस्था में घर ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गयी। परिजन द्वारा इस घटना की जानकारी बरहरवा थाना को दिया,घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना पुलिस अमित कुमार कच्छप अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेज दिया गया। मामले को लेकर पुलिस ने तीन लोगों को अपने हिरासत में लेकर पूछ ताछ कर रही है। मामले को लेकर मृतक का छोटा भाई विद्यासागर ने बताया कि हम दोनों भाई रात को खेत में सो रहे थे तभी तीन लोग आए और मेरे भैया पर धारदार हथियार से वार करने लगे उसके बाद वह चिल्लाने लगे तभी मैं लाइट लेकर देखा कि गांव के ही जोधाय मंडल,सहदेव मंडल एवं रामनाथ मंडल वहां से भाग रहे हैं,इसकी खबर हमने मोबाइल के माध्यम से अपने परिजनों को दिया। वहीं मृतक के मां कल्पना मंडल ने बताया कि मेरा दोनों बेटा घर के कुछ दूरी पर खेतों में लगे साग सब्जी के निगरानी के लिए गया था रात को मेरा छोटा बेटा विद्यासागर ने फोन कर जानकारी दिया की तीन लोगों ने मिलकर भैया को धारदार हथियार से हमला कर लहू लोहान कर दिया है जिसके बाद हम लोग घटनास्थल पहुंचकर देखा कि मेरा बेटा उत्पल मंडल जमीन पर लहू लोहान होकर गिरा हुआ है, जिसे लेकर घर लाने के बाद अस्पताल ले जाने की तैयारी के क्रम में उनकी मौत हो गई,इसकी जानकारी बड़हरवा पुलिस को फोन के माध्यम से दिया गया। वहीं मामले को लेकर बरहरवा एसडीपीओ ने बताया कि कल रात बरारी में एक युवक की धारदार हथियार से वार कर हत्या करने का मामला प्राप्त हुआ है। घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर मामले की जांच कर रही है और पुलिस ने घटनास्थल से हत्या किए जाने वाले हथियार हंसवा को बरामद किया है मामले की छानबीन की जा रही है।

दिवंगत पत्रकार सुदेश कुमार के श्राद्ध क्रम में शामिल हुईं विधायक सविता महतो

चांडिले : चांडिल के दिवंगत पत्रकार सुदेश कुमार के श्राद्ध क्रम मे शुक्रवार को ईचागढ की विधायक सविता महतो शामिल हुए। इस दौरान विधायक नें दिवंगत पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही विधायक नें दिवंगत पत्रकार के दोनों बेटे कि पढ़ाई में हर संभव मदद करने का भी आश्वासन दिया। विधायक नें कहा सुदेश कुमार के असमय चले जाने से पत्रकार जगत में बड़ी क्षति हुई है। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, परमानंद पसारी, आदि परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

मेडिकल उपकरण हेतु लाभुक चयन के लिए कैंप का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आकांक्षी प्रखंड मुख्यालय मंडरो में अलिम्को द्वारा दिव्यांग एवं वृद्ध जन के लिए मेडिकल उपकरण हेतु लाभुक चयन के लिए कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें चयनित लाभार्थियों को दिनांक 3 दिसंबर 2024 (वर्ल्ड डिसएबिलिटी डे) के अवसर पर मेडिकल सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। उक्त कैंप में मेडिकलऑफिसर डॉक्टर रोहित गोंड, अलिम्को के प्रतिनिधि संजय मंडल तथा आकांक्षी प्रखंड फेलो मनीष कुमार मौजूद थे।

मानव तस्करी को लेकर बरहेट पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार यादव के नेतृत्व में मानव तस्करी को लेकर बरहेट हटिया, बोरबंधा, खुटौना, गडीगंज में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने सड़क में राहगीरों को मानव तस्करी के बारे में बताते हुए कहा कि मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और इसे मानव तस्करी का सोर्स (स्रोत), ट्रांजिट (पारगमन) और डेस्टिनेशन (गंतव्य) माना जाता है। किसी एक राज्य की सीमाओं के भीतर तथा अंतराज्जीय मानव तस्करी के अलावा नेपाल और बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी भी काफी लंबी खुली सीमा होने के कारण भारत में होती है। झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्य में मानव तस्करी का नया केंद्र बनकर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनियाभर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं। मानव तस्करी की परिभाषा संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार, किसी व्यक्ति को डराकर, बलपूर्वक या दोषपूर्ण तरीके से काम लेना, यहाँ-वहाँ ले जाना या बंधक बनाकर रखने जैसे कृत्य तस्करी की श्रेणी में आते हैं।

क्यों होती है मानव तस्करी?

गरीबी और अशिक्षा है सबसे बड़ा कारण, मांग और आपूर्ति का सिद्धांत, बंधुआ मजदूरी देह व्यापार, सामाजिक असमानता, क्षेत्रीय लैंगिक असंतुलन, बेहतर जीवन की लालसा, सामाजिक सुरक्षा की चिंता, महानगरों में घरेलू कामों के लिए भी होती है लड़कियों की तस्करी, चाइल्ड पोर्नोग्राफी के लिए भी होती है बच्चों की तस्करी, कई तरह के मानव तस्करी के कारण है। वही मौके एएसआई राइमुनी टुडू, कांस्टेबल सदिक अली, सुधीर दास एवं सैकड़ो राहगीर मौजूद थे।

केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शुक्रवार को ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम टीएडीपी की समीक्षा जिला परिषद कार्यालय स्थित सभाकक्ष में की। समीक्षा बैठक में आकांक्षी जिला अंतर्गत निर्धारित इंडीकेटर्स की समीक्षा की गई और सौ प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य व पोषण के विषय अंतर्गत प्रसव पूर्व जांच, एनीमिया, सिकल सेल जांच, साफ-सफाई, स्वच्छ पीने के पानी आदि बिंदुओं पर गहनता से चर्चा की गई। कहा गया कि स्वस्थ रहने के लिए साफ पानी का उपयोग बहुत आवश्यक है। चाहे वह पीने का पानी हो या नहाने का पानी इस्तेमाल किया जाना हो, साफ पानी बहुत आवश्यक है जिसका ध्यान रखा जाना चाहिए। घरों में प्रसव की स्थिति में उसे स्किल्ड बर्थ अटेंडेंट की देखरेख में कराये जाने का निर्देश दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर व्यवस्था और समय से मरीजों को वहां तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था रखे जाने का निर्देश दिया गया। स्वास्थ्य व पोषण अंतर्गत लिंगानुपात, संस्थागत प्रसव, हीमोग्लोबिन जांच, नवजात द्वारा स्तनपान, टीबी रोगियों की पहचान आदि विषय पर चर्चा की गई व निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा के विषय पर प्राइमरी, अपर प्राइमरी से सेकेंडरी तक छात्र-छात्राओं के ट्रांजिशन पर चर्चा की गई और इसके लिए बेहतर पहल किये जाने का निर्देश दिया गया, ताकि कोई अपनी पढ़ाई अधूरी नहीं छोड़े। शिक्षा अंतर्गत विद्यालयों में गर्ल्स टॉयलेट, पीने का पानी, रनिंग वाटर, बिजली की व्यवस्था, सत्र प्रारंभ होने पर पाठ्यपुस्तकों की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बच्चों को विद्यालयों में रागी के लड्डू मे चीनी का कम उपयोग करने का निर्देश दिया गया। कृषि व जल संसाधन विषय अंतर्गत माइक्रो इरिगेशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जिला में एफपीओ की स्थिति की समीक्षा की गई। किसानों को केसीसी ऋण से अच्छादित किये जाने का निर्देश एलडीएम लोहरदगा व जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया। जिला के अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन हेतु स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने का निदेश डीपीएम जेएसएलपीएस को दिया गया। साथ ही केज फिश कल्टीवेशन की भी जानकारी दी गई। किसानों को ऑर्गेनिक खेती हेतु प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षित करने व उन्हें आवश्यक जरूरतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑर्गेनिक फार्मिंग के लक्ष्य से संबंधित कैबिनेट के निर्णय से भी अवगत कराया गया। रसायनिक उर्वरकों से होनेवाले नुकसान के बारे राज्यमंत्री ने जानकारी दी। इस बैठक में मूलभूत संरचना विषय अंतर्गत ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्शन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिला में बने पथों, ग्राम पंचायतों में कॉमन सर्विस सेंटर की स्थिति की समीक्षा की गई। वित्तीय समावेशन अंतर्गत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, आधार सीडिंग आदि की समीक्षा की गई। कौशल विकास के अंतर्गत जिला में आइटीआइ प्रशिक्षण संस्थानों की जानकारी ली और निर्देश दिया गया कि यहां के छत्र-छात्राओं को हाइड्रोकार्बन स्किलिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। ताकि वेल्डिंग व रूफ वेल्डिंग के साथ-साथ वे गैसपाईप वेल्डिंग का भी गुर सीख सकें। पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज में इसकी अपार संभावनाओं से मंत्री ने सभी को अवगत कराया। बैठक में उपायुक्त द्वारा जिला के अनुसूचित जाति-जनजाति के बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई। मंत्री द्वारा लोहरदगा जिला में बच्चों को तीरंदाजी, एथलेटिक्स, तैराकी, जैबलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो के लिए भी प्रशिक्षित किये जाने का निर्देश जिला खेल पदाधिकारी को दिया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने बैठक के उपरांत किस्को प्रखण्ड में स्थापित औद्योगिक सिलाई केंद्र का भी निरीक्षण किया। औद्योगिक सिलाई केंद्र के निरीक्षण के बाद मंत्री ने संवाद कार्यक्रम अंतर्गत सिलाई केंद्र में लगे सक्षम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया और विभिन्न कृषि उत्पाद समूहों द्वारा बनाये उत्पादों का अवलोकन किया। जिला प्रशासन द्वारा राज्यमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया और स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार उत्पाद भेंट किया गया। मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने मोबाइल मिनी हॉस्पिटल का भी निरीक्षण किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, एन0आर0ई0पी0–II, राँची

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 04/2024-25 (2nd Call)
P.R. No. 337312 NREP (24-25)#D

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता,एन0आर0ई0पी0–II, राँची।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– दिनांक 06.12.2024 को अपराह्न 01:00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 07.12.2024 के अपराह्न 03:00 बजे तक, जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 07.12.2024, 03:30 बजे पूर्वाह्न में, जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
5. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय एन0आर0ई0पी0–II, राँची। (2) जिला योजना पदाधिकारी, विकास भवन, राँची।
6. निविदा का मद :– डी0 एम0 एफ0 टी0 मद।
7. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (रू में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Toilet Govt Middle school umedanda boy	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
2	Construction of Toilet Govt. UPG middle school arid	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
3	Construction of Toilet Govt. Middle school chakme	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
4	Construction of Toilet Govt. UPG High school chaapar	15,91,355.00	32,000=00	5,000=00	2 Months
5	Construction of Toilet UPG Primary School Barka Muru	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months
6	Construction of Toilet UPG Primary School Chalaniya	11,50,363.00	23,100=00	2,500=00	2 Months

कार्यपालक अभियंता,
एन0आर0ई0पी0– II, राँची

PR 340812 NREP(24-25).D

कार्यालय, नगर पंचायत, हुसैनाबाद, पलामू

पार्किंग बन्दोबस्ती की सूचना सं0:–01/2024–25

क्रम सं0	सैरात का नाम	न्यूनतम डाक की राशि	अग्रधन की राशि	निविदा की राशि	डाक खुलने का स्थान एवं तिथि
1	पार्किंग की व्यवस्था (कार्यालय नगर पंचायत हुसैनाबाद से विजय पेट्रोलियम फुलाई ओवर के नीचे तक)	2,50,000.00 दिनांक–01.01.2025 से 31.12.2025 हेतु	25,000.00	500.00	स्थान:– कार्यालय नगर पंचायत हुसैनाबाद। दिनांक– 06.12.2024 समय:– 11:00 बजे पूर्वाह्न

शर्तें

1. अधिकृत डाकवक्ता को पार्क किये गये वाहनों से निम्नवत् राशि वसूली करना सुनिश्चित करेंगे। बाईक – 5.00रु./ प्रतिदिन, कार – 10.00 रु प्रति 2 घंटे के लिए
2. अग्रधन राशि कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, हुसैनाबाद के पदनाम से बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक द्वारा दिनांक–05.12.2024 समय:–05:00 बजे अपराह्न् तक आवश्यक रुप से जमा करना होगा, अन्यथा डाक में भाग लेने की योग्यता नहीं होगी।
3. आवेदन पत्र के साथ डाकवक्ता का अधतन चरित्र प्रमाण पत्र (उपायुक्त द्वारा निर्गत), PAN Card, आधार कार्ड तथा अधतन् आई0 टी0 आर0 फाईल की प्रति समर्पित करना होगा।
4. डाकवक्ताओं की बोली में न्युनतम 5000.00(पाँच हजार रुपये) का अंतर अनिवार्य होगा।
5. अधिकतम डाकवक्ता को ही सैरात आवंटित किया जायेगा।
6. अधिकतम डाकवक्ता की बोली गयी डाक की पूर्ण राशि 10 (तीन) दिनों के अंदर बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक के माध्यम से जो "कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हुसैनाबाद" के पदनाम से देय होगा, जमा करना अनिवार्य होगा। किसी भी परिस्थिति में चेक स्वीकार्य नहीं किया जायेगा। 10 दिनों की अवधि बीत जाने के बाद पूर्ण राशि जमा नहीं करने पर डाकवक्ता की अग्रधन की राशि जब्त कर ली जायेगी एवं ऐसी स्थिति में द्वितीय डाकवक्ता की बोली की राशि को सैरात आवंटित किया जायेगा, जिस पर प्रथम डाकवक्ता का दावा मान्य नहीं होगा। द्वितीय डाकवक्ता को भी 10 दिनों के अंदर बोली गयी डाक की पुर्ण राशि जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा उनकी भी राशि जब्त कर लिया जायेगा एवं कभी भी वापस नहीं किया जायेगा।
7. बन्दोबस्ती लेने वाले व्यक्ति को शर्तों के अनुरुप एकरारनामा 7 दिनों के अन्दर करना होगा इसके बाद ही वसूली हेतु प्राधिकार निर्गत किया जायेगा। एकरारनामा का व्यय बन्दोबस्तधारी को ही करना होगा।
8. जिन व्यक्तियों को पूर्व में नगर पंचायत, हुसैनाबाद की डाक की बन्दोबस्ती प्राप्त हो चुकी है एवं उनके द्वारा डाक की राशि पूर्णतः जमा नहीं की गयी है, वे डाक में भाग लेने हेतु अयोग्य होंगे।
9. विभाग से पार्किंग बन्दोबस्ती के संबध में यदि कोई निर्देश प्राप्त होता है, तो डाक प्राप्तकर्ता को उन निर्देशों का पालन अनिवार्य रुप से करना होगा। पालन नहीं करने की स्थिति में नगर पंचायत, हुसैनाबाद को डाक की राशि लौटाये बगैर डाक को रद्द करने का पुर्ण अधिकार होगा।
10. सभी शर्तों का पालन अनिवार्य रुप से करना होगा।
11. डाक स्वीकृत/अस्वीकृत अथवा रद्द करने का अधिकार कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत हुसैनाबाद के पास सुरक्षित होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत हुसैनाबाद

PR 340760 District (24-25)_D

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार जिला- लातेहार

खुली डाक आमंत्रण सूचना संख्या– 15/2023–24(6th Call)
आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने हेतु दुकानों का निर्माण एवं आवंटन कर स्वरोजगार मुहैया करा रही है। वर्त्तमान में नगर पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत अवस्थित खाली पड़े निम्नांकित दुकानों का खुली डाक के माध्यम से आवंटन किया जाना है। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने आवेदन के साथ आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र (अंचलाधिकारी, लातेहार एवं उपायुक्त लातेहार द्वारा निर्गत), यदि रोजगार हेतु सरकारी प्रशिक्षण प्राप्त किये हों का प्रमाण पत्र, फोटोग्राफ इत्यादी आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। दुकान का आवंटन खुली डाक के माध्यम से दिनांक 06.12.2024 को 12.00 बजे अपराह्न् नगर पंचायत, लातेहार के सभागार में की जायेगी। दुकान का विवरण निम्नवत है :–

क्र0. सं0	डाक बोले जाने वाले दुकान का विवरण	डाक की न्यूनतम राशि	आवेदन शुल्क	डाक में भाग लेने हेतु आवेदन प्राप्त की अंतीम तिथि
01	मंगलवार हाट बाजार में बाजार समिति कार्यालय के बगल में शिवपुरी रोड में अवस्थित दुकान दुकान सं0 01 का साईज– 10' X 10'	50000.00	500.00	05.12.2024
02	मंगलवार हाट बाजार में बाजार समिति कार्यालय के बगल में शिवपुरी रोड में अवस्थित दुकान दुकान सं0 02 का साईज– 10' X 10'	50000.00	500.00	05.12.2024
03	मंगलवार हाट बाजार में बाजार समिति कार्यालय के बगल में शिवपुरी रोड में अवस्थित दुकान दुकान सं0 03 का साईज– 10' X 10'	50000.00	500.00	05.12.2024

नियम एवं शर्त्त–

1. सभी दुकानों की आवंटन की प्रक्रिया खुली डांक के द्वारा की जायेगी। साथ ही उच्चतम डाककर्ता के पक्ष में दुकानों का आवंटन किया जायेगा।
2. आवेदक को दुकान के डाक में भाग लेने से पूर्व नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में 500.00 (पांच सौ) रू0 नगद जमा कर आवेदन पत्र प्राप्त करना होगा। तदोपरान्त उसे भर कर कार्यालय में उपरोक्त डाक की निर्धारित तिथि से पूर्व दिनांक 15.10.2024 तक जमा करने के बाद ही संबंधित आवेदक को डाक में भाग लेने दिया जायेगा। इस राशि की वापसी/सामायोजन नहीं की जायेगी।
3. दुकानो की खुली डाक उपस्थित आवेदको के बीच नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय कक्ष में गठित समिति की उपस्थिति में किया जायेगा।
4. आवेदक को दुकान आवंटन होने के उपरान्त दुकान की कुल क्षेत्रफल का 8.00 रू0 प्रतिवर्ग फिट की दर से प्रतिमाह किराया जमा करना अनिवार्य होगा।
5. उपरोक्त दुकानों का आवंटन स्थानीय मत्स्य ब्रिकेताओं को किया जायेगा।
6. आवेदक को दुकान आवंटित हो जाने के उपरान्त डांक में बोली गई सम्पूर्ण राशि का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर चेक जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, लातेहार के नाम से देय हो 03 दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा, यदि 03 दिनों के अन्दर संबंधित आवेदक द्वारा समस्त राशि जमा नहीं की जाती है तो उनके विरूद्ध कानुनी कारवाई की जायेगी।
7. डाक की राशि का समायोजन दुकान के निर्धारित किराये में नहीं किया जायेगा।
8. आवंटित दुकानों का एकरारनामा नगर पंचायत, लातेहार द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्त्तो के अधिन डांक की पूर्ण राशि जमा होने के उपरांत अगले 15 वर्शों के लिए किया जायेगा।
9. दुकान आवंटित होने पर संबंधित दुकान का ट्रेड लाईसेंस नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय से बनाना अनिवार्य होगा।
10. न्यायालय से संबंधित वादों का निष्पादन लातेहार अवस्थित न्यायालयों में ही मान्य होगा।
11. उपरोक्त डांक के संदर्भ में किसी भी प्रकार की जानकारी नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय से कार्य दिवस में ली जा सकती है।
12. उपरोक्त डाक को बिना कारण बताये किसी भी स्टेज में रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षीत होगा। जिसे कही भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, लातेहार।

PR.NO.340793 Urban Development(24-25):D

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

ललित गर्ग

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट द्वद फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्डद्व ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना

समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्त्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

लोकतंत्र का दमन

हिंसा और दमन जुड़वां भाई हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र को कुचलने के लिए एक बार फिर इनका इस्तेमाल किया गया। जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए चलाई जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन के खिलाफ सुरक्षा बलों की हिंसात्मक कार्रवाई में चार लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए। अंततः पीटीआई को अस्थाई तौर पर आंदोलन को रोकने की घोषणा करनी पड़ी। सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान समर्थित शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार और पीटीआई कार्यकताओं के बीच लंबे समय से टकराव और संघर्ष चल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता पिछले तीन दिनों से अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए सरकार जगह-जगह अवरोध खड़े करके हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किए तैनात किए थे। बावजूद इसके पीटीआई के उत्साही कार्यकर्ता राजधानी इस्लामाबाद के मशहूर ड़ी-चौक और इसके आसपास के इलाकों में पहुंच गए थे। इमरान खान कभी पाकिस्तान के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के चहेते थे और उसके समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन जब उन्होंने मुखौटा लोकतंत्र की जगह वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए अपना कदम बढ़ाना शुरू किया तो सेना प्रतिष्ठान की किरकिरी बन गए। यही वह मोडक्ष है जहां से उनके हाथ से राजनीति फिसलती गई और उन्हें एक के बाद एक राजनीतिक और वैधानिक दोनों मोर्चों पर हार का सामना करना पड़ रहा है। उन पर सैकड़ों आपराधिक मुकदमे लगाए गए। चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई और उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छिन लिया गया। फरवरी में हुए आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार संसद में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने हाथ मिलाकर सरकार बना ली। फिलहाल सरकार और शक्तिशाली सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान के साथ किसी प्रकार का राजनीतिक समझौता करने के पक्ष में दिखाई नहीं दे रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। देखना है कि सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान की ओर से मिल रही चुनौतियों का सामना कैसे करता है?

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी का बढ़ता जाल, देश में कमजोर कानून

हाल में मैं एक दंपत्ति से मिला, जो तलाक की कठिन प्रक्रिया से गुजर रहा है। पति और पत्नी दोनों ही आइआइएम से शिक्षित हैं और अपने कारपोरेट करियर में काफी सफल हैं। जब मैंने उनसे अलग होने का कारण पूछा तो जवाब सुनकर मैं चौंक गया। पति को आनलाइन जुए की लत थी। उसने अपने 20 लाख से ज्यादा रुपये आनलाइन सट्टेबाजी में खपा दिए थे और फिर पिछले दो सालों में पत्नी के खाते से भी लाखों चुरा लिए थे। सब कुछ तीन-पत्ती के एक आनलाइन सट्टेबाजी के खेल में खो गया। यह कोई अकेला मामला नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मध्यम वर्ग युवा आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये हार चुके हैं। कई मामलों में अपने भविष्य के लिए कोई उम्मीद न देखकर, उन्होंने आत्महत्या तक कर ली। यह समस्या, गांव और शहर, दोनों ही जगह अपनी जड़ें जमा चुकी है। भारत में अब आनलाइन सट्टेबाजी का बाजार 25, 000 करोड़ सालाना का हो चुका है। आनलाइन गेमिंग उद्योग का बाजार भी लगभग इतना ही बड़ा है। तुलनात्मक रूप से देखें तो आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग पर हर साल हम लगभग 50, 000 करोड़ खर्च करते हैं और हैरत की बात यह है कि यह आंकड़ा संपूर्ण भारत के उच्च शिक्षा बजट से भी अधिक है।

आनलाइन सट्टेबाजी को हम तीन प्रकार से देख सकते हैं। पहला आनलाइन कैसिनो। यहां पर कैसीनो की भांति ताश और अन्य प्रकार से घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर से जुआ खेला जा सकता है। दूसरा प्रकार है, फैंटेसी लीग गेम्स जहां पर क्रिकेट, फुटबाल और अन्य चर्चित खेल के नतीजों पर लोग सट्टा लगा सकते हैं। तीसरा प्रकार है वे साधारण आनलाइन गेम्स, जिन पर यूजर आपस में पैसा लगा सकते हैं। इस श्रेणी में लूडो, सांपसीढ़ी, बिलियर्ड, तीन पत्ती जैसे सरल खेलों को जुए के रंग में रंग दिया जाता है। भारत में आनलाइन सट्टेबाजी और जुए के इतने बड़े पैमाने पर बढ़ने का कारण क्या है?

पहला, यह कि आनलाइन जुआ खेलते समय व्यक्ति पर्दे के पीछे एक अनजान शख्स बनकर जुआ खेलता है। उसे अपनी पहचान सार्वजनिक होने का कोई अंदेशा नहीं रहता। हमारे समाज में जुआ खेलना अच्छा नहीं माना जाता और इसीलिए लोग खुलेआम जुआ खेलने में संकोच करते हैं, लेकिन जब कोई अपने मोबाइल फोन से सट्टा खेलता है तो आसपास किसी को भनक तक नहीं लगती। दूसरा कारण यह है कि आनलाइन सट्टे को संचालित करने वाली कंपनियां बेहद संगठित और निपुण तरीके से अपने मायाजाल से लोगों को रिझाती हैं। आलम यह है कि ये कंपनियां गृहणियों और कालेज जाने वाले युवाओं को सट्टा खेलकर परिवार में एक कमाऊ सदस्य बनने का झांसा देती हैं। चूंकि ये कंपनियां अब काफी बड़ी हो चुकी हैं, इसलिए मोटी रकम देकर सिनेमा और क्रिकेट जगत से बड़े-बड़े सितारों को विज्ञापन में दिखाकर और अधिक से अधिक लोगों को इस लत में घसीटती जा रही हैं। विडंबना यह है कि इस पर कोई रोक-टोक नहीं लग पा रही है। कंपनियां केवल यह बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि इस खेल में आर्थिक जोखिम है और इसकी लत लग सकती है। तीसरा कारण सबसे विकराल है। आनलाइन सट्टेबाजी को रोकने का कानून न सिर्फ कमजोर है, बल्कि अस्पष्ट भी।

भारत में जुए को नियंत्रित करने वाला कानून पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 का बना हुआ है। इसके तहत जुआ खेलने और खिलाने वालों पर पुलिस और प्रशासन सख्त कार्रवाई कर सकता है। इस कानून में जुए की परिभाषा को लेकर भ्रम है, क्योंकि यह द्वगेम आफ स्किलद्व और द्वगेम आफ चांसद्व को अलग-अलग मानता है। गेम आफ स्किल में शतरंज जैसे खेल हैं, जिसमें कौशल का उपयोग होता है। इसके विपरीत वे खेल, जिनमें पांसे या लाटरी इस्तेमाल की जाती है और जो पूर्णतः भाग्य पर आधारित है, उसे ऱगेम आफ चांसऱ कहा जाता है। भाग्य और कौशल के बीच की यह लकीर धूमिल है और आनलाइन युग में यह और भी पेचीदा हो चुकी है। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाते हुए भारत में देखते ही देखते आनलाइन सट्टेबाजी ने अपने पांव पसार लिए हैं। आनलाइन सट्टेबाजी की कंपनियों के पीछे कई बार चीन से बड़ी मात्रा में निवेश हुआ है। ऐसी अनके कंपनियां देश के बाहर सक्रिय हैं।

आनलाइन सट्टेबाजी की लत जिस प्रकार बड़ी संख्या में लोगों को जकड़ रही है, वह सरकार और समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बनना चाहिए। इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है? सबसे पहले हमें जुए को नियंत्रित करने वाले कानून को आज के आनलाइन परिदृश्य के अनुरूप ढालना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि जिससे आनलाइन सट्टेबाजी वाली कंपनियां मनमानी न करने पाएं। फिलहाल उन पर कोई प्रभावी रोक-टोक नहीं। हमें बच्चों और युवाओं को किसी भी प्रकार के आनलाइन सट्टे से बिलकुल दूर रखना होगा। आनलाइन गेम्स या सट्टे में कितना पैसा लग सकता है, इस पर नियंत्रण आवश्यक है। आनलाइन गेम्स मनोरंजन का स्त्रोत हो सकते हैं, पर उन्हें आय का साधन नहीं बनाया जा सकता। यह समझा जाना चाहिए कि आनलाइन सट्टे में सदैव सट्टा खिलाने वाला ही जीतता है।

आनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते चलन को देखते हुए स्कूलों में उसके प्रति सजगता फैलाना अति आवशयक है। वे लोग जो अपने आपको या अपने परिवार के लोगों को सट्टा खेलने की आदत से ग्रस्त पा रहे हैं, उनके लिए एक्सपर्ट हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से मुहैया कराना आवश्यक हो गया है, ताकि उन्हें वक्त रहते बचाया जा सके। कई मामलों में यह देखने में आ रहा है कि बच्चे आनलाइन गेम्स खेलते-खेलते सट्टेबाजी तक पहुंच जाते हैं और अभिभावकों को जब तक पता चलता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जुए को नशे से भी बुरी लत बताई थी, क्योंकि जुए से होने वाला नुकसान स्थाई होता है और परिवार एवं समाज, दोनों को खोखला करता है। आज उसी सामाजिक बुराई को आनलाइन सट्टेबाजी के रूप में मोबाइल और कंप्यूटर के जरिये एक चमकीले आवरण में पेश किया जा रहा है। देश को इससे बचाने की जरूरत है।

-सुजनपाल सिंह
(लेखक एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

प्रदूषण : इच्छाशक्ति से ही बनेगी बात

रजनीश कपूर

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादल ने इस कदर घेर रखा है कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। लोग चिंतित हैं कि पाबंदियों के चलते कई रोजगारों पर असर पड़ने लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूर पाबंदियों के चलते सबसे अधिक पीड़ित हुए हैं। तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफी बहस हो रही है परंतु क्या किसी ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात कही है? क्या निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? अनेक कारण हैं जिन पर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों ही है। कोई वाहन जो पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है तो निश्चित रूप से उसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में पाया जाता है तो उस पर प्रतिबंध का क्या औचित्य? हम-आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं, तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महंगी गाड़ियों के लिए साफ-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियां अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं?

इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं। नतीजतन जगह-जगह ट्रैफिक जाम हो जाता है। जाम में खड़े रह कर आप न सिर्फ समय जाया करते हैं, बल्कि महंगा ईंधन भी जाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज्यादा नये वाहनों से प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। ट्रैफिक नियंत्रण की समस्या भी ऐसी समस्या है जिससे प्रदूषण बढ़ाता है। मिसाल के तौर पर आपको कई चौराहे मिल जाएंगे जहां लाल-बत्ती की अवधि जरूरत और ट्रैफिक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक की लंबी कतारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी कतारें लगती हैं। ज्यादातर कतारें पीक ऑवर पर लगती हैं। उस समय ट्रैफिक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। बस कुछ मामूली से परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। आज गूगल मैप पर घर बैठे आप हर गली-नुक्कड़ का ट्रैफिक देख सकते हैं। यदि हम इसे देख कर अपनी यात्रा को प्लान कर सकते हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाके के ट्रैफिक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते?

प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। जरूरत है तो इच्छाशक्ति की। याद दिलाना चाहूंगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफिक जाम नहीं होते थे। जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ट्रैफिक पर पैनी नजर बनाए हुए थे यानी डंडे के जोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था। यदि एक ट्रैफिक की समस्या को डंडे के जोर पर किसी विशेष इंतजाम के लिए नियंत्रित

जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं? अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने पराली जलाने की घटनाओं की। जग-जाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं। यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता? ठीक उसी तरह कारखानों से निकलने वाले धुएं को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है। सरकार चाहे तो इस राह में ठोस कदम उठा कर प्रदूषण को नियंत्रण में ला सकती है। केवल नारों, घोषणाओं और प्रतिबंधों से नहीं, इच्छाशक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण। जहां चाह, वहां राह!

एक नजर

चेन पुलिंग मामले में एक गिरफ्तार, जुर्माना देकर हुआ मुक्त

सरिया(गिरिडीह) : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में रांची पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस की चेन पुलिंग की गई जिस कारण रेलवे प्लेटफार्म स्टेशन लिमिट पर गाड़ी खड़ी हो गई ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ द्वारा एक व्यक्ति को ट्रेन से उतरते देखा गया। जिससे पूछताछ किया गया। जहां उसने बताया कि वह अपने रिश्तेदार को गाड़ी बैठाने आया था। इस क्रम में वह भी उसके सामान को ट्रेन पर चढ़ने को लेकर डिब्बे में चढ़ गया रेलगाड़ी खुल गई थी। जिसे लेकर चेन पुलिंग किया गया। वहीं रेलवे ट्रैक पार करने के आरोप में दो अन्य व्यक्तियों को भी पकड़ा गया। उक्त तीनों पकड़े गए व्यक्तियों को लोक अदालत में प्रस्तुत किया गया। जहां तीनों व्यक्तियों ने अपना अपराध कबूल किया। तत्पश्चात लोक अदालत में निर्धारित जमाने की राशि की वसूली कर उक्त तीनों लोगों को मुक्त किया गया। उक्त जानकारी रेलवे सुरक्षा बल हजारीबाग रोड के उपनिरीक्षक लखन देव सिंह ने दी।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

पाकुड़ : जिले के तिलभीटा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने मामले की जानकारी रेल पुलिस और स्थानीय जिला पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी पोस्ट की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पाकुड़ भेज दिया। मृत की पहचान सदर प्रखंड के संग्रामपुर गांव निवासी शम्भूनाथ (70) के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार शम्भूनाथ रेलवे पटरी पार कर रहा था। इस दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया और पटरी से दूर जा गिरा। गंभीर चोट आने के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस मामले में जीआरपी प्रभारी बिनोद राम ने बताया कि पाकुड़ तिलभीटा के बीच आउटर सिग्नल के पास एक व्यक्ति का शव मिलने का जानकारी मिली थी। जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस की कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

पलामू : पाटन प्रखंड के सगुना स्थित हीरो शोरूम से अनिल राम, पिता रामलाल मोची, ग्राम सगुना, के द्वारा किस्त पर दो पहिया वाहन खरीदा गया था। जिसे छह माह पहले खींच लिया गया। इसके बाद उक्त युवक शराब के नशे में जाकर शोरूम के मालिक से उलझ गया। लोगों ने बताया कि जब दो पहिया वाहन खींच लिया तो किस्त किस चीज का लिया जा रहा है। इसी मामले को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ था। इसकी सूचना पाटन पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलने पर पाटन पुलिस पहुंची। जहां पर ग्रामीण एवं पुलिस के बीच झड़प हुई। इसके बाद पुलिस पुनः सगुना पहुंची। जहां पुलिस झगड़ा करने वाले को दो लोगों को पकड़ कर ले जा रही थी। इस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शाम पांच बजे से 6:30 बजे तक सगुना पाटन पथ को जाम कर दिया। इसके बाद पाटन पुलिस प्रशासन के द्वारा जाम को हटाया गया। जबकि पाटन पुलिस मामले को सुलझाने गई थी लेकिन उक्त लोगों के द्वारा पुलिस के साथ झड़प हो गई।

अफीम व गांजे की खेती छोड़ किसान उगाने लगे सब्जियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : झारखंड और बिहार के सीमा में चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड की कभी पहचान उग्रवाद और पिछड़ेपन के लिए होती थी। कान्हाचट्टी का उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र गडिया अमकुदार पोस्ते की खेती का सेफ जोन के लिए जाना जाता था। अफीम की खेती व तस्करी के लिए यह इलाका पुलिस और प्रशासन के लिए सरदर्द था। ग्रामीण गांजा और पोस्ते की खेती कर अच्छे खासे पैसे कमाते थे। पोस्ता के फल में चीरा लगाकर अफीम निकालने के धंधे में कई संलिप्त थे। पुलिस व प्रशासन के बढ़ते दबाव व जागरूकता के कारण अब ग्रामीण पोस्ते की खेती को छोड़कर सब्जियों की खेती की ओर रूख कर लिए हैं। जिन खेती में कभी नशे की खेती होती थी उन खेतों में किसान मूंग, मसूर, आलू, टमाटर व अन्य नकदी फसलों की खेती करना प्रारंभ कर दिए हैं। एसपी विकास पांडे ने बताया कि आज से दो तीन वर्ष पूर्व गडिया, अमकुदर व आसपास के गांवों में पोस्ते की सफेद फलों की चादर से क्षेत्र ढका रहता था। दूर से ही अफीम का सुगंध महकने लगता था। लेकिन आज की फिजां ही कुछ और बयां कर रही है। ग्रामीण टमाटर, मटर, आलू की खेती कर आत्मनिर्भर बनने की राह पर हैं। हालांकि पोस्ते की खेती कर ग्रामीण भले ही मालामाल हुआ करते थे। लेकिन इसकी खेती करने की जुर्म में गडिया अमकूदार, सिकिद, पथेल, नारे धैवैया आदि दर्जनों गावों के करीब डेढ़ सौ से अधिक ग्रामीणों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया। आज के तीन चार वर्ष पूर्व पोस्ते की खेती करने व कराने के लिए उक्त गांव सेफ जोन माना जाता था। पुलिस की मानें मो पहले इन गांवों में पहुंचने का रास्ता नहीं था। अब इन गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें, पुल पुलिया बन चुकी है। अपराधियों व उग्रवादियों पर नकेल कसने के लिए गडिया गांव में सीआरपीएफ का स्थायी कैंप स्थापित किया गया है। पुलिस के द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठक कर पोस्ते की खेती नहीं करने के लिए जागरूकता चलाया जाता है और ग्रामीणों को संकल्प भी दिलाया गया है। एसपी विकास पांडे ने बताया कि चतरा में नशे की खेती के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जाता है। ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर इससे होने वाले नुकसान से उन्हें अवगत कराया जा रहा है। पुलिस अफीम की खेती को रोकने के लिए पुरी मुस्तैदी से कार्य कर रही है।

खूंटी में गायत्री शक्तिपीठ के निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिला मुख्यालय खूंटी से सटे एरेंडा ग्राम में अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में गायत्री शक्तिपीठ के निर्माण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के सदस्यों, स्थानीय नागरिकों और आध्यात्मिक गुरुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता निभाई। गायत्री परिवार के प्रवक्ताओं रांची जोन के समन्वयक रामनरेश प्रसाद, सह समन्वयक प्रसून और उप जोन समन्वयक दयाशंकर प्रसाद ने बताया कि शक्तिपीठ निर्माण का उद्देश्य पूरे जिले में आध्यात्मिक जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने कहा कि यह शक्तिपीठ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र होगा, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को पुनर्जीवित करने का माध्यम भी बनेगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्रोंच्चारण, यज्ञ और आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य यजमान के रूप में गिरीश जायसवाल सपत्निक के अलावा अन्य श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर शक्तिपीठ निर्माण के लिए भूमि दान करने वाले देवेंद्र भगत ने शक्तिपीठ निर्माण को क्षेत्र के विकास और आध्यात्मिक उत्थान के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि शक्तिपीठ के निर्माण से पूरे जिले को आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक दिशा मिलने की उम्मीद है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में भी आध्यात्मिकता और समाजसेवा को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में कर्रा, रनिया, अड़की, मुरहू आदि प्रखंडों सहित खूंटी के कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया।

सड़क पर गिरे बालू से अनियंत्रित होकर बाइक पलटी, एक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू में एक व्यक्ति की गुरुवार की रात सड़क हादसे में मौत हो गई। जिसके बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। घटना जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में पुलिस लाईन के पास मुख्य सड़क पर हुआ। सड़क पर बालू गिरे होने के कारण मोटरसाइकिल फिसल गई और इस पर सवार चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्वडीहा निवासी मुखराम दुबे (60) सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से एमआरएमसीएच में मुखराम दुबे की इलाज के क्रम में मौत हो गई। मुखराम दुबे अघोर आश्रम रोड में नाइट गार्ड का काम करते थे। वह न्यू एरिया हमीदगंज के रहने वाले नीरज कुमार ठाकुर के साथ गुरुवार देर रात 12 बजे के करीब पुलिस लाइन की ओर से बाइक पर सवार होकर ड्यूटी स्थल पर जा रहे थे। मोटरसाइकिल नीरज चला रहा था। रात में ही मेदिनीनगर-बिसफुट्टा मार्ग में डॉ एमपी सिंह के घर के सामने रोड पर बालू गिराया गया था। बाइक का बैलेंस बालू में जाते ही बिगड़ गया। इस घटना में नीरज को भी चोट आई है। मुखराम दुबे की मौत के बाद उनके गांव के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मुखराम के शव के साथ बालू गिराए गए जगह पर शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे पहुंचकर लोग हंगामा करने लगे। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सड़क पर बालू गिरवाने वाले पर कारवाई और मृतक के परिजन के लिए मुआवजा की मांग करने लगे। शहर थाना से पुलिस बल मौके पर पहुंची और सड़क जाम करने वाले को समझाना चाहा, लेकिन प्रदर्शनकारी दोषी पर कार्रवाई को लेकर अड़े हुए हैं। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे से बालू गिराने वाले वाहन की पड़ताल कर रही है। लोग अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। बालू की तस्करी में पुलिस प्रशासन के साथ मिली भगत का आरोप लगाया।

तीन दिवसीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत आठ दिसंबर से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त विजया जाधव ने जिला टास्क फोर्स (पल्स पोलियो अभियान) की दूसरी बैठक की। मौके पर सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद, नोडल पदाधिकारी एन. पी. सिंह, अस्पताल उपाधीक्षक अरविंद कुमार, नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे। इसमें आगामी 08 दिसंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तैयारियों की समीक्षा की। मौके पर डीपीएम दीपक कुमार ने पल्स पोलियो अभियान को लेकर अब तक की गई तैयारियों की क्रमवार जानकारी दी। बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में अभियान को सफल बनाने के लिए सभी वैक्सीनेटरों एवं सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लगभग प्रशिक्षण कार्य पूर्ण हो गया है शेष का आज व कल प्रशिक्षण पूर्ण हो जाएगा। जिले में 2005 पोलियो बूथ बनाया गया है। वैक्सीन का डिलीवरी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में शुरू कर दिया जाएगा। उपायुक्त विजया जाधव ने सभी प्रखंडों को प्रशिक्षण कार्य शतप्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अंतिम प्रशिक्षण टाउनहाल बोकारो सभागार में आयोजित करने, आसान प्रश्न उत्तर के माध्यम से पल्स पोलिया के संबंध में बताने को कहा। उन्होंने प्राप्त लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने को कहा। उन्होंने शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने को लेकर तैयारियों की प्रखंड वार समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया। कहा कि सभी प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्र में पल्स पोलियो अभियान की मानीटरिंग व सफल आयोजन को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारियों को टैग किया जाएगा। इस बाबत संबंधित पदाधिकारी को पत्र जारी करने को कहा। उपायुक्त ने प्लस पोलिया अभियान को लेकर सरल भाषा में आम जनों को अभियान की तिथि, बूथ की जानकारी देने के लिए जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण चौक झ चौराहों पर माइकिंग के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा।

एमजीएम के विद्यार्थी राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चयनित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल बोकारो के नौवीं कक्षा के छात्र अनंत गुप्ता व मो.अयान अख्तर ने सीबीएसई पटना क्षेत्र की ओर से 22 व 23 दिसंबर को दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में स्थान सुनिश्चित कर लिया। इन्होंने क्षेत्र स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिकल जेनरेशन यूजिंग पाईजोइलक्ट्रिकल माड्यूल से संबंधित प्रस्तुत किया। इसे विशेषज्ञों ने पसंद किया। यह जानकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने दी। इन्होंने कहा कि विज्ञान के सहारे मानव में विकास की राह तय की। विज्ञान व प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा,कृषि, डेयरी, चिकित्सा, उद्योग के अलावा अन्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। इसलिए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करना आवश्यक है। इस दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। विद्यार्थियों को विज्ञान का ज्ञान दिया जा रहा है। इसे विज्ञान के रहस्य से परिचित कराया जा रहा है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में बाल वैज्ञानिक राज्य व राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता का परचम लहरा रहे हैं। इन्होंने अनंत गुप्ता व मो.अयान अख्तर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर उप प्रधानाध्यापक राखी बनर्जी, शैक्षणिक निदेशक जार्ज जोसफ, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी के अलावा शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पैतृक गांव उलिहातू में मंगल मुंडा का हुआ अंतिम संस्कार, अर्जुन मुंडा ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा का इलाज के दौरान रिम्स में गुरुवार की देर रात निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार को उनके पैतृक गांव खूंटी के उलिहतू ले जाया गया, जहां खूंटी जिला प्रशासन की ओर से उप विकास आयुक्त सह प्रभारी उपायुक्त श्याम नारायण राम ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में सरना रिति-रिवाज के अनुसार उन्हें दफनाया गया। उल्लेखनीय है कि मंगल मुंडा 25 नवंबर को सड़क दुर्घटना में गभीर रूप से घायल हो गये थे। उनका इलाज रिम्स में चल रहा था। खूंटी के उपायुक्त लाकेश मिश्रा की पहल पर खूंटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम भी रिम्स गई थी। उपचार के दौरान गुरुवार की देर रात मंगल मुंडा का निधन हो गया। मंगल मुंडा के निधन की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुष्प-चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत मंगल मुंडा के परिजनों को राज्य सरकार के स्तर से हर संभव मदद का भरोसा दिया। मंगल मुडा के निधन की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार की शाम पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा, खूंटी के पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा सहित विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के लोग उलिहातू पहुंचे और और मंगल मुंडा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा के निधान पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि मंगल मुंडा का निधन पूरे झारखंड के लिए दुःख का विषय है। उन्होंने कहा कि सड़क दुघटनाम में घायल होने के बाद जग मंगल मुंडा कोरिम्स ले जाया गया, तो किसी ने उनकी सुधि नहीं ली। वे रात भर घायल अवस्था में एंबुलेंस में ही पड़े रहे। अर्जुन मुंडा ने कहा कि जब उन्हें सूचना मिली, तो उन्होंने रिम्स के अधिकारियों से बात कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। अर्जुन मुंडा ने कहा कि एक शहीद परिवार के वंशज के साथ इस तरह का व्यवहार स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल करता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में और किसी के साथ ऐसा न हो, इस पर सरकार को ध्यान देने की आवश्कता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर समय पर मंगल मुंडा का इलाज इलाज हो जाता, तो उनकी जान बच सकती थी।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने संविधान दिवस मनाया

अनगड़ा : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित कई कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही छात्रों ने भारतीय संविधान के जनक डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा संविधान को अपनाने के बारे में एक वीडियो देखा। इसकी प्रासंगिकता को समझने के प्रातः कालीन सभा में प्रस्तावना भी पढ़ी गई। शिक्षकों ने भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा की गई एक पहल 'प्रस्तावना पढ़ें प्रतिज्ञा' में भाग लिया। ये गतिविधियाँ छात्रों को संविधान के महत्व और नागरिकों को इसके महत्व का एहसास कराने के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने सभी को संविधान के महत्व के बारे में याद दिलाया और बताया कि यह स्वतंत्र राष्ट्र की पहचान है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें उन मूल्यों और सिद्धांतों को समझने का प्रयास करना चाहिए जो संविधान हमें सिखाता है। साथ ही इन मूल्यों को हमें अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए।

मोटरसाइकिल के पुल के नीचे गिरने से एक की मौत

कोडरमा : जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा कोवाड़ सड़क स्थित अकतो नदी पुल पर से बाईक सवार तीन लोग गिर गए, जिनमें एक युवक की मौत हो गई। घटना ने दो अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान अशोक रजवार(26) पिता लखन रजवार के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान कारु रजवार पिता नामालूम, सुदन रजवार पिता स्व. भुनेश्वर रजवर, ग्राम रविदास मोहल्ला जयनगर पूर्वी पंचायत थाना जयनगर निवासी के रूप मे हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को दिन में तीनों घर से निकलकर कहीं जाने निकले थे। इसी दौरान अकतो नदी के समीप जैसे पहुंचे, बाईक अनियंत्रित होकर पुल से नीचे खेत में जा गिरा। जिसके बाद राहगीरों ने इसकी सूचना जयनगर पुलिस को दी और घटना स्थल पर पुलिस पहुंच कर घटनास्थल से शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं दोनों घायलों का इलाज जारी है। मृतक को एक पुत्र एक पुत्री है।

मंगल मुंडा के निधन पर कड़िया मुंडा समेत कई लोगों ने जतायी संवेदना

खूंटी : भगवान बिरसा मुंडा के वंशज मंगल मुंडा का इलाज के दौरान रिम्स में गुरुवार की देर रात निधन हो गया। मंगल मुंडा 25 नवंबर को सड़क दुर्घटना में गभीर रूप से घायल हो गये थे। उनका इलाज रिम्स में चल रहा था। खूंटी के उपायुक्त लाकेश मिश्रा की पहल पर खूंटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम भी रिम्स गई थी। गुरुवार की देर रात लगभग 12.30 बजे मंगल मुंडा का निधन हो गया। मंगल मुंडा के निधन पर लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा, तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया, खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा और नीलकंठ सिंह मुंडा ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

एलएम आईटीआई कॉलेज में मनी ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि

हजारीबाग : लखन मेहता आईटीआई कॉलेज में शुक्रवार को भी ज्योतिबा फुले का पुण्यतिथि मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बरकट्ठा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने ज्योतिबा फुले के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया। मेहता ने कहा कि महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले एक भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे। इन्होंने महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज नामक संस्था का गठन किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं व पिछड़े के उत्थान के लिए इन्होंने अनेक कार्य किए। समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्रदान करने के ये प्रबल समर्थक थे। वे भारतीय समाज में प्रचलित जाति पर आधारित विभाजन और भेदभाव के विरुद्ध थे। मेहता ने यह भी कहा कि ज्योतिबा फुले का विचार शिक्षा का अधिकार प्रदान करना, बाल विवाह का विरोध, विधवा विवाह का समर्थन करना रहा है। मौके पर लखन मेहता आईटीआई कॉलेज के डायरेक्टर डॉ रंजन मेहता, लखन मेजता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

इंटर कॉलेज एथलेटिक्स मीट के दूसरे दिन कई प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

खूंटी : बिरसा कॉलेज खूंटी में आयोजित रांची यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज एथलेटिक्स मीट के दूसरे दिन शुक्रवार को पुरुष वर्ग की स्पर्धा की 5000 मीटर दौड, 400 और 200 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, डिस्कस थ्रो, 400 रिले रेस और महिला वर्ग में 5000 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, जैवलिन थ्रो, ट्रिपल जंप, 400 मीटर और 100 मीटर रिले रेस का फाइनल इवेंट संपन्न हुए। दूसरे दिन बिरसा कॉलेज खूंटी को दो मेडल मिले। इस दौरान खिलाड़ियों में जोश और उत्साह देखने को मिला। 400 मीटर दौड़ में राम लखन सिंह यादव कॉलेज के रामचंद्र संगा को प्रथम, एसएस मेमोरियल कॉलेज के आशुतोष कुमार को द्वितीय और इसी कॉलेज की शोभित को तृतीय, ट्रिपल जंप में एसएस मेमोरियल कॉलेज रांची के विशाल कुमार को प्रथम, एसएस मेमोरियल कॉलेज के ही विराज कुमार को द्वितीय और संत जेवियर्स कॉलेज रांची के अर्पण कुजूर को तृतीय, 200 मीटर दौड़ में राम लखन सिंह यादव कॉलेज के रामचंद्र संग को प्रथम, करमचंद भगत कॉलेज बेड़ो के विक्की लोहरा को द्वितीय , राम लखन सिंह यादव कॉलेज के अमित ओहदार को तृतीय, 5000 मीटर दौड़ में एसएस मेमोरियल कॉलेज के प्रहलाद उरांव को प्रथम, जे एन कॉलेज धुर्वा के सुजीत सरकार को द्वितीय और जेएन कॉलेज के ही आकाश उरांव को तृतीय, लॉन्ग जंप में एसएस मेमोरियल कॉलेज के समीर उरांव को प्रथम, एसएस मेमोरियल कॉलेज के सूरज पासवान को द्वितीय, राम लखन सिंह यादव कॉलेज के अभिनय मिंज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 400 मीटर रिले रेस में राम लखन सिंह यादव कॉलेज को प्रथम, एसएस मेमोरियल कॉलेज को द्वितीय और कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला को तृतीय, डिस्कस थ्रो में कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला के लालचंद उरांव को प्रथम, बिरसा कॉलेज खूंटी के संटी कुमार को द्वितीय और सेंट जेवियर्स कॉलेज के सनी कुमार चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। 200 मीटर दौड़ में एसएस मेमोरियल कॉलेज की अनन्या अम्बष्ट को प्रथम, संत जेवियर कॉलेज की जेनिस टोप्पो को द्वितीय, मारवाड़ी कॉलेज की आरती कुमारी को तृतीय, जैवलिन थ्रो में एसएस मेमोरियल कॉलेज की प्रतिभा कुमारी को प्रथम, संत जेवियर कॉलेज की प्रिया टेटे को द्वितीय और बिरसा कॉलेज की सिलवंती कंडिर को तृतीय स्थान, 100 मीटर रिले रेस में एसएस मेमोरियल कॉलेज को प्रथम, संत जेवियर कॉलेज को दूसरा, मारवाड़ी कॉलेज को तीसरा, 5000 मीटर दौड़ में एसएस मेमोरियल कॉलेज की सुमन कुमारी को प्रथम, कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला की प्राकृतिक टोप्पो को द्वितीय, अभिलाषा केरकेट्टा को तृतीय, 100 मीटर रिले रेस में एसएस मेमोरियल कॉलेज को प्रथम, संत जेवियर कॉलेज को द्वितीय, मारवाड़ी कॉलेज को तृतीय, 400 मीटर रिले रेस में एसएस मेमोरियल को प्रथम संत जेवियर कॉलेज को द्वितीय और मारवाड़ी कॉलेज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

होंडा ने पेश किए दो इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली ।

हाल ही में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने दो इलेक्ट्रिक स्कूटर भारतीय बाजार में पश किए। ये स्कूटर होंडा एक्टिवा-ई और क्यूसी-1 हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि ओला के एस-1 को बाजार में होंडा एक्टिवा-ई, टक्के कर देगा। होंडा एक्टिवा-ई में 102 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और इसमें दो स्वेपेबल बैटरी दी गई हैं।

इसकी कीमत कितनी होगी, इसका खुलासा अभी कंपनी ने नहीं किया है। एक्टिवा-ई और होंडा क्यूसीआई में रोड सिंक ड्यो ऐप दिया गया है। होंडा क्यूसी-1 में 80 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक फिक्स्ड 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ पेश किया गया है। इसमें 7.0 इंच की टीएफटी स्क्रीन मिलती है जो होंडा रोड सिंक ड्यो ऐप के साथ रियल-टाइम कनेक्टिविटी देती है। एक्टिवा-ई में बड़ी सीट, स्मार्ट की, यूएसबी सी और हुक, स्मार्ट कनेक्टिवटी, इनबिल्ट जीपीएस, डे और नाइट मोड और नेविगेशन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके दोनों तरफ टर्न इंडिकेटर्स के साथ एलईडी हेडलैंप लगे हैं। यह डुअल-टोन सीट, 12-इंच डायमंड कट एलॉय व्हील, फ्लैट फुटबोर्ड और मजबूत ग्रैबरेल जैसी खासियतों से भी लैस है। इसमें 7.0 इंच की टीएफटी स्क्रीन भी लगी है। होंडा एक्टिवा ई में एक स्वैपेबल बैटरी सेटअप है जिसमें दो 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी हैं। इसका पावर आउटपुट 4.2 केडब्ल्यू (5.6 बीएचपी) है जिसे अधिकतम 6.0 केडब्ल्यू तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें तीन राइडिंग मोड स्टैंडर्ड, स्पोर्ट और इकॉन दिया गया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर पर्ल जुबली व्हाइट, मैट गनपाउडर ब्लैक मेटैलिक और प्रीमियम सिल्वर मेटालिक कलर ऑप्शन में आएगा। होंडा क्यूसी-1 में मिलेगी 80 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक फिक्स्ड 1.5 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ आता है। इसका पावर आउटपुट 1.2 केडब्ल्यू (1.6 बीएचपी) और 1.8 केडब्ल्यू (2.4 बीएचपी) है। इलेक्ट्रिक स्कूटर को 0 से 75 प्रतिशत चार्ज होने में 3 घंटे लगेंगे हैं और स्टैंडर्ड चार्जर से 0 से 100प्रतिशत चार्ज होने में 6 घंटे लगेंगे।इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की बुकिंग 1 जनवरी से शुरू होगी। ई-एक्टिवा में ट्रेडिशनल स्कूटर डिजाइन दिया गया है। इसमें हेडलाइट फ्रंट पैनल पर दी गई है, जबकि एक्टिवा पेट्रोल वर्जन में हैंडल बार पर हेडलाइट मिलती है।

त्योहारी सीजन में क्रेडिट कार्ड से खर्च दो लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा

-आरबीआई के आंकड़ों में पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा वृद्धि

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में भारत में क्रेडिट कार्ड से खर्च दो लाख करोड़ रुपए के पार हो गया, जो सितंबर माह की तुलना में 14.5 फीसदी ज्यादा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में क्रेडिट कार्ड पर खर्च 2.02 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा है। आरबीआई के मुताबिक सिस्टम में बकाया क्रेडिट कार्ड 12.85 फीसदी बढ़कर 106.88 मिलियन हो गए, जो सितंबर से 0.74 फीसदी ज्यादा है। एचडीएफसी बैंक 241,119 क्रेडिट कार्ड जारी कर चार्ट में सबसे आगे रहा, उसके बाद एसबीआई कार्ड्स ने 220,265 कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक ने 138,541 कार्ड जारी किए। इस बीच आरबीआई के मासिक आंकड़ों के मुताबिक यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान में आए उछाल से डेबिट कार्ड आधारित लेनदेन अगस्त में करीब 43,350 करोड़ रुपए से करीब 8 फीसदी घटकर सितंबर में करीब 39,920 करोड़ रुपए रहा। दूसरी ओर देश में क्रेडिट कार्ड लेनदेन में वृद्धि हुई, जिसमें सितंबर माह में करीब पांच फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अगस्त में 1.68 लाख करोड़ से बढ़कर 1.76 लाख करोड़ रुपए हो गई। जानकारों के मुताबिक क्रेडिट कार्ड खर्च में वृद्धि पिछले साल और त्योहारी सीजन में लोअर बेस के कारण हुई है, क्योंकि त्योहारी सीजन में समान मासिक किस्तों जैसी प्रमोशनल स्कीम में तेजी आई है। मार्च 2021 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 14-19 फीसदी से बढ़कर मार्च 2024 में 40-48 फीसदी हो गई, जिसमें यूपीआई की अहम भूमिका रही। यूपीआई लेनदेन में 75 फीसदी सीएजीआर की शानदार गति से वृद्धि हुई है, जबकि अगस्त 2019-अगस्त 2024 की अवधि में यूपीआई खर्च 68 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ा है, क्योंकि कार्ड इंडस्ट्री की बढ़ोतरी धीमी रही। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता लेनदेन मात्रा अनुपात से देखी जा सकती है, जो क्रेडिट कार्ड लेनदेन मात्रा का 38.4 गुना है। यूपीआई लेनदेन के कम टिकट साइज को देखते हुए, अगस्त में यूपीआई-टू-क्रेडिट कार्ड खर्च 0.3 गुना रहा, जो वर्तमान स्तरों पर काफी हद तक स्थिर है।

मोटर इंश्योरेंस को लेकर लोग हुए जागरुक, टियर 2 और 3 शहरों में हुई ग्रोथ

-अगस्त से अक्टूबर के प्रीमियम में पिछले साल की तुलना में 2.3 गुना बढ़ोतरी

मुंबई। निजी उपभोग बढ़ने से टियर 2 और 3 शहर मोटर इंश्योरेंस सेक्टर के लिए ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहे हैं। एक रिपोर्ट में बढ़ती मोटर इंश्योरेंस की मांग दिखाती है कि देश में वाहनों की संख्या में इजाफा हुआ है और लोगों में इंश्योरेंस को लेकर जागरूकता आई है। आंकड़ों के मुताबिक शहरों ने इस साल त्योहारी सीजन में बेची गई पॉलिसियों की संख्या और प्रीमियम राशि में 90 फीसदी से ज्यादा योगदान दिया है। कंपनी ने अपने बीमा सलाहकारों के बड़े नेटवर्क के जरिए से चार लाख से ज्यादा मोटर बीमा पॉलिसियां जारी की हैं, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 2 गुना ज्यादा है। अगस्त से अक्टूबर की अवधि में मोटर बीमा के कुल प्रीमियम में पिछले साल की तुलना में 2.3 गुना बढ़ोतरी हुई। जयपुर में मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम में 191 फीसदी, इंदौर में 31 फीसदी और लखनऊ में 15 फीसदी की वृद्धि हुई। टर्टलमिंट के सीईओ ने कहा कि भारत का बीमा क्षेत्र विकास पथ पर है, जिसमें मोटर बीमा का अहम योगदान है। मोटर पॉलिसी की बिक्री में सालाना आधार पर 85 फीसदी बढ़ोतरी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि डिस्काउंट और ऑफर के कारण त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड वाहनों की बिक्री होती है। इसके साथ ही मोटर इंश्योरेंस की खरीद में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है। पिछले हफ्ते, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने स्थिर रिप्लेसमेंट मांग और अच्छी बारिश के कारण ग्रामीण मांग में सुधार के कारण वित्त वर्ष 2025 के लिए भारतीय दोपहिया उद्योग की थोक मात्रा में वृद्धि के आउटलुक को संशोधित कर 11-14 फीसदी कर दिया। अक्टूबर में देश में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 14.2 फीसदी बढ़कर 21.64 लाख यूनिट हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 18.96 लाख यूनिट थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्रर्स (एसआईएएम) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक कारों और एसयूवी सहित यात्री वाहनों की बिक्री भी अक्टूबर में बढ़कर 3.93 लाख यूनिट के उच्चतम मासिक स्तर पर पहुंच गई।

भारतीय स्टेट बैंक की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद

- मात्र 100 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

मुंबई ।

वर्तमान समय में लोग विभिन्न निवेश विकल्पों की खोज में हैं जो उन्हें सुरक्षितता और अच्छे रिटर्न की सुनिश्चित करें। भारतीय स्टेट बैंक ने एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना शुरू की है, जिसे आरडी स्कीम कहा जाता है और उसमें निवेश करने पर विशेष ब्याज दर के साथ सुरक्षितता मिलती है। एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश करने पर निवेशकों को सुरक्षित और साथ ही तगड़ा रिटर्न मिलता है। इस स्कीम में ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से निवेश की अवधि चुन सकते हैं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अतिरिक्त ब्याज की ऑफर है। यह बचत योजना ग्राहकों को नियमित रूप से छोटी राशि जमा करने की संभावना देती है, जिससे एक बड़ा फंड जमा किया जा सकता है। उसके पश्चात निर्धारित अवधि के साथ ब्याज सहित राशि वापस मिलती है।

वर्तमान में एसबीआई रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में जमा करने पर

4.0 से 6.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है। समय-समय पर बैंक की और से दी जाने वाली ब्याज दरें बदलती रहती हैं, जिससे निवेशकों को लाभ हो सकता है। इसलिए अगर आप भविष्य को सुरक्षित और अच्छे रिटर्न के साथ बनाना चाहते हैं, तो एसबीआई की रेकरिंग डिपाजिट स्कीम में निवेश की सोच सकते हैं। यह एक विश्वसनीय विकल्प हो सकता है जो आपके लिए एक सुरक्षित भविष्य की गारंटी प्रदान कर सकता है।

चिप डिजाइन के क्षेत्र में भारत एक बड़े देश के रूप में उभरेगा : जापान

नई दिल्ली।

जियो-पॉलिटिकल टेंशन की वजह से चिप डिजाइन के क्षेत्र में भारत एक बड़े देश के रूप में उभर सकता है। ये कहना है जापान के सॉफ्टबैंक समूह के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मासायोशी सोन का। अरबपति सीईओ ने अपनी यात्रा के दूसरे दिन सॉफ्टबैंक की पोर्टफोलियो कंपनियों के संस्थापकों से मुलाकात की। इनमें पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा, मीशो के सीईओ विदित आत्रे, ओयो के सीईओ रितेश अग्रवाल, ओला कंज्यूमर और ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल, फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति और अनएकेडमी के सीईओ गौरव मुंजाल समेत अन्य शामिल थे। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने भारत में अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के संस्थापकों से 10 साल के संबंध में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर काम करने के लिए कहा है। अपनी दो दिन की भारत यात्रा के दौरान सोन ने पहले दिन मुंबई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी से तथा दूसरे दिन राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सूत्र ने कहा, संस्थापकों के साथ बैठक के दौरान सोन ने कहा कि भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा दुनिया में सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक कारणों से भारत चिप डिजाइन में एक बड़ा खिलाड़ी हो सकता है। दरअसल, सेमीकंडक्टर या चिप निर्माण चीन व ताइवान की दुनियाभर में बादशाहत है। सॉफ्टबैंक ने पिछले 10 साल में 15 अरब डॉलर का निवेश किया है और भारत में सॉफ्टबैंक का निवेश इससे अधिक हो सकता है। सॉफ्टबैंक समूह के संस्थापक ने कहा कि चिप डिजायनिंग एआई अर्थव्यवस्था की धड़कन होगी। संस्थापकों के साथ चर्चा के दौरान सोन ने एआई के इर्द-गिर्द कारोबार के विकास पर जोर दिया।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक ने आईपीओ खुलने से पहले 254 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली ।

सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 254 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। इस आईपीओ में कंपनी ने बड़े निवेशकों में निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, कोटक एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एमएफ, क्वांट एमएफ और कार्नेलियन भारत अमृतकाल फंड को शामिल किया है। इनमें से 16 निवेशकों को 57.57 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। इस आईपीओ का आरंभिक मूल्य दायरा 420 रुपये से 441 रुपये प्रति शेयर है। इस निवेश चक्र को गति देने के लिए कंपनी ने 29 नवंबर को आईपीओ को खोलने का निर्णय किया है और इसे 3 दिसंबर को बंद किया जाएगा। सुरक्षा डायग्नोस्टिक लिमिटेड ने यह निवेश जुटाने के बाद अपनी प्रेरणा को और मजबूत किया है और अपने विकास में मदद मिलेगी। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी की वित्तीय स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।

NODWIN GAMING

ट्रिनिटी गेमिंग का 24 करोड़ में अधिग्रहण करेगी नोडविन गेमिंग

नई दिल्ली । गेमिंग और ईस्पोर्ट्स कंपनी नोडविन गेमिंग ने शुक्रवार को 24 करोड़ रुपये की कीमत पर ट्रिनिटी गेमिंग का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। नोडविन ने यह समाचार बयान करते हुए कहा कि इस लेन-देन का मौल्य 24 करोड़ रुपये है। ट्रिनिटी गेमिंग की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण एक द्वितीयक बिक्री तथा नोडविन गेमिंग के शेयरों की अदला-बदली के साथ होगा। इसका अनुमानित भुगतान क्षमता है कि लगभग 4.8 करोड़ रुपये नकद भुगतान के रूप में किया जाएगा, जबकि शेष 19.2 करोड़ रुपये की देयता नोडविन गेमिंग के शेयरों की अदला-बदली के जरिये होगी। नोडविन गेमिंग ने 2014 में अपनी स्थापना की थी और वर्तमान में यह टेक्नोलॉजी कंपनी नाजारा की अनुषंगी है। ट्रिनिटी गेमिंग भारत में सीएसपी के साथ काम करता है जो मेटा के लिए क्रिएटर सर्विस प्रोवाइड करता है, और गेमिंग एमसीएन के रूप में यूट्यूब पर एक मल्टी-चैनल नेटवर्क है। इसके साथ ही नोडविन गेमिंग ने सैमसंग, रियलमी, आईक्यूओओ, और क्राफ्टन जैसी बड़ी कंपनियों के साथ भी साझेदारी की है।

एयर इंडिया की ब्लैक फ्राइडे सेलः हवाई टिकट में मिलेगी छूट

- एयर इंडिया का ऑफर 2 दिसंबर तक

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने शुक्रवार को ब्लैक फाइडे सेल शुरू की है, जिसमें यात्रियों को बड़ी छूट दी जा रही है। इस सेल के तहत घरेलू उड़ानों के लिए 20 फीसदी तक की छूट और इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 12 फीसदी तक की छूट पेशकश की जा रही है। यह ऑफर 2 दिसंबर तक है। इस ब्लैक फाइडे सेल के तहत यूपीआई या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए भुगतान करने पर यात्रियों को अतिरिक्त छूट भी मिल रही है। घरेलू उड़ानों पर 400 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 1200 रुपये तक की बचत के साथ सभी बुकिंगों के लिए कन्वीनियंस शुल्क भी माफ किया जाएगा। इस ऑफर का उपयोग करने के लिए यात्री एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जा सकते हैं। कंपनी ने सीटों की संख्या में सीमाएं बताई हैं, इसलिए जल्दी करें और इस मौके का फायदा उठाएं। एयर इंडिया की इस ब्लैक फाइडे सेल में स्टूडेंट्स और सीनियर सिटीजन्स के लिए भी विशेष छूट का एलान किया गया है। स्टूडेंट्स 25 फीसदी और सीनियर सिटीजन्स 50 फीसदी तक की छूट पा सकते हैं। इस ब्लैक फाइडे सेल के दौरान एयर इंडिया ने यात्रियों को हवाई टिकट में सबसे कम कीमत पर यात्रा करने का मौका दिया है।

भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 759 अंक उछला

मुंबई, 29 नवंबर ।

भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को हरे निशान में बंद हुआ। इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही शानदार तेजी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 759.05 अंक या 0.96 प्रतिशत की तेजी के बाद 79,802.79 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 216.95 अंक या 0.91 प्रतिशत की तेजी के बाद 24,131.10 पर बंद हुआ। निवेशकों की बेहतर धारणा और स्टॉक-विशिष्ट गतिविधियों के कारण घरेलू शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। कारोबारी सत्र की इस तेजी का नेतृत्व फार्मा शेयरों ने किया। निफ्टी बैंक 148.75 अंक या 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,055.60 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 91.90 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,392.65 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 139.40 अंक या 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,650.95 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों के अनुसार, घरेलू बाजार में लार्ज-कैप द्वारा संचालित रैली जारी रही। त्योहारी सीजन का लाभ उठाते हुए कुछ सेक्टर ने अच्छा प्रदर्शन किया। फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्रों में मजबूत आय और हाल के सुधारों के बाद मूल्यांकन में नरमी के कारण नए सिरे से वृद्धि देखी गई। उन्होंने आगे कहा कि भारत के दूसरी तिमाही सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत की अनुमानित गिरावट पहले ही दूसरी तिमाही की कॉरपोरेट आय में देखी जा चुकी है, जिसे बाजार ने कम कर आंका है। इस बीच, जापानी येन की मूल्य में वृद्धि के कारण वैश्विक भावना मंद रही।

सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, सन फार्मा, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और टाइटन टॉप गेनर्स थे। वहीं, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, एसबीआई और इंफोसिस टॉप लूजर्स रहे। निफ्टी सेक्टोरल इंडेक्स में फार्मा, हेल्थकेयर, कमोडिटीज, इंफ्रा, मीडिया, एनर्जी और ऑटो में खरीदारी रही। जबकि, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर में बिकवाली देखी गई।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,334 शेयर हरे निशान और 1,608 लाल निशान में बंद हुए। जबकि, 127 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

महाकुंभ में 92 लाख में बिकी कचौड़ी की दुकान

- लड्डू की दुकान 75 लाख की, जानिए जमीन कैसे मिलेगी

इलाहाबाद । उत्तर प्रदेश महाकुंभ-2025 के निकट होने के साथ ही यहां के व्यवसायिक धंधे में भी चर्चा है। संगम के पास कचौड़ी की दुकान का एक साल का किराया 92 लाख है। यह दुकान महाकुंभ-2025 में स्थापित होने वाली है। संगम के निकट कचौड़ी के एक और किनारे लड्डू की दुकान भी है जो 75 लाख में बिकी है। इसके बावजूद यहां की दुकानों के लिए महाकुंभ के डेढ़ महीने और मेलों में ही खरीदारों की भीड़ होती है। महाकुंभ में तैयारियां अपने जोर-शोर से चल रही हैं। कुल 4 हजार हेक्टेयर में मेला क्षेत्र बनाया जा रहा है, जिसमें 40 करोड़ लोगों की संभावना है। ऐसे में हर व्यवसायी चाहता है कि वह महाकुंभ में अपना व्यवसाय शुरू करे, क्योंकि उन्हें कमाई की बड़ी संभावनाएं हैं। मेला क्षेत्र में एक प्रसाद और पूजन सामग्री की दुकान पर गए, जिसका किराया पहले के मुकाबले कहीं अधिक है। 15 बाई 30 की एक जमीन के लिए पहले 3-4 लाख रुपए देने पड़ते थे, लेकिन अब 16 लाख रुपए की बोली लगानी पड़ी है। संगम के पास प्रसाद-माला बेचने की दुकान के लिए भी लगभग समान ही राशि चुकानी पड़ रही है। यहां भी जमीन की मांग पर भारी कीमत पड़ रही है। महाकुंभ के स्थानांतरण और व्यवसायिक मोड के साथ, दुकानदारों को विश्वास और उत्साह से काम करना होगा। इन दुकानों की लोकेशन चुनने पर जानकारों की पूरी तरह से निर्भरता है कि उनका व्यवसाय सफल होगा या नहीं।

किआ इंडिया की सीकेडी वाहन निर्यात दोगुना करने की योजना

नई दिल्ली ।

कारें बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने 2030 तक पूरी तरह से नॉक-डाउन (सीकेडी) वाहन इकाइयों के अपने निर्यात को दोगुना करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी किआ ने बताया कि यह कदम उसकी दीर्घकालिक वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक ऑटोमोटिव आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

कंपनी ने खुलासा किया कि उसने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित विनिर्माण संयंत्र से जून 2020 में शिपमेंट शुरू होने के बाद से 100,000 सीकेडी वाहन इकाइयों का निर्यात पूरा कर लिया है। वर्तमान में, किआ इंडिया किआ कॉर्पोरेशन के वैश्विक सीकेडी निर्यात का 50 प्रतिशत योगदान करती है। यह भारतीय परिचालन की वैश्विक बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। किआ इंडियाने अब तक कुल 367,000 वाहनों का निर्यात किया है। इनमें सेल्टोस, सोनेट और कैरेंस जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। कंपनी का 2024 में लक्ष्य उज्बेकिस्तान, इक्वाडोर और वियतनाम जैसे नए बाजारों में 38,000 से अधिक सीकेडी इकाइयों का निर्यात करना है।

किआ का अनंतपुर प्लांट उन्नत विनिर्माण तकनीकों से लैस है और यह रणनीतिक रूप से प्रमुख बंदरगाहों के पास स्थित है। इससे निर्यात के लिए कुशल और लागत-प्रभावी रसद सुनिश्चित होती है। किआ इंडिया की विकास रणनीति के तहत मध्य पूर्व और अफ्रीका के बाजार महत्वपूर्ण हैं, जहां किफायती और विश्वसनीय वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। किआ ने यह स्पष्ट किया कि सीकेडी निर्यात पर उसका ध्यान घरेलू मांग को पूरा करने की उसकी प्रतिबद्धता के साथ सामंजस्य रखता है।

यह रणनीति भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक साबित होगी।कंपनी के मुख्य बिक्री अधिकारी, जूनसू चो ने कहा, हमारा लक्ष्य 2030 तक सीकेडी निर्यात की मात्रा को दोगुना करना है और मध्य पूर्व और अफ्रीका में अपने पदचिह्न का विस्तार करना है।

उन्होंने भारत सरकार की निर्यात-अनुकूल नीतियों की भी सराहना की और वैश्विक ऑटोमोटिव आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका को मजबूत करने में उनके महत्व को रेखांकित किया।

वर्ष 2032 तक बिजली पारेषण ढांचे पर 9.12 लाख करोड़ खर्च करने की योजना

- 10 साल में 1,91,474 सीकेएम पारेषण लाइन और 1274 जीवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोड़ी जाएगी

नई दिल्ली । देश में 2032 तक बिजली पारेषण बुनियादी ढांचे की क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने कुल 9.12 लाख करोड़ रुपए का योजना बनाई है। बिजली राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने संसद में इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय विद्युत योजना (पारेषण) के अनुसार 10 साल की अवधि में 1,91,474 सीकेएम पारेषण लाइन और 1274 जीवीए ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता जोड़ी जाएगी। इसके साथ ही 33.25 गीगावाट एचवीडीसी बाइ-पोल लिंक की भी योजना है। नाइक ने बताया कि कुल 9,16,142 करोड़ रुपए का खर्च योजना पर होने की संभावना है। परमाणु ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं भी चल रही हैं। 2031-32 तक 7,300 मेगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है, जबकि 31 अक्टूबर, 2024 तक 1,27,050 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता कार्यान्वयन के अधीन है। सरकार ने वर्ष 2022-23 से वर्ष 2031-32 तक देश में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया है।

एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स की बाजार में अच्छी शुरुआत

- लिस्टिंग के पहले दिन निवेशकों को हुआ फायदा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में शुक्रवार को एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स की लिस्टिंग के पहले दिन ही अच्छी शुरुआत हुई। उन निवेशकों को खुशखबरी मिली है जिन्होंने इस कंपनी के आईपीओ में निवेश किया था। इश्यू प्राइस के मुकाबले यह 48 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुई है। एंवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स के आईपीओ को बहुत ही धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला। रिटेल, क्यूआईबी और एनआईआई कैटेगरी में सब्सक्राइब किया गया था और एंकर निवेशकों से भी बड़ी रकम जुटाई गई थी। कंपनी का प्रमुख क्षेत्र वेस्ट-वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट है और इसे खुदरा वॉटर और इंडस्ट्री ऑटोमेटिव सेक्टर में काम करने का विशेष ज्ञान है। कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 और 2024 में काफी अच्छी वृद्धि की गई है, जिससे निवेशकों को भविष्य में भी अच्छी रिटर्न मिल सकते हैं। इस आईपीओ के साथ कंपनी के प्रमोटरों की हिस्सेदारी 72.7 फीसदी तक घटकर 93.66 फीसदी रह गई है, जो कंपनी की विश्वासयों पर और भी सुधार करता है।

सी.एम नीतीश अपने पिता को याद कर हुए भावुक

पुण्यतिथि पर पहुंचे नालंदा के स्मृति वाटिका, मां और पत्नी को भी किया याद

नालंदा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता रामलखन सिंह की 46वीं पुण्यतिथि पर भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के पैतृक गांव नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत कल्याण बिगहा गांव के वैधराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका में आयोजित किया गया, जहां उनका पैतृक निवास स्थित है। नीतीश कुमार ने सबसे पहले गांव के देवीस्थान में पूजा-अर्चना की। उन्होंने देवी-देवताओं को फल और मिठाई का प्रसाद अर्पित किया, जो उनकी परंपरागत धार्मिक भावना का प्रतीक था। इसके बाद वे अपने बेटे निशांत कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ स्मृति वाटिका पहुंचे। स्मृति वाटिका में पहुंचकर नीतीश कुमार ने अपने पिता की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की। यह क्षण उनके लिए अत्यंत भावुक रहा। उन्होंने न केवल अपने पिता को याद किया, बल्कि अपनी माता परमेश्वरी देवी और पत्नी मंजू सिन्हा को भी याद कर भावुक हो गए। राजनीतिक और सामाजिक परिवेश में सक्रिय रहे रामलखन सिंह अपने समय के एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व थे। उनका जीवन और संघर्ष आज भी उनके परिवार और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। वे अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध वैद्य थे। नीतीश कुमार ने अपने पिता की विरासत को जीवंत रखने का प्रयास निरंतर किया है। इस मौके पर मंत्री जमा खान, विधान पार्षद संजय गांधी, ललन सर्राफ, राष्ट्रीय महासचिव ई. सुनील, बिहारशरीफ महागर अध्यक्ष गुलरेज अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ. धनंजय कु.देव, रंजीत कुमार, देवन प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार स्थानीय ग्रामीण और परिवार के सदस्यों की उपस्थिति ने इस श्रद्धांजलि समारोह को और भी अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। नीतीश कुमार की भावुकता और उनके पिता के प्रति सम्मान ने उपस्थित लोगों के हृदय को छू लिया।

बालू घाट पर वाहन ने युवक को रौंदा, मौत

भोजपुर। के चांदी थाना क्षेत्र के जलपुरा गांव मोड़ स्थित दलपत बाबा बांध के पास गुरुवार को वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चांदी थाना क्षेत्र के रामडिहल टोला गांव निवासी 20 वर्षीय विकास कुमार के रूप में हुई है। वह पेशे से मजदूर था और बालू घाट पर ट्रक एवं अन्य गाड़ियों पर बालू लोड करने का काम करता था। इधर, परिजनों ने बताया कि बाइक से चांदी थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव स्थित बालू घाट पर जा रहा था। उसी दौरान जलपुरा गांव मोड़ स्थित दलपत बाबा बांध के पास किसी वाहन ने उसे रौंद दिया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जोकटा गांव के कुछ निवासी जब उधर से गुजर रहे थे तो उन्होंने देख मृत अवस्था मे देख उसकी पहचान की। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उसके परिजन को दी।सूचना पाकर परिजन तुरंत वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।उसके परिवार में मां धर्मशिला कुंवर, पत्नी राधा देवी और दो भाई विशाल कुमार, अंकित कुमार, एक बहन काजल कुमारी है। बता दें कि उसकी शादी इसी साल मई में महीने में हुई थी। घटना के बाद घर में हाहाकार मच गया है। मां धर्मशिला कुंवर, पत्नी राधा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सेक्स वर्कर्स पर फिल्म बनाई, मां बोली-बेटी हाथ से गई

गोवा। में 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस फिल्म फेस्टिवल के लिए देशभर से 100 कलाकार चुने गए, जिसमें 3 युवा कलाकार बिहार के थे। इसमें पटना के अमित राज, औरंगाबाद के निशांत कुमार और पूर्णिया की संध्या भारती शामिल थीं। औरंगाबाद के निशांत ने अपनी इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर हाथ में कैमरा पकड़ लिया। शादियों में फोटो खींचकर अपना पॉकिट खर्च निकालते थे। वहीं, पूर्णिया की संध्या अपनी शॉर्ट फिल्म के लिए सोनागाछी रेड लाइट एरिया भी गईं। उनकी मां कहती थीं कि बेटी हाथ से निकल गई। चैनल में रिपोर्टर की नौकरी छोड़कर एडिटिंग शुरू की। उनके पिता एक ड्राइवर थे। इसके साथ ही पटना के अमित राज ने मुजफ्फरपुर बालिका गृह कांड पर अपनी शॉर्ट फिल्म बनाई। पढ़िए अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में सिलेक्ट 3 बिहारी युवा फिल्मकारों की कहानी औरंगाबाद के सिनेमैटोग्राफर निशांत कुमार (26) ने बताया कि ह्मेंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर फिल्म में अपनी किस्मत आजमाई। 10वीं की परीक्षा देने के बाद मेरे पास कोई लक्ष्य नहीं था। मेरे दोस्त इंजीनियरिंग का एग्जाम दे रहे थे तो लगे हाथ मैंने भी फॉर्म भर दिया। मेरी किस्मत अच्छी थी कि पहले ही अटेम्प्ट में क्वालीफाई कर गया और ITI, छपरा में मेरा एडमिशन हो गया। एडमिशन के बाद मैं कॉलेज में पढ़ाई करने गया तो मेरा मन नहीं लगा। 3 महीने में ही मैंने कॉलेज छोड़ दिया। घर वापस आकर बैठ गया। कुछ दिन बाद मेरी बात अपने दोस्त उज्जवल से हुई। उसने मुझे केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची से मास कम्युनिकेशन के कोर्स करने की सलाह दी। मैंने सिलेबस देखा तो मन में यही बात आई कि बस यही तो करना है। इसमें ही मेरा करियर है। कैमरे के लिए पिता से पैसा मांगने में हो रही थी हिचक निशांत को बचपन से ही कैमरा का शौक था। इसी पैशन को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची में फॉर्म भरा और पहले अटेम्प्ट में क्वालीफाई करके एडमिशन ले लिया। सेकेंड सेमेस्टर में फोटोग्राफी की क्लास के दौरान अपने दोस्त को कैमरा लिए देखकर कैमरा खरीदने का सोचा। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, जिस कारण वह पिता को कैमरा खरीदने की बात कहने में हिचक रहे थे। हिम्मत करके उन्होंने पिता से कैमरा खरीदने की बात कही तो उन्होंने मना कर दिया। हालांकि, बाद में खुद ही पैसे भेज दिए। निशांत ने बताया कि 'कैमरा लेना एक सीढ़ी थी, जिससे एक पहचान मिली। लोग भी उनके खींचे फोटो की तारीफ करने लगे।

महिला दारोगा पर दिव्यांग की पिटाई का आरोप

पूर्णिया। में दिव्यांग युवक और उसके परिजनों ने पुलिस वालों पर पिटाई का आरोप लगाया है। मामला शहर के फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी का है। दिव्यांग का आरोप है कि बाइक के पेपर्स मांगने को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी की महिला दारोगा और पुलिस वालों ने न सिर्फ उसकी बाइक का फाइन काटा बल्कि एक फूस की झोपड़ी में बंदकर उसे थर्ड डिग्री टॉर्चर दिया। वहीं, इन आरोपों को लेकर फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी प्रभारी शबाना आजमी का कहना है कि युवक जुआ खेल रहा था। पकड़ने गए उसने बैड टच किया। अभद्र टिप्पणी और धक्का-मुक्की की। जब कार्रवाई के लिए आगे बढ़ी, तो डर से मारपीट कर झूठे आरोप लगाए। ये आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। शरीर के शरीर पर मारपीट के जख्म वहीं, दिव्यांग के शरीर पर मारपीट के कई ताजे जख्म के निशान हैं। एसपी से पूरे मामले की शिकायत करते हुए दिव्यांग और उसके परिजनों ने पुलिस वालों के खिलाफ आवेदन देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं इस मामले में फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी प्रभारी शबाना आजमी ने एसपी को घटनाक्रम से जुड़ा वीडियो और साक्ष्य देते हुए एसपी से युवक पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।इधर, पिटाई में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसके बाद परिजनों की मदद से उसे इलाज के लिए ऋटउऌ पूर्णिया में एडमिट कराया गया। घायल की पहचान .केहाट थाना क्षेत्र के प्रभात कॉलोनी डॉनर चौक निवासी विनोद चौधरी के बेटे दीपक कुमार चौधरी 30 के रूप में हुई है। वाहन के पेपर्स दिखाने को कहा- पीड़ित पीड़ित दिव्यांग दीपक कुमार चौधरी ने बताया कि वो दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अपने घर की बगल वाली खाली जमीन पर गया था। वहीं, सड़क किनारे मेरी बाइक लगी हुई थी। उसी वक्त वहां आकर डायल 112 की पुलिस गाड़ी रुकी। वैन पर महिला दारोगा फणीश्वर नाथ रेणु, टीओपी प्रभारी शबाना आजमी समेत पुलिस के जवान थे। उन लोगों ने गाड़ी के कागजात दिखाने को कहा। डायल 112 की पुलिस वैन को वाहन चेक करने का अधिकार नहीं है, ये कहते हुए उसने आपत्ति जताई। कागजात में कमी पाई गई। इस पर 3 हजार का चालान काटा गया। जबरन पुलिस वैन में बिठाने का आरोप उसकी महिला दारोगा और वहां खड़े पुलिस के जवानों से कहासुनी हो गई। इसके बाद टीओपी की महिला दारोगा और साथ आए पुलिस के जवानों ने जबरन उसे पुलिस वैन में बिठा लिया। फिर उसे अपने साथ केहाट थाना ले आई। वहां परिसर में बने फूस की झोपड़ी में ले गई। महिला दारोगा शबाना और टीओपी की पुलिस ने थर्ड डिग्री टॉर्चर दिया। इसके बाद पीआर बॉन्ड पर उसे छोड़ा गया। अधिक जख्म होने की वजह से वे पीड़ित दीपक चौधरी को इलाज के लिए GMCH पूर्णिया ले गए। इलाज के बाद दिव्यांग परिजनों के साथ एसपी कार्तिकेय शर्मा के दफ्तर पहुंचा।

महिला दारोगा फणीश्वरनाथ रेणु टीओपी प्रभारी शबाना आजमी समेत पुलिस के जवान के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलीं समस्तीपुर सांसद शांभवी चौधरी

समस्तीपुर। की सांसद शांभवी चौधरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। संविधान का अनुवाद मैथिली में कराए जाने पर उन्हें साधुवाद दिया। इस मौके पर उन्होंने समस्तीपुर के विकास को लेकर भी चर्चा की। बाद में सांसद ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि बिहारवासी होने के नाते हमारे लिए इससे बढ़कर गर्व की बात और क्या हो सकती है कि जिस भाषा और क्षेत्र से कभी माता सीता का संबंध था, आज उसी भाषा में हमारे देश का संविधान पढ़ा जा सकता है। यह एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो न केवल बिहार, बल्कि सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के लिए एक महाकविता जैसा है।सांसद ने प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन लिया। इस मौके पर मैथिली भाषा में भारतीय संविधान की प्रतियों का विमोचन करने पर समस्त बिहार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब संविधान हिंदी अंग्रेजी के साथ ही मैथिली भाषा में भी लोग पढ़ सकेंगे, जिसे मैथिली के जानकारों को बहुत राहत मिलेगी। खासकर ऐसे लोग जिन्हें कोर्ट में अंग्रेजी और हिंदी समझने में परेशानी होती है, वह मैथिली भाषा में इसे समझ सकेंगे। सांसद शांभवी ने कहा कि मैथिली भाषा में भारतीय संविधान की उपलब्धता सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। यह हम सभी के लिए एक नई उम्मीद और प्रेरणा लेकर आया है। यह हमारे सांस्कृतिक समृद्धि और भाषा की ताकत को दुनिया के सामने लाने का एक अवसर है। इस मौके पर उनके साथ दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर मधुबनी के सांसद अशोक यादव भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

तुम्हारी बेटी अब मुसलमान हो गई,जो करना है कर लो

सीतामढ़ी। में एक पिता ने अपनी बेटी को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराने और बेचने की नीयत से अपहरण का आरोप लगाया है। मामला जिले के सुरसंड थाना इलाके का है, जहां के मुस्लिम परिवार पर पिता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता का कहना है कि बेटी की तलाश में जब मैं आरोपियों के घर पहुंचा तो कहा गया कि 'तुम्हारी बेटी अब मुसलमान हो गई है, जो करना है कर लो'। पूरा । पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि आरोपी लड़का आशिक (24) दिल्ली में रहता है। वो अपनी मामी उम्मेद, रुखसाना और रौशनी के यहां सुरसंड आता-जाता था। इसी दौरान रानी, बबलू और उसकी पत्नी रोजी साजिश के तहत मेरी लड़की की आशिक से बातचीत कराया करती थी। इस साजिश में शहनाज और उसके बेटे रेहान और उसकी पुत्री हिना और हिना की चाची गिन्नी खातून के भी शामिल होने की बात कही गई है। ये लोग आशिक और लड़की को मिलने के लिए अपना घर दिया करती थीं। पिता ने इस मामले में 16 लोगों को आरोपी बनाया है। 6 को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। वहीं लड़की ने वीडियो जारी कर कहा है कि उसने अपनी मर्जी से शादी की है। वीडियो में लड़की कह रही है कि जिन लोगों पर भी केस किया गया है, या जिन्हें पकड़ा गया है, उन्हें छोड़ दिया जाए। थाने में पिता की ओर से दिए गए आवेदन के मुताबिक 2 दिन पहले आशिक और जुबैर उनके घर में आए और छिप गए। जुबैर का दूसरा लड़का तौफीक दिल्ली में आशिक के साथ ही रहता है। 26 नवंबर को उनकी बेटी अचानक घर से गायब हो गई। अपहरण का पता चलने पर लड़की के पिता आरोपियों के यहां पहुंचे और लड़की को वापस करने की मांग की, तो गाली-गलौच करके भगा दिया और धमकी दी गई कि उनकी बेटी को अब मुसलमान बना दिया गया है, जो करना है कर लें। 'अपनी मर्जी से शादी की है' पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद लड़की ने अपने प्रेमी के साथ वीडियो जारी किया है। वो इस वीडियो में बता रही है कि हम दोनों प्यार करते थे। मैंने अपनी मर्जी से शादी की है। कोई दबाव नहीं है। साथ ही लड़का का कहना है कि मेरी ऊपर किडनैपिंग के जो केस है वो झूठा है। लड़की खुद शादी करने आई थी, और हम दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं।

ड्यूटी के दौरान शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

किशनगंज। के कोचाधामन थाना क्षेत्र के अंधासुर में पैक्स चुनाव ड्यूटी के दौरान एक शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान टेढ़ागाछ प्रखंड अंतर्गत झाला पंचायत के निवासी अनिल कुमार यादव (42) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है की शिक्षक भोजपुर बलवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय में तैनात थे, और अचानक उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई। बताया गया की अनिल कुमार ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में दर्द की शिकायत के बाद वे बेहोश हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल को सूचित किया। डॉक्टर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को किशनगंज सदर अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है। कुछ दिन पहले से चल रहे थे बीमार मृतक की पत्नी प्रेमलता देवी ने बताया कि सुबह अनिल कुमार अस्वस्थ महसूस कर रहे थे और ड्यूटी पर जाने से पहले उन्होंने खाना खाया था। हालांकि, उनकी तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब थी, इसलिए उन्होंने भतीजे को साथ भेजा था। भतीजे ने फोन कर बताया कि अनिल कुमार बेहोश हो गए हैं। मृतक के भाई विजय कुमार यादव ने बताया कि अनिल 2005 से शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनकी अचानक हुई इस मौत से पूरे परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

बोलेरो ने बाइक सवार को रौंदा; एक की मौत दो जखमी

बेतिया। में गुरुवार देर शाम बहन और भांजी का इलाज करा अपने घर लौट रहे बाइक सवार युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। जिसमें मौके पर ही उसकी भांजी की मौत हो गई। जबकि बहन और भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नरकटियागंज-रामनगर मुख्य मार्ग स्थित चमुआ गाव के पास की है। इलाज के दौरान हुई मौत हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय लोगों के मदद से दोनों घायलों को इलाज के आनन-फानन में अस्पताल भेज मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि मृत बच्ची की पहचान गौनाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत सीठी गाव निवासी सत्येंद्र गुरो की तीन वर्षीय पुत्री शिवांशी कुमारी के रूप में की गई है। जबकि घायलों की पहचान में रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार बखरी गांव निवासी आकाश कुमार और उसकी बहन काजल कुमारी के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस शुक्रवार सुबह मृत बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दी है।

1068 पीस अवैध कफ सिरप के साथ तस्कर गिरफ्तार

मधेपुरा। मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में कोडिनयुक्त कफ सिरप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। बहुत दिनों के मद्य निषेध विभाग ने इतनी बड़ी मात्रा में अवैध कफ सिरप बरामद किया है। मद्य निषेध एवं उत्पाद अधीक्षक विपीन कुमार ने बताया कि नशीली पदार्थों के तस्करी में संलिप्त तस्करों पर लगाम लगाने के लिए विभाग की ओर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभाग को सूचना मिली कि सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत झिटकिया वार्ड पांच स्थित एक घर में अवैध कफ सिरप को स्टॉक किया गया है। सूचना का सत्यापन कर जब उक्त घर में छापेमारी की गई तो वहां से तस्कर मो. शाकिर उर्फ मो. इफ्तेखार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर इनके घर के पीछे गड्ढे में छिपाकर में रखे गए 1068 पीस विस्कॉफ अवैध कफ सिरप बरामद किया गया। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि मामले में कार्रवाई की जारी है। इसमें शामिल अन्य को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हरियाणा में मारा गया बिहार का कुख्यात सरोज राय

विधायक से मांगी थी रंगदारी; 30 केस थे, 2 लाख का इनामी गैंगस्टर रखता था AK-56

समस्तीपुर। बिहार का कुख्यात 26 साल का गैंगस्टर सरोज राय हरियाणा में मारा गया है। हरियाणा के गुरुग्राम के बाढ़ गुर्जर पुलिस चौकी क्षेत्र में आज सुबह 4 बजे एनकाउंटर में बिहार एसटीएफ और हरियाणा पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन ढेर हो गया। बिहार एसटीएफ को सरोज के हरियाणा में छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की टीम के साथ मिलकर कार्रवाई गई है। इस मुठभेड़ में एसटीएफ के एक जवान को भी गोली लगी है, उनका इलाज चल रहा है। सरोज राय सीतामढ़ी का 2 लाख का इनामी अपराधी था। सरोज पर 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसने रून्नीसैदपुर से जदयू विधायक पंकज कुमार मिश्रा से रंगदारी मांगी थी और पैसा नहीं देने पर विधायक और उनके परिवार की हत्या की धमकी दी थी। जिसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। सरोज राय की जानकारी देने वाले को बिहार पुलिस की ओर से दो लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई थी। मुठभेड़ उस वक्त शुरू हुई जब सरोज राय गुरुग्राम के बाढ़ गुर्जर पुलिस चौकी के क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर सवार होकर कहीं जा रहा था। पुलिस ने नाके पर उसे रुकने का इशारा किया तो उसने गोली चला दी। जब पुलिस ने क्रॉस फायरिंग की तो वह घायल हो गया। बदमाश के साथ बाइक पर एक और साथी था, जो मौका देखकर फरार हो गया। गोली लगने के बाद घायल गैंगस्टर (26) को सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना आज सुबह 4 बजे के आसपास की बताई जा रही है। नवनियुक्त DCP क्राइम राजेश फोगाट के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। कुख्यात सरोज राय सीतामढ़ी के महिन्दवारा थाना क्षेत्र के बतरौली गांव का रहने वाला था। उसके खिलाफ सीतामढ़ी जिले के अलग-अलग थानों में हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट जैसे 30 से अधिक संगीन मामले दर्ज है। जनवरी 2019 में सरोज के गुर्गे के पास से AK-56 बरामद किया गया था। इसी AK-56 से सरोज राय और उसके शार्गिदों को महिन्दवारा थाना क्षेत्र के कुंडल में सड़क निर्माण कर रही कंपनी के मुंशी की गोलियों से भून कर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पुलिस ने AK-56 बरामद किया और सरोज राय को बिहार एसटीएफ की मदद से नागालैंड भागने के दौरान पूर्णिया से गिरफ्तार किया था। इससे पहले साल 2014 में शहर के बड़े दवा व्यवसायी यतींद्र खेतान की रंगदारी नहीं देने पर हत्या की थी, जिसके बाद पहली बार वह सुर्खियों में आया था। उससे भी पहले ये रंगदारी नहीं देने वाले करीब 6 कारोबारियों को अपनी गोली का निशाना बना चुका था। विधायक से रंगदारी मांगने के बाद पुलिस की हिट लिस्ट में था हाल ही में विधायक से रंगदारी मांगने के बाद वो एक बार फिर पुलिस की हिट लिस्ट में आ गया था।

पहले भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी: अनन्या पांडे

हाल ही में ट्रोलिंग और सोशल मीडिया नफरत पर अभिनेत्री अनन्या पांडे ने खुलकर बात की है। अनन्या ने एक शो में इस मुद्दे पर अपने अनुभव साझा किए। अनन्या ने कहा कि ट्रोलिंग और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझते हुए, उन्होंने थेरेपी सेशन लिया था।

उन्होंने बताया, मैंने पहले थेरेपी ली है, अब उतनी नियमित नहीं रहती। मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मुश्किल होती थी, और मैं बहुत उदास रहती थी। सोशल मीडिया के साथ कभी-कभी ऐसा लगता था कि आप कुछ पढ़ते हैं और आपको यह एहसास नहीं होता कि यह आपको प्रभावित कर रहा है, क्योंकि आप सोचते हैं कि मैं ठीक हूँ, लेकिन बाद में यह आपके अवचेतन में गहरे बैठ सकता है। इसके बाद, अनन्या ने बताया कि थेरेपी के माध्यम से वह अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त करने और मानसिक संतुलन बनाने में सक्षम हो पाई हैं।

ट्रोलिंग और फर्जी खबरों से निपटने के बारे में अनन्या ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मेरे बारे में बहुत कुछ कहा गया है, इसलिए मुझे एक खास पल याद नहीं आता। लेकिन कभी-कभी जब मैं किसी कहानी को नियंत्रित नहीं कर पाती, तो मुझे गुस्सा आता है। जब मैंने शुरुआत की थी, किसी ने एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और यह दावा किया कि वे मेरे साथ स्कूल में थे, और मुझे लेकर झूठे आरोप लगाए थे। पहले मुझे लगा कि लोग इस पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन कुछ समय बाद यह सच में वायरल हो गया। अनन्या ने यह भी बताया कि स्कूल के दिनों में उन्हें कई बार शारीरिक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जैसे कुबड़ा, सपाट छाती, चिकन लेग, लेकिन अब सोशल मीडिया के कारण ऐसे आलोचनात्मक टिप्पणियां और आक्रमण कहीं अधिक प्रभावी हो जाते हैं। काम की बात करें तो अनन्या पांडे आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिनमें द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर, चांद मेरा दिल, दरबदर और रन फॉर यंग शामिल हैं। अनन्या पांडे का यह साक्षात्कार इस बात को उजागर करता है कि सोशल मीडिया की दुनिया में भले ही ग्लैमर और प्रसिद्धि हो, लेकिन इसके साथ आने वाली मानसिक चुनौतियों और ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है। बता दें कि अभिनेत्री अनन्या पांडे को सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोल किया गया है, और उनके बयान भी कई बार आलोचना का शिकार बने हैं।

पुष्पा -2 पहुंचेगी 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज से पहले ही एक और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आ रही है, जो पुष्पा 2 को चुनौती दे सकती है। वह फिल्म है सिद्धार्थ की मिस यू, जो 29 नवंबर को रिलीज हो रही है, जबकि पुष्पा- 2 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी। हाल ही में मिस यू के एक प्रेस मीट में जब सिद्धार्थ से पूछा गया कि क्या वह पुष्पा 2 के साथ क्लैश को लेकर चिंतित हैं, तो उन्होंने बिना घबराए जवाब दिया, हमें इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि पुष्पा 3 के मेकर्स को इस बारे में सोचना चाहिए। सिद्धार्थ ने कहा कि सबसे अहम बात यह है कि उनकी फिल्म अच्छी हो और दर्शकों को पसंद आए। सिद्धार्थ ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, जहां तक पुष्पा 2 का सवाल है, हमें इसकी चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर फिल्म अच्छी है, तो वह दर्शकों के दिलों में जगह बना लेगी, खासकर आजकल के सोशल मीडिया युग में जब सभी को यह पता होता है कि कौन सी फिल्म अच्छी है। उन्होंने मिस यू पर पूरी तरह से विश्वास जताया और उम्मीद जताई कि पुष्पा 2 का उनकी फिल्म पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मिस यू एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें सिद्धार्थ और आशिका रंगनाथ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक प्रेम कथा पर आधारित है और इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में नयनतारा

मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा हाल ही में रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल को लेकर चर्चा में हैं। एक समय ऐसा भी था जब नयनतारा को अपने वजन के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया था। यह घटना साल 2005 की है जब नयनतारा फिल्म गजनी में नजर आई थीं। फिल्म के रिलीज के बाद, नयनतारा को उनके वजन को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। ट्रोलर्स ने उन्हें कहा कि वह फिल्म के लिए फिट नहीं थीं, और उनके वजन का मजाक उड़ाया। इस ट्रोलिंग ने नयनतारा को काफी दुखी किया था। नयनतारा ने इस बारे में कहा था कि उन्होंने वही किया था जो डायरेक्टर ने उनसे करने को कहा था, लेकिन इन टिप्पणियों को पढ़कर उन्हें बहुत बुरा लगता था। इसके बाद, 2007 में जब नयनतारा ने फिल्म बिल्ला में बिकनी पहनकर एक सीन किया, तो उसे भी ट्रोल किया गया। नयनतारा ने इस बारे में कहा कि उन्होंने वह सीन सिर्फ डायरेक्टर के कहने पर किया था, न कि किसी को कुछ साबित करने के लिए। हालांकि, इन मुश्किलों के बावजूद नयनतारा ने हार नहीं मानी और आज वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर और टॉप एक्ट्रेसेस में से एक बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है और लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं। इसके अलावा, नयनतारा और धनुष के बीच के विवाद ने भी मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

मनीषा कोइराला ने की आईएफएफआई में शिरकत

बालीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने गोवा में चल रहे 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत की। मनीषा ने इस दौरान कहा कि अभिनेत्री रह चुकी हैं शब्द उनके लिए काफी दर्दनाक और आहत करने वाला है। मनीषा ने फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी के साथ बिग स्क्रीन से स्ट्रीमिंग तक सत्र के दौरान कहा, यह शब्द अक्सर महिला कलाकारों के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन ओटीटी ने इस सोच को बदल दिया है। इस दौरान उन्होंने सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म के भविष्य और वरिष्ठ कलाकारों पर इसके प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने नीना गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए कहा कि आज ओटीटी प्लेटफॉर्म ने उम्र और लिंग के बंधनों को तोड़ते हुए नई संभावनाएं दी हैं। मनीषा ने हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' से ओटीटी पर डेब्यू किया। इसमें उन्होंने एक वेश्यालय की मालकिन मल्लिकाजान की भूमिका निभाई, जो दर्शकों के बीच खूब सराही गई। इस सीरीज में उनके साथ सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, और ऋचा चड्ढा जैसे कलाकार नजर आए। मनीषा ने इससे पहले भंसाली के साथ फिल्म 'खामोशी- द म्यूजिकल' में काम किया था, जो उनकी शुरुआती चर्चित फिल्मों में से एक थी। अब वह 'हीरामंडी' के दूसरे सीजन में भी नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। 'हीरामंडी' से पहले मनीषा कार्तिक आर्यन और कृति सेनन की फिल्म 'शहजादा' में उनकी मां के किरदार में दिखी थीं।

इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा कृति सेनन

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में शिरकत करते हुए बॉलीवुड अदाकारा कृति सेनन ने नेपोटिज्म और फिल्म इंडस्ट्री में बाहरी लोगों के संघर्ष पर अपनी राय साझा की। कृति ने कहा, इंडस्ट्री ने मुझे हमेशा गर्मजोशी से स्वीकारा है। लेकिन जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं होते, तो आपके लिए वहां पहुंचना थोड़ा मुश्किल होता है। आपको अपनी काबिलियत साबित करने और अपनी जगह बनाने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि फिल्मी पृष्ठभूमि न होने के कारण किसी व्यक्ति के लिए अपने सपनों के अवसर पाने में अधिक समय लगता है। पत्रिकाओं के कवर पर दिखने से लेकर बड़ी फिल्में पाने तक, सब कुछ मेहनत से ही संभव होता है। हालांकि, अगर आप अपनी कड़ी मेहनत और लगन से काम करते रहें, तो आपको कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने नेपोटिज्म पर इंडस्ट्री के साथ-साथ मीडिया और दर्शकों की भूमिका को भी रेखांकित किया। कृति ने बताया कि स्टार किड्स को बढ़ावा देने में दर्शकों और मीडिया की रुचि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री अकेले नेपोटिज्म के लिए जिम्मेदार नहीं है। मीडिया और दर्शकों का योगदान भी इसमें है। दर्शकों की रुचि के कारण मीडिया स्टार किड्स पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे इंडस्ट्री को लगता है कि दर्शकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए फिल्में बनानी चाहिए। यह एक चक्र है। हालांकि, प्रतिभा हमेशा अपनी जगह बनाती है। अगर आप दर्शकों के साथ जुड़ नहीं पाते, तो चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से हों, टिक पाना मुश्किल है। काम की बात करें तो कृति को हाल ही में दो पत्ती में काजोल और शहीर शेख के साथ डबल रोल निभाते हुए देखा गया।

2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी अनुराग की डेब्यू फिल्म पांच

बालीवुड के फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की पहली फिल्म पांच आखिरकार 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निर्माता टूटू शर्मा ने बताया कि फिल्म पर लगे प्रतिबंध और इसके नेगेटिव के खराब होने के कारण इसे अब तक रिलीज़ नहीं किया जा सका। निर्माता शर्मा ने कहा, हम अगले छह महीनों में पांच को सिनेमाघरों में लाने की योजना बना रहे हैं। नेगेटिव की मरम्मत का काम चल रहा है, और जैसे ही यह प्रक्रिया पूरी होगी, फिल्म रिलीज़ कर दी जाएगी।पांच को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ लंबे विवाद का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अब इन मुद्दों का समाधान हो चुका है। शर्मा ने भरोसा जताया कि मौजूदा दौर में पुरानी फिल्मों की दोबारा रिलीज़ का चलन और दर्शकों की रुचि पांच को सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा, पांच अनुराग कश्यप की अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है। के के मेनन और तेजस्विनी कोल्हापुरी सहित पूरी कास्ट ने असाधारण प्रदर्शन किया है। एक बार इसे देखने के बाद दर्शक भी इस बात से सहमत होंगे। फिल्म में के के मेनन, आदित्य श्रीवास्तव, विजय मौर्य, जॉय फर्नांडिस और तेजस्विनी कोल्हापुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसका कथानक 1976-77 में पुणे में हुई जोशी-अभयंकर हत्याओं पर आधारित है। फिल्म नशीली दवाओं के दुरुपयोग, हिंसा और अभद्र भाषा के चित्रण के कारण विवादों में रही और सीबीएफसी से मंजूरी मिलने में समय लगा। हालांकि, उत्पादन से जुड़ी बाधाओं के कारण इसकी रिलीज़ बार-बार टलती रही।

मास्टर क्लास के दौरान दर्शकों का दिल जीत लिया अनुपम खेर ने

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मास्टर क्लास के दौरान 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में दर्शकों का दिल जीत लिया। इस दौरान अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, कल आईएफएफआई में मेरी मास्टर क्लास के बाद दर्शकों में से किसी महाशय ने एविटंग के जंगल में शेर रहते हैं, सुना है उसे अनुपम खेर कहते हैं फरमाया! जय हो! मजा आया और अच्छा लगा! कुछ भी हो सकता है! इसके साथ उन्होंने #धन्यवाद, #असफलता की शक्ति हैशटैग भी लिखा। अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और हाल ही में उन्होंने सिंगर सोनू निगम और एमएम कीरावनी के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट में अनुपम ने अपनी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के गीत तन्वी द ग्रेट सॉन्ग के लिए सोनू निगम को धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, डियर सोनू निगम! मेरी निर्देशित फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का सबसे महत्वपूर्ण गाना गाने के लिए धन्यवाद। अनुपम खेर स्टूडियो भाग्यशाली है कि हमारी फिल्म में आपकी जादुई आवाज और ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी सर के भावपूर्ण संगीत की शानदार केमिस्ट्री है। आप हमारे प्यार और दृढ़ संकल्प की कहानी के लिए भगवान का उपहार हैं! अनुपम खेर ने 2002 में 'ओम जय जगदीश' फिल्म का निर्देशन किया था और अब वह एक बार फिर निर्देशन में वापसी करने जा रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' जुनून, साहस और मासूमियत की एक म्यूजिकल स्टोरी है, जिसमें कई नामी हस्तियां जुड़ी हुई हैं। इस फिल्म के गीतकार कौसर मुनीर हैं और इसमें कृति महेश (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर) और सुनील रोड्रिग्स ('जवान' के एक्शन निर्देशक) जैसे बड़े नाम भी जुड़े हैं। फिल्म का निर्माण अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है। अनुपम खेर की मास्टर क्लास और उनकी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के प्रति उनके उत्साह ने साबित कर दिया है कि वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक सशक्त निर्देशक भी हैं।

रश्मिका और विजय की मुलाकात की तस्वीरें वायरल

हाल ही में, एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को एक लंच डेट पर देखा गया, और इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि, रश्मिका ने अपनी एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह लंच करते हुए नजर आ रही थीं, और उन्होंने उसी ब्लू टॉप को पहना था, जो उन्होंने विजय के साथ लंच डेट पर पहना था। यह तस्वीर वायरल हो जाने के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि दोनों एक साथ लंच डेट पर गए थे। रश्मिका ने अपनी तस्वीर के साथ गुड फूड कैप्शन लिखा, जो उस समय की खुशी और उस लंच डेट का आनंद व्यक्त कर रहा था। इसके बाद विजय देवरकोंडा ने एक इंटरव्यू में भी यह स्वीकार किया कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह कौन है। विजय ने यह भी कहा कि वह एक मजबूत दोस्ती से पहले किसी रिश्ते में नहीं आते, और 35 साल की उम्र में यह सामान्य है कि वह अकेले नहीं रहेंगे।

उनकी यह बात उस विचारधारा को प्रकट करती है कि रिश्ते की शुरुआत मजबूत दोस्ती से होनी चाहिए, क्योंकि यह एक स्थिर और स्वस्थ रिश्ते का आधार होता है। रश्मिका के लिए, यह समय फिल्मी करियर के लिहाज से भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह जल्द ही पुष्पा- द रूल में नजर आएंगी, जो 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हो रही है। दूसरी ओर, विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो उनके फैंस के लिए एक नई फिल्म का इंतजार है।

बता दें किरश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रिलेशनशिप के बारे में अफवाहें काफी समय से चल रही थीं, और हाल ही में इन अफवाहों ने और जोर पकड़ा है। दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है, और उनकी मुलाकातों को लेकर मीडिया में कई रिपोर्ट्स आती रही हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया था, जिससे उनके प्रशंसकों और मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जाती रही थीं।

एडीलेड में पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी टीम इंडिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम 6 दिसंबर से एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। गुलाबी गेंद से खेले जाने वाला यह मैच दिन-रात वाला होगा। भारतीय टीम ने अब तक गुलाबी गेंद से चार टेस्ट खेले हैं जिसमें से उसे 3 में जीत मिली है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को जिस एक दिन-रात वाले टेस्ट में हार मिली है वो ऑस्ट्रेलिया में ही एडिलेड में खेला गया था। वहीं इस बार भी दूसरा टेस्ट इसी स्थल पर खेला जाएगा। ऐसे में इस बार भारतीय टीम इस बार उस हार का बदला लेना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपना पहला दिन-रात टेस्ट मैच साल 2019 में खेला था। कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में खेले गए इस दिन-रात के टेस्ट में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को एक पारी और 46 रन से हराया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जबकि तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कुल 9 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम ने अपना दूसरा दिन-रात का टेस्ट साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। एडिलेड में 17 दिसंबर से खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2021 में टीम इंडिया ने अपना तीसरा दिन-रात का टेस्ट खेला। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस टेस्ट मैच में भारत ने 10 विकेट से जीत दर्ज की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं भारतीय टीम ने अपना चौथा डे नाइट टेस्ट मैच श्रीलंका के खिलाफ साल 2022 में खेला था। बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल गए इस टेस्ट में भारत ने 238 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

आईपीएल के बाद अब महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन की बारी, जानें आगामी सीजन की नीलामी की पूरी जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत अगले साल 23 फरवरी से होने वाली है। वहीं आगामी टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी अगले महीने 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसके लिए बीसीसीआई ने लीग की पांचों फ्रेंचाइजी को इससे जुड़ी वेन्यू और तारीख के बारे में इनफॉर्म कर दिया है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 फरवरी को महिला प्रीमियर लीग का आगाज होगा। मुकाबले दो शहरों बेंगलुरु और दिल्ली में खेले जाएंगे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिनी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। नीलामी में 19 स्थान यानी 14 भारतीय और 5 विदेशी के लिए बोली लगेगी। जिसमें टीमें 16.7 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं।

हर टीम के पास 18 खिलाड़ी होते हैं और टीमें 15 करोड़ तक खर्च कर सकती हैं। हर स्क्वॉड में ज्यादा से ज्यादा 6 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति है। रिटेंशन के बाद गुजरात जायंट्स के पास 4.4 करोड़ रुपये का अधिकतम पर्स है, जिसमें चार स्लॉट भरने हैं। लीग के शुरुआती 11 मैच बेंगलुरु खेले जाएंगे। सीजन का पहला मैच मुंबई और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम 15 और 17 मार्च को क्रमशः एलिमिनेटर और फाइनल सहित अंतिम 11 मुकाबलों की मेजबानी करेगा।

शुभमन गिल अंगूठे की चोट से उबरकर नेट्स पर लौटे, कहा- रिकवरी अपेक्षा से बेहतर रही

कैनबरा (एजेंसी)। अंगूठे की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट से बाहर रहे शुभमन गिल ने फिट होने के बाद शुक्रवार को भारतीय टीम के साथ नेट्स पर अभ्यास किया। पहले टेस्ट में गिल की कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। पिछले दौरे पर उनके शानदार फॉर्म को देखते हुए हालांकि टीम को उसकी जरूरत है।

शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने नेट्स पर यश दयाल और आकाश दीप की गेंदों का सामना किया। भारत को कल से ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलना है। गिल ने अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मैं देख रहा था कि चोट से कितना उबर गया हूं। किसी तरह की सूजन तो नहीं है लेकिन मैंने और कमलेश भाई (कमलेश जैन, फिजियो) की अपेक्षा से बेहतर रिकवरी है। मैं बहुत खुश हूं।'

पहले टेस्ट से बाहर रहने से निराश गिल ने कहा, 'हर गेंद को बल्ले से पीटने का अनुभव शानदार होता है और मैं उसी के लिए खेलता हूं। जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक रहे।' उन्होंने कहा, 'पर्थ में हमने पिछली बार 2020-21 के दौरे पर नहीं खेला था। यह शानदार मैदान है और टीम के प्रदर्शन से मैं काफी खुश था।'

गिल की गैर मौजूदगी में तीसरे नंबर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल प्रभाव नहीं छोड़ सके। गिल हालांकि शीर्ष क्रम की बजाय मध्यक्रम में उतर सकते हैं क्योंकि रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में केएल राहुल ने पारी की शुरूआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित अब यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे जिससे राहुल तीसरे और गिल पांचवें नंबर पर उतर सकते हैं।

रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है, स्मिथ ने भारतीय गेंदबाज को बताया फुल पैकेज

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तानी करते हुए बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और 'प्लेयर आफ द मैच' चुने गए।

स्मिथ ने कहा, 'उसके रनअप की शुरूआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैंने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है।'

पहले टेस्ट की पहली पारी में स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैंग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है।

स्मिथ ने कहा, 'वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेमियन मार्टिन ने कहा, 'वह टर्मिनेटर है। उसे अपनी ताकत पता है और वह बल्लेबाज की कमजोरियां ढूंढ लेता है। उसका रनअप लंबा नहीं है लेकिन वह काफी चतुराई से गेंदबाजी करता है।'

दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज यानसन ने लिए सात विकेट, श्रीलंका 42 पर सिमटी

डरबन । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी घातक गेंदबाजी की है। आईपीएल 2025 ऑक्शन में 7 करोड़ में बिके यानसन ने केवल 13 रन देकर सात विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को पहली पारी में केवल 42 रनों पर ही समेट दिया। यानसेन को आईपीएल ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा है। इससे पहले मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपनी पहली पारी में 191 रन बनाये थे। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 13.5 ओवर में ही आउट हो गयी। यह श्रीलंका के टेस्ट इतिहास का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका का सबसे कम स्कोर 71 रन था जो उसने पाकिस्तान के खिलाफ 1994 में कैंडी में बनाया था। साल 2006 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को कैंडी में ही 73 रनों पर समेट दिया था जबकि इंग्लैंड ने 2001 में कोलंबो में श्रीलंका को 81 रन पर आउट किया था। यानसेन तेज गेंदबाजी करने के साथ साथ निचले ऑर्डर में आकर बड़े बड़े शॉट खेलते हैं। यानसेन ने हाल में भारत के खिलाफ खेले गए 4 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। इसी को देखकर पंजाब किंग्स ने इस गेंदबाज को 7 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : दिल्ली के सभी खिलाड़ियों ने गेंदबाजी कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और मणिपुर के बीच खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के ग्रुप सी में मैच में एक अनौखा विश्व रिकार्ड बनाया। इस मैच में दिल्ली की ओर से से सभी 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की। यहां तक कि विकेटकीपर आयुष बदोनी ने भी गेंदबाजी की। आयुष टीम के कप्तान भी हैं। इस मैच में 11 के 11 खिलाड़ियों में किसी ने अपनी सभी ओवर नहीं किये। हर्ष त्यागी, दिग्वेश राठी और मयंक रावत ने तीन-तीन ओवर किए, जबकि आयुष सिंह, अखिल चौधरी और आयुष बदोनी ने दो-दो ओवर किए। वहीं आर्यन राणा, हिम्मत सिंह, प्रियांश आर्या, यश धुल और अनुज रावत ने एक-एक ओवर फेंका।

मणिपुर ने इस मैच में 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन बनाए। 41 रनों के अंदर ही मणिपुर ने अपने छह विकेट खो दिए थे। इसके बाद कप्तान रेक्स राजकुमार, और विकेटकीपर अहमद शाह ने मिलकर मणिपुर को संभालने का प्रयास किया। अहमद ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। वहीं उलेनयई ने 19 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज सस्ते में निपट गये।

मणिपुर की ओर से निचले क्रम के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 100 रन के ऊपर पहुंचाया। ये टी20 में पहली बार है जब किसी टीम की ओर से 11 के 11 खिलाड़ियों ने गेंदबाजी की हो और अब यह विश्व रिकॉर्ड दिल्ली के नाम दर्ज हो गया है।

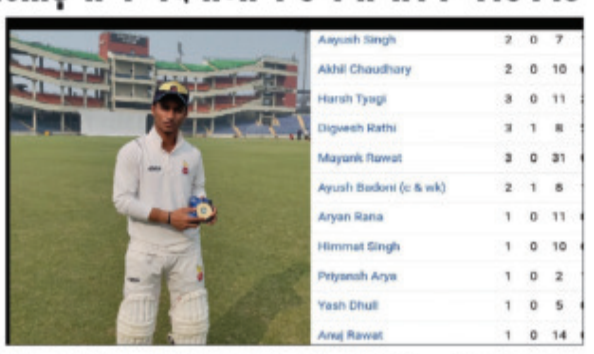

Aayush Singh	2	0	7
Akhil Chaudhary	2	0	10
Harsh Tyagi	3	0	11
Digvesh Rathi	3	1	8
Mayank Rawat	3	0	31
Ayush Badoni (c & wk)	2	1	8
Aryan Rana	1	0	11
Himmat Singh	1	0	10
Priyansh Arya	1	0	2
Yash Dhull	1	0	5
Anuj Rawat	1	0	14

विराट का दिन रात के मैचों में 46.16 रहा है बल्लेबाजी औसत

एडीलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से एडीलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला ये मैच दिन-रात का होगा। इस मैच से पहले ही विराट के शानदार शतक से साफ है कि वह फार्म में आ गये हैं। विराट कोहली ने एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले भी एक टेस्ट मैच खेले था जिसमें उन्होंने पहली पारी में 74 रन बनाए हैं जबकि दूसरी पारी में 4 रन बनाए। दिन-रात के चार टेस्ट मैचों में कोहली के नाम कुल 277 रन हैं जिसमें उनकी बल्लेबाजी औसत 46.16 रहा है। विराट ने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2019 में खेले गए दिन-रात के टेस्ट मैच में 136 रन की पारी खेली थी। यह गुलाबी गेंद से हुआ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला गया था। भारत ने इस टेस्ट को पारी के अंतर से जीता था। इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच में कोहली ने 27 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उनकी बल्लेबाजी नहीं आयी। वहीं बैंगलोर में श्रीलंका के खिलाफ खेले दिन-रात के टेस्ट मैच में विराट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 13 रन बनाए। विराट पर्थ वाली लय को एडिलेड में भी बनाये रखना चाहेंगे। उन्होंने टेस्ट करियर का 30वां शतक लगाया जबकि अंतरराष्ट्रीय करियर का ये 81 वां शतक था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 26 टेस्ट मैच खेल हैं जहां उन्होंने 2147 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें 9 टेस्ट शतक भी लगाये हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार शटलर पीवी सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के महिला सिंग्लस में अपनी हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाप दूसरे कौर के मुकाबले में 21-10, 12-21, 21-15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।

सिंधू पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रही हैं और उन्होंने पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। ये 29 वर्षीय भारतीय अगले दौर में चीन की दुनिया की 118वें नंबर की खिलाड़ी डाइ वैंग से भिड़ेंगी। वैंग ने दूसरे दौर में भारत की देविका सिहाग को 19-21 21-18 21-11 से हराया।

शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने हालांकि, पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में इजराइल के दानिल डुबोवेंको के खिलाफ सीधे गेम में 35 मिनट में 21-14 21-13 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। लक्ष क्वार्टर फाइनल में मेइराबा लुवांग के खिलाफ खेलेंगे जिन्होंने आयरलैंड के छठे वरीय एनहाट एनगुएन को 21-15 21-13 से हराया।

पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के होह जस्टिन को 21-12 21-19 से हराया जबकि तीसरे वरीय किरण जॉर्ज को जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 21-19 20-22 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत के दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भई वियतनाम के ली डुक फाट को 2115 21-8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जयशंकर भी हैं विराट के प्रशंसक

नई दिल्ली । विदेश विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रशंसक हैं। जयशंकर ने दिग्गज क्रिकेटर मोहिंदर अमरनाथ की आत्मकथा 'फियरलेस' का विमोचन करने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मैं जिस क्रिकेटर का खेल देखना पसंद करता हूं वह विराट हैं। जिस जूनुन के साथ वह खेलते हैं और प्रदर्शन करते हैं वह शानदार है। मुझे लगता है कि युवाओं को उनसे बहुत कुछ सीखना चाहिए। ऑलराउंडर अमरनाथ ने साल 1983 में भारत को विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। जयशंकर ने कहा, ' मेरे लिए पूरी दुनिया मेरे पीछे आने वाले तेज गेंदबाजों का एक समूह है। मैं अपने साथियों को भी यही सलाह देता कि जल्दी आगे बढ़ो, देर से खेलो, अच्छी तरह से तैयारी करो, उन्हें समझो और फिर खेलो।' साथ ही साथ कहा कि जैसा अमरनाथ ने पाकिस्तान और 1982-83 के दौरे के बारे में कहा है। जयशंकर ने कहा कि आपने कहा कि आपने उन्हें अच्छे तरीके से खेला क्योंकि पारंपरिक स्थिति में आप पाकिस्तान के सामने खुलकर खेलते हैं। अमरनाथ ने 1969 से लेकर 1989 तक अपने क्रिकेट करियर में 69 टेस्ट मैचों में 4,378 रन बनाए जबकि 85 एकदिवीसय में उनके नाम 1,924 रन दर्ज हैं। उन्होंने 1983 विश्व कप विजेता टीम और भारत की वर्तमान क्रिकेट टीम की तुलना की। इस अवसर पर महान ऑलराउंडर कपिल देव और मोहिंदर अमरनाथ के भाई राजिंदर अमरनाथ भी मौजूद थे। अगरनाथ ने इस दौरान युवा सलामी बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल की जमकर सराहना की। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शतक लगाया है।

पृथ्वी को कई मायनों में गलत समझा गया : पार्थ जिंदल

-कैरियर को पटरी पर लाने कड़ी मेहमन करनी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा है कि पृथ्वी शॉ वह एक शानदार बच्चा है पर उसे कई मायनों में गलत समझा गया। साथ ही कहा कि जब आप अपनी पूरी जिंदगी यही सुनते हुए बड़े होते हैं कि आप बहुत खास हैं, सबसे प्रतिभाशाली हैं। आपकी ब्रायन लारा या दिगगज सचिन तेंदुलकर से तुलना की जाती है, तो यह दबाव पैदा करता है। अब मेगानीलामी में नहीं बिकना उसके लिए एक बड़ा झटका है। जिसकी शायद उसको जरूरत थी।' शॉ 2018 में अपनी कप्तानी में अंडर 19 टीम को विश्व चैंपियन बनाने के बाद से ही दिल्ली कैपिटल्स टीम में रहे थे। उन्हें दिल्ली ने तब 1.2 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। 2022 में नीलामी से पहले उन्हें दिल्ली ने 7.5 करोड़ में रिटेन किया पर पिछले कुछ साल में उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है।

जिंदल ने कहा कि पृथ्वी शॉ को अ अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। इसके लिए उन्हें अनुशासन को भी बनाए रखना होगा। उसे गेम में वापस आने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इससे पहले वह आईपीएल में अच्छे अनुबंध पर था। वह दिल्ली के लिए पारी की शुरुआत करता था। मैं उम्मीद करता हूं कि वह वापसी में सफल रहेगा और उसी पृथ्वी को हम दोबारा देख पाएंगे जिसे हम जानते हैं। पृथ्वी इस झटके को अपने लिए इसे वेकअप कॉल की तरह ले सकता है. जो उसके क्रिकेट करियर को ट्रैक पर ला सकता है। पृथ्वी शॉ ने आईपीएल 2024 के पिछले सत्र के 8 मैचों में केवल 198 रन बनाए थे। इसी कारण दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 2025 नीलामी से पहले ही उन्हें बाहर कर दिया था। इसके बाद मेगा नीलामी में उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा।

पुणे में मैच के दौरान हुई क्रिकेटर की मौत

नई दिल्ली । क्रिकेट मैच के दौरान एक और क्रिकेटर की मौत का मामला सामने आया है। पुणे में बुधवार रात खेले गए मैच में 35 साल के इमरान पटेल की सीने में दर्द उठने के बाद मौत हो गई। लीग मैच में पटेल पारी की शुरुआत कर रहे थे। कुछ ओवर खेलने के बाद उन्होंने अंपायर से सीने में दर्द की शिकायत की। इसके बाद वह पवेलियन की ओर जाने लगे पर बीच में ही मैदान में गिर गये। पटेल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं क अन्य क्रिकेटर नासिर खान ने कहा कि इमरान पटेल को कोई बिमारी नहीं थी पर उनकी मौत से स्तब्ध हैं। मृत क्रिकेटर के परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। उनकी सबसे छोटी बेटी केवल 4 महीने की है। पटेल रिलय एस्टेट का कारोबार करते हैं। इमरान की मौत ठीक उसी तरह से हुई जिस तरह से हबीब शेख ने कुछ समय पहले मैच खेलते हुए दम तोड़ दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत सरकार का बड़ा बयान, पाकिस्तान को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी) चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी की आज अहम बैठक कर रही है। जिसमें अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुक्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा कि, बीसीसीआई ने बयान जारी किया है।

बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात ये है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।

वहीं इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा कि, इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेगें। भारत और पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट का आयोजन करना अच्छा नहीं है। टूर्नामेंट के मुख्य प्रसारक जियो स्टार ने पहले ही आईसीसी के टॉप अधिकारियों से संपर्क कर कार्यक्रम के बारे में आखिरी निर्णय पर पहुंचने में हो रही देरी पर अपनी निराशा व्यक्त की है। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूर्नामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन ये समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है।

एक नजर

अमृतसर में बंद पुलिस चौकी के बाहर धमाका

चण्डीगढ़ : अमृतसर में शुक्रवार की सुबह एक बन्द हो चुकी पुलिस चौकी के बाहर धमाका हुआ है। इससे पहले पिछले सप्ताह ही अजनाला पुलिस थाने के बाहर से आईईडी बरामद किया गया था। वहां पर भी धमाके की योजना थी। अमृतसर की गुरबख्श नगर चौकी को पिछले साल बन्द कर दिया गया था। इस चौकी में संबंधित थाने का सामान रखा जाता है। आज यहां सुबह एक धमाका हुआ।धमाके से कोई नुकसान नहीं हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब तीन बजे बम धमाके की आवाज से पूरा इलाका दहल गया। लोग घरों से बाहर निकल आये और चारों तरफ अफरा तफरी फैल गई। धमाके के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया। एडीसीपी शहरी विशालजीत सिंह के अनुसार, धमाके से किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। धमाका किस कारण से हुआ, इसके लिए फोरेंसिक व अन्य टीमों को बुलाया गया है। अभी पुलिस जांच कर रही है, जांच के बाद ही कहा जा सकता है कि धमाका किन कारणों से हुआ है।

गाजियाबाद में 200 तोतों के साथ एक शख्स गिरफ्तार

गाजियाबा : उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की थाना वेबसिटी पुलिस ने शुक्रवार को 200 तोतों के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया। वह इन तोतों को बस में रखकर मुरादाबाद से जयपुर ले जा रहा था। अन्य दो आरोपित बस से कूद कर फरार हो गए। इन तोतों को पिंजड़ों में ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। गाजियाबाद की एसीपी लिपि नगायच ने मीडियाकर्मियों को बताया कि पीपुल फॉर एनिमल के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता की सूचना पर वेबसिटी पुलिस ने आईएमएस कॉलेज के पास एक बस को रोक कर जांच की। बस में हरे रंग के कम से कम 200 तोते पिंजरों में बंद बरामद किए गए। यह बस राजस्थान के जयपुर जा रही थी। पुलिस ने बस परिचालक महावीर सिंह को गिरफ्तार किया है। वह राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के बड़ा गांव कहार का निवासी है। आरोपित महावीर सिंह ने पुलिस को बताया कि इन तोतों को शकील खान निवासी अशोक मोहल्ला पूर्वी दिल्ली जाफराबाद और तौफीक खान निवासी सराय जहांगीर बिलासपुर गेट रामपुर राजस्थान ले जा रहे थे। उसने पुलिस को बताया कि शकील और तौफीक बस से कूद कर भाग गए। एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता ने तीनों आरोपितों के खिलाफ तोतों को घायल करने, वन्यजीव को बंदी बनाने और निर्दयतापूर्वक पिंजरों में ठूंस-ठूंस कर भरने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज करायी।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार, मामला दर्ज

कठुआ : अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना के समग्र पर्यवेक्षण में दो अवैध शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 305 बोतलें अवैध शराब बरामद की हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस प्रभारी पुलिस पोस्ट चडवाल के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने एनएचडब्ल्यू चडवाल क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान एक कार संख्या जेके08ए-3967 को शक के आधार पर जांच के लिए रोका। जांच के दौरान उनके अवैध कब्जे से कुल 305 अवैध शराब की बोतलें बरामद की गई। इसी बीच कार सहित अवैध शराब की सभी बरामद खेप जब्त कर ली गई और इस सिलसिले में दो अवैध शराब तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया जिनकी पहचान अशोक कुमार पुत्र तारा चंद निवासी बाजा बैन तहसील सुंदरबनी जिला राजौरी और दूसरा सुनील कुमार पुत्र सुदेश कुमार निवासी रामकोट जिला कठुआ के रूप में हुई है।

जल संकट आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक : उमा शंकर पांडे

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में सतत आवास और कृषि क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के क्रियान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एयर कंडीशनर तापमान विनियमन पर पोस्टर और जलवायु परिवर्तन से संबंधित 100 सफलता कहानियों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।कार्यशाला में पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल संकट आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। उन्होंने यह बात दोहराई कि पानी बनाया नहीं जा सकता, केवल बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी से जल बचाने की अपील की और इस दिशा में ठोस व सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण के लिए संग्रहालय और विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही, उन्होंने यह सुझाव दिया कि छात्रों को पानी बचाने के उपायों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए और ह्वपानी की पाठशालाह्व जैसी पहल शुरू की जाए, ताकि जल के महत्व और उसके संरक्षण की तकनीकों को लोगों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी पद्धतियां अपनाई जानी चाहिए, जिनसे घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और जंगल का पानी जंगल में ही संरक्षित रहे। उन्होंने नया रायपुर में मौजूद जल संरचनाओं और जलाशयों की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और नदियों को स्वच्छ रखने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को कम करने के लिए समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस दिशा में प्लास्टिक का उपयोग न करने और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित ऊर्जा , हरित भवन , और हरित इस्पात जैसे नवाचारी उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय के प्रत्येक सदस्य को अपनी भूमिका समझनी होगी और पर्यावरण अनुकूल आदतें विकसित करनी होंगी। साथ ही, उन्होंने जोर दिया कि जागरूकता अभियानों और स्थानीय स्तर पर प्रयासों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

भारत के विकास में संस्कृत की बड़ी भूमिका : राज्यपाल

एजेंसी

हरिद्वार : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने स्वामी गोविंददेव गिरी, डॉ. चिन्मय पंड्या एवं आचार्य श्रीनिवास बरखेड़ी को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक, पीएचडी उपाधि सहित स्नातक एवं परास्नातक उपाधि भी प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने भारत में जन्म लेने को भगवान का आशीर्वाद बताते हुए इसे अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा एक चमत्कारिक भाषा है, जिसके मंत्रों के उच्चारण मात्र से विभिन्न कार्य संपन्न हो जाते हैं। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए कहा कि हम सभी को संस्कृत के संरक्षण, संवर्द्धन और प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी हमारे भारत की संस्कृति को आगे बढ़ा के ले जाएंगे। राज्यपाल ने कहा कि यह समय हमारे लिए बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के विकास में संस्कृत एक बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में संपूर्ण पृथ्वी को ही अपना परिवार माना है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के नवनिर्माण में युवाओं की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। हमारे देश में युवाओं की संख्या 65 प्रतिशत लोग युवा हैं। युवाओं को तो केवल समुचित मार्ग दर्शन और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है, युवा दुनिया को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत से बड़ा दूसरा कोई साधन नहीं है जो संपूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकता हो। हमें अपनी संस्कृत भाषा की क्षमता को पहचानना है, इस पर शोध करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक है। इसका साहित्य भी विशाल है। संस्कृत भाषा में असंख्य ग्रंथ आज भी उपलब्ध है। जब दुनिया के अन्य हिस्सों में लोग सामान्य जीवन जी रहे थे तब हमारे देश में ऋषि मुनि दिव्य दृष्टि एवं अलौकिक दिव्य शक्तियों एवं साधना के द्वारा मानवता के कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत थे। इसकी गहराई को समझते हुए इसके ज्ञान के भंडार को आज की बाजार की शक्तियों और इको सिस्टम से जोड़ते हुए संस्कृत का संरक्षण संवर्द्धन की दिशा में कार्य किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि कोविड के दौरान समझ आया कि हम हजारों सालों से हाथ जोड़ कर नमस्कार क्यों करते हैं। उन्होंने सभी से संस्कृत की दिव्यता, भव्यता, पवित्रता और स्वच्छता के लिए अपना-अपना योगदान देने की अपील की।

उत्तरी सीरिया के अलेप्पो शहर पर दागे गए रॉकेट कई लोगों की मौत

दमिश्क : उत्तरी सीरिया के प्रमुख अलेप्पो शहर में आज सुबह कई स्थानों पर रॉकेट दागे गए। इस हमले में विश्वविद्यालय की आवासीय इमारत और न्यू अलेप्पो क्षेत्र की एक इमारत को निशाना बनाया गया। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। अपेल्लो शहर को चार साल बाद रॉकेट के गोले दागकर निशाना बनाया गया। अरबी भाषा की प्रमुख समाचार वेबसाइट '+963' ने एक स्थानीय सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि दो रॉकेट गोले अलेप्पो के पड़ोस में विश्वविद्यालय आवास की यूनिट 15 पर गिरे। यह स्थान लाफरकान और न्यू अलेप्पो क्षेत्र में लाना जेनो स्कूल के पास है। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दारा गवर्नरेट के दो छात्र भी शामिल हैं। इससे भयभीत विश्वविद्यालय की आवासीय इमारत में रहने वाले अधिकांश छात्र वहां से चले गए।

भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने की संभावना नहीं : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि सुरक्षा चिंताओं के कारण अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, जब उन्होंने एशिया कप में भाग लिया था। दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों ने आखिरी बार 2012-13 में भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी, जिसमें सफेद गेंद के मैच शामिल थे। उसके बाद, भारत और पाकिस्तान मुख्य रूप से आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में एक-दूसरे का सामना करते रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान में सुरक्षा चिंताओं के कारण, यह संभावना नहीं है कि भारतीय टीम पाकिस्तान में मार्की इवेंट खेलने के लिए सीमा पार करेगी। रणधीर जायसवाल ने आज एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि वहां सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हैं, और इसलिए, यह संभावना नहीं है कि टीम वहाँ जाएगी। भारत ने पाकिस्तान की यात्रा न करने के अपने रुख पर दृढ़ता से कायम है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि बोर्ड भारत सरकार द्वारा जारी निदेशों का सख्ती से पालन करेगा। भारत ने आईसीसी टूर्नामेंट के लिए यात्रा न करने के बारे में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है, वहीं पाकिस्तान भी अपने रुख पर अड़ा हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट की मेजबानी करने के विचार को खारिज कर दिया था। हाल ही में, उन्होंने वादा किया कि बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सबसे अच्छा करने की कोशिश कर रहा है।

अडाणी पर अमेरिका से नहीं मिला अनुरोध : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली : विदेश मंत्रालय ने कहा है कि गौतम अडाणी प्रकरण में उसे अमेरिका के जस्टिस विभाग की ओर से समन या गिरफ्तारी वारंट तामील करने का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है। विदेशी सरकार की ओर से जारी किसी समन या वारंट की तामील परस्पर कानूनी सहायता प्रक्रिया के तहत की जाती है। ऐसे किसी अनुरोध पर गुण-दोष के आधार पर फैसला किया जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गौतम अडाणी के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि यह एक निजी व्यक्ति और कंपनी तथा अमेरिका के न्याय विभाग के बीच का कानूनी मामला है। ऐसे मामलों में निश्चित कानूनी प्रक्रिया और उपाय हैं और हमें विश्वास है कि इसका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी प्रकरण में भारत सरकार को पहले से कोई सूचना नहीं दी गई। साथ ही दोनों देशों के बीच इस संबंध में कोई बातचीत भी नहीं हुई। प्रवक्ता ने दोहराया कि यह मामला निजी पक्षों से जुड़ा है तथा फिलहाल भारत सरकार इसके साथ कानूनी रूप से नहीं जुड़ी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की एक अदालत में गौतम अडाणी की कंपनी के खिलाफ मुकदमे में आरोप पत्र दाखिल हुआ है। कंपनी पर आरोप है कि उसने भारत में ठेके हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को कथित रूप से रिश्वत देने की साजिश रची।

यात्री विमान दुर्घटना की आकस्मिक स्थितियों में आईसीजी ने किया बचाव कार्यों का प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली : कोच्चि तट पर भारतीय तटरक्षक बल के 11वें दो दिवसीय राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास का शुक्रवार को समापन हो गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड के सदस्यों और मित्र देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 38 विदेशी पर्यवेक्षकों ने भी भाग लिया। आज हुए समुद्री अभ्यास में एक यात्री विमान दुर्घटना की आकस्मिक स्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास का उद्घाटन रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने गुरुवार को किया था। कार्यक्रम की समीक्षा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक एस. परमेश ने की। 'क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना' विषय पर चचाओं के दौरान समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में कई तरह की गतिविधियां शामिल थीं, जिसमें टेबल-टॉप अभ्यास और विदेशी पर्यवेक्षकों की उपस्थिति ने इन चचाओं को समृद्ध करके क्षेत्रीय सहयोग की भावना को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आज हुआ समुद्री अभ्यास था, जिसमें एक यात्री विमान दुर्घटना से जुड़ी आकस्मिक स्थिति के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इस परिदृश्य में 250 यात्रियों को ले जा रहे एक विमान को गंभीर तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, जिससे उसका एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया और वह कोच्चि से लगभग 150 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में राडार से गायब हो गया। इसके बाद तेजी के साथ समन्वित सामूहिक बचाव अभियान शुरू किया गया, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल, भारतीय वायु सेना के जहाज और विमान, कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण के टग, कोच्चि जल मेट्रो से 03 जल मेट्रो और 01 गरुड़ बचाव और आपातकालीन शिल्प और केरल राज्य प्रशासन की जल एम्बुलेंस ने हिस्सा लिया। ऑपरेशन के दौरान वायु सेना के विमानों और आईसीजी के जहाजों ने जीवन रक्षक राफ्ट गिराने, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर का उपयोग करके यात्रियों को निकालने, जेसन क्रैडल तकनीक का उपयोग करके चालक दल के बचाव अभियान और जीवन रक्षक उपकरणों को पहुंचाने के लिए ड्रोन की तैनाती का प्रदर्शन किया गया। इस अभियान में भाग लेने वाली एजेंसियों ने उच्च स्तर के समन्वय और तैयारियों को रेखांकित किया। इस अभ्यास ने आपसी समझ बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर समुद्री आकस्मिकताओं के प्रबंधन के लिए प्रभावी रणनीतियों का आदान-प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया।

संक्षिप्त खबरें

नौसेना ने अरब सागर में दो श्रीलंकाई नावों से बरामद की 500 किलो ड्रग्स

नई दिल्ली : अरब सागर में मछली पकड़ने वाली दो श्रीलंकाई नावों से 500 किलो ड्रग्स बरामद करके 09 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्ती की यह कार्रवाई भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं के संयुक्त अभियान में की गई है। चालक दल और जब्त नशीले पदार्थों के साथ दोनों नावों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दिया गया है। भारतीय नौसेना के गुरुग्राम स्थित सूचना संलयन केंद्र को श्रीलंकाई नौसेना से अरब सागर में श्रीलंकाई ध्वज वा?ली मछली पकड़ने वाली दो नावों से मादक पदार्थों की तस्करी किये जाने के बारे में जानकारी मिली। इस इनपुट पर भारतीय नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और दूर से संचालित विमान से व्यापक निगरानी की गई। साथ ही निगरानी प्रयासों को बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना जहाज के एक जहाज को भी तैनात किया गया।
मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में सूचना के आधार पर भारतीय नौसेना ने ?दोनों नावों को रोकने के लिए एक समन्वित अभियान के माध्यम से त्वरित प्रतिक्रिया दी। श्रीलंकाई नौसेना से लगातार मिल रही सूचनाओं और भारतीय नौसेना के विमानों से हवाई निगरानी के आधार पर 24 और 25 नवंबर को दो नावों की पहचान की गई। मादक पदार्थ विरोधी अभियानों का संचालन करने के लिए भारतीय नौसेना के एक अतिरिक्त जहाज को भी तैनात किया गया था। इसके बाद जहाज और हवाई संपत्तियों के बीच दोनों नावों के चालक दल को सचेत किया गया, जिस पर सभी सदस्यों ने हाथ खड़े करके समर्पण कर दिया। भारतीय और श्रीलंकाई नौसेना के समन्वित अभियान में जहाज की बोर्डिंग टीम ने दोनों नावों पर चढ़ाई की और लगभग 500 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए। चालक दल और जब्त नशीले पदार्थों के साथ दोनों नावों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

बांग्लादेश मामले में भारत हस्तक्षेप करे : स्वामी दिव्यानंद

बांग्लादेश : अखिल भारतीय संत समिति के उपाध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर भारत को हस्ताछेप करना अनिवार्य हो गया है, वर्तमान समय में पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ा है, किसी भी दो देशों के बीच में युद्ध चल रहे होते हैं, तो वह भारत की ओर टकटकी लगाकर देखता है, कि इसका समाधान भारत ही कर सकता है। वैसे भी बांग्लादेश हमारा पड़ोसी होने के नाते, साथ ही हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के कारण यदि भारत हस्तक्षेप करता है, तो अन्य देश भी भारत का समर्थन करेगा और बांग्लादेश पर दबाव पड़ेगा। निश्चित रूप से वहां शांति बहाल होगी और उपद्रवियों पर भी प्रभाव पड़ेगा। स्वामी दिव्यानंद जी ने यह भी बताया कि भारत सरकार को यदि आवश्यकता लगे तो एक भारत की तरफ से एक प्रतिनिधि मंडल का गठन करके बांग्लादेश भेजा जाए और वहां के राष्ट्रपति एवं अन्य उच्चाधिकारियों के संग वार्ता करे, और वहां के हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के साथ मिलकर उन्हें ढांढस देने से पीड़ितों को शांति तो मिलेगी ही, साथ ही साथ उपद्रवियों पर भी दबाव बनेगा। स्वामी जी ने यह भी बताया कि यदि भारत सरकार एक प्रतिनिधि मंडल गठन कर बांग्लादेश भेजें तो अखिल भारतीय संत समिति की झारखंड इकाई भी इस कार्य के लिए तैयार है।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, गोला-बारूद बरामद

पुंछ: जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। यहां से गोला-बारूद तथा अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मेंढर इलाके के मनकोट सेक्टर में सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाना ढूंढ़ निकाला। जहां से दो आईईडी, आरडीएक्स, एक बैटरी और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की गई। सुरक्षाबलों ने गोला-बारूद और अन्य संदिग्ध सामान कब्जे में लेकर आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर दिया। क्षेत्र तथा आसपास के इलाकों में आतंकियों की तलाश जारी है।

विपक्ष की आवाज दबा रही है आम आदमी पार्टी की सरकार : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा के आखिरी सत्र के पहले दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही देर बाद भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। स्पीकर रामनिवास गोयल द्वारा नियम 280 के तहत उठाए जाने वाले मुद्दों को सूचीबद्ध सदस्यों द्वारा पढ़े जाने के रूप में घोषित किए जाने के बाद नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। उन्होंने इस बात पर भी विरोध जताया कि तीन दिवसीय सत्र में प्रश्नकाल की व्यवस्था नहीं की गई है। हालांकि आज विधानसभा सत्र की शुरूआत पिछले साल बस मार्शलों को उनकी नौकरी से हटाए जाने के मुद्दे पर चर्चा से हुई। सदन से वॉकआउट करने के बाद नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में आम आदमी पार्टी की सरकार पर विपक्षी विधायकों की आवाज को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आआपा की सरकार द्वारा अपनी गलतियों और असफलताओं को छुपाने के लिए भाजपा विधायकों को सदन में बोलने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि नियम-280 के अंतर्गत विजेंद्र गुप्ता व भाजपा के अन्य विधायकों ओम प्रकाश शर्मा, मोहन सिंह बिष्ट, जितेंद्र महाजन, अभय वर्मा, अजय महावर और अनिल बाजपेई के विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए नोटिस को स्वीकार करने के बावजूद उन्हें सदन में बोलने और उसकी चर्चा करने की अनुमति नहीं दी गई। गुप्ता ने आरोप लगाया कि विपक्ष को बोलने का मौका न देने की मंशा के चलते विधानसभा अध्यक्ष ने नियम-280 के प्रावधान को ही सदन की कार्यवाही से निकाल दिया। विरोधस्वरूप विपक्षी विधायकों ने सदन की कार्यवाही से वॉकआउट कर दिया। गुप्ता ने कहा विपक्ष अरविंद केजरीवाल के शीशमहल पर करोड़ों रुपये के भोग-विलासिता के संसाधन जुटाये जाने, रोहिंग्याओं को दिल्ली सरकार द्वारा वोटर कार्ड जारी करने और उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल करने, कैग की लंबित पड़ी 14 रिपोर्टस को सदन पटल में रखने जैसे मुद्दों पर चर्चा करना चाहता था और सरकार से इन सभी मुद्दों पर जवाब मांगना चाहता था लेकिन सत्तारूढ़ आआपा उन्हें इन मुद्दों पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई। गुप्ता ने कहा कि आआपा अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है, इसीलिए इस सत्र में प्रश्नकाल का प्रावधान ही नहीं रखा गया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**